हिन्दी दैनिक

रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना,मंगलवार 24 सितम्बर 2024 वर्ष : 02 अंक :132 पृष्ठ -14 PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 मूल्य - ₹ 3 पटना संस्करण

ब्रीफ न्यूज

धर्मनिरपेक्षता को लेकर राज्यपाल के बयान पर भड़की कांग्रेस, कहा- कुछ भी बोलना उनकी आदत बन गई

एजेंसी

तमिलनाडु: तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि के धर्मनिरपेक्षता पर दिए गए बयान पर कांग्रेस सांसद डॉ. सैयद नसीर हुसैन ने कहा कि न तो उन्हें धर्मनिरपेक्षता शब्द का मतलब पता है और न ही उन्हें पता है कि संविधान में 'धर्मनिरपेक्ष' शब्द डालते समय क्या चर्चा हुई थी। कुछ भी बोलना उनकी आदत बन गई है। पहले तो केवल भाजपा के नेता ही बोलते थे, लेकिन अब उन्होंने राज्यपालों और संवैधानिक संस्थाओं से बोलना शुरू कर दिया है या तो वे संविधान का पालन करें या इस्तीफा दें।कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और विरुधुनगर लोकसभा क्षेत्र से सांसद मणिकम टैगोर ने आलोचना की है। कांग्रेस नेता ने एक्स पर लिखा कि धर्मनिरपेक्षता पर तमिलनाडु के राज्यपाल का बयान अस्वीकार्य है। यह भारत के संविधान और महात्मा गांधी, बाबासाहेब अंबेडकर, पंडित जवाहरलाल नेहरू और सरदार वल्लभ भाई पटेल के भारत के विचार के भी खिलाफ है। विदेशों में धर्मनिरपेक्षता का विचार भले ही अलग हो।

प्रधानमंत्री ने फिलिस्तीनी राष्ट्रपति से मुलाकात की

गाजा की स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की

इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गाजा में मानवीय स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने क्षेत्र में शांति और स्थिरता की बहाली के लिए भारत के समर्थन को दोहराया। प्रधानमंत्री मोदी इस समय न्यूयॉर्क में हैं।

एजेंसी

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इन दिनों अमेरिका की यात्रा पर हैं। अमेरिकी यात्रा के दौरान यहां पीएम नरेंद्र मोदी ने फिलिस्तीनी राष्ट्रपति महमूद अब्बास से मुलाकात की है। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गाजा में मानवीय स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने क्षेत्र में शांति और स्थिरता की बहाली के लिए भारत के समर्थन को दोहराया। मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, "न्यूयॉर्क में राष्ट्रपति महमूद अब्बास से मुलाकात की। क्षेत्र में शांति और स्थिरता की शीघ्र बहाली के लिए भारत के समर्थन को दोहराया। फिलिस्तीन के लोगों के साथ दीर्घकालिक मित्रता को और मजबूत करने के लिए विचारों का आदान-प्रदान किया।प्रधानमंत्री मोदी इस समय न्यूयॉर्क में हैं। उन्होंने रविवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा सत्र के दौरान नेता से मुलाकात की। इस मुलाकात के संदर्भ में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बाद में एक्स पर एक पोस्ट में कहा: "प्रधानमंत्री मोदी ने गाजा में मानवीय स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की और फिलिस्तीन के लोगों के प्रति भारत के निरंतर समर्थन की पुष्टि की।गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तीन दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर संयुक्त राज्य अमेरिका की यात्रा पर हैं। वह डेलावेयर के विलमिंगटन में क्वाड लीडर्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने के बाद शनिवार को न्यूयॉर्क पहुंचे। इसके बाद रविवार दोपहर को उन्होंने लॉन्ग आइलैंड में आयोजित 'मोदी एंड यूएस' मेगा सामुदायिक कार्यक्रम में भारतीय-अमेरिकी समुदाय के हजारों सदस्यों को संबोधित किया।

सीएम योगी ने नवरात्रि को मिशन शक्ति अभियान को समर्पित करने के दिये हैं निर्देश

एजेंसी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर संस्कृति विभाग आगामी नवरात्रि पर्व पर भव्य आयोजन की तैयारी में जुट गया है। प्रदेशभर के सभी देवी मंदिरों और शक्तिपीठों में विविध सांस्कृतिक आयोजन होंगे। बता दें कि प्रदेश में महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन के लिए विशेष अभियान"मिशन शक्ति चलाया जा रहा है। इसी क्रम में संस्कृति विभाग द्वारा महिलाओं व बालिकाओं की सहभागिता के साथ प्रदेश में अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तावित किये गये हैं। संस्कृति विभाग के प्रमुख सचिव मुकेश मेश्राम के अनुसार आगामी शारदीय नवरात्रि में 3 अक्टूबर से 12 अक्टूबर तक प्रदेश के देवी मन्दिरों एवं शक्तिपीठों में महिलाओं एवं बालिकाओं की सहभागिता सुनिश्चित करते हुए महिला सुरक्षा के लिए सरकार द्वारा लागू किये गये कानूनों का वृहद प्रचार-प्रसार किया जाएगा। इसके अलावा अष्टमी एवं नवमी के अवसर पर प्रमुख शक्तिपीठ मन्दिरों में सामाजिक मूल्यों व राष्ट्रीय मूल्यों के व्यापक प्रचार-प्रसार व जनसामान्य को इससे जोड़ते हुए रामायण पाठ का आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन के लिए गतवर्ष की भांति प्रत्येक जनपद में जनपद स्तरीय।

बता दें कि प्रदेश में महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन के लिए विशेष अभियान"मिशन शक्ति चलाया जा रहा है।

बेसमेंट में डूबने से हुई थी 3 छात्रों की मौत, कोचिंग सेंटर के सीईओ और को-ऑर्डिनेटर को मिली अंतरिम जमानत

एजेंसी

नई दिल्ली: दिल्ली की एक अदालत ने कोचिंग संस्थान के बेसमेंट में पानी भरने से सिविल सेवा के तीन अभ्यर्थियों की मौत के मामले में सोमवार को आरएयू के आईएएस स्टडी सर्किल के सीईओ अभिषेक गुप्ता और समन्वयक देशपाल सिंह को सात दिसंबर तक अंतरिम जमानत दे दी। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अंजू बजाज चांदना ने आरोपियों को एक-एक लाख रुपये के निजी मुचलके और इतनी ही राशि की दो जमानतों पर राहत प्रदान की। न्यायाधीश ने गुप्ता को 30 नवंबर तक रेड क्रॉस सोसाइटी में 2.5 करोड़ रुपये जमा कराने का निर्देश देते हुए कहा कि

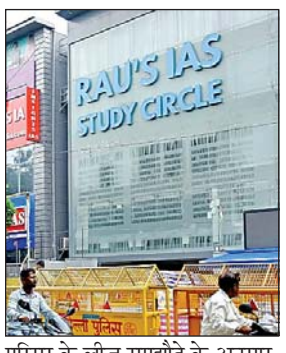

परिसर के लीज समझौते के अनुसार, आरोपी संस्थान का पट्टेदार और सीईओ होने के नाते अकेले ही किसी भी नुकसान के दावे और किसी भी व्यक्ति या सामग्री को हुए नुकसान के लिए जिम्मेदार होगा। न्यायाधीश ने कहा कि गुप्ता और सिंह क्रमशः राऊ के आईएएस स्टडी सर्किल के सीईओ और समन्वयक थे और इसके मामलों पर उनका नियंत्रण था। सीबीआई ने दिल्ली कोचिंग सेंटर के मालिक के खिलाफ मामला दर्ज कियापिछले महीने की शुरूआत में सीबीआई ने ओल्ड राजिंदर नगर में एक कोचिंग सेंटर में सिविल सेवा के तीन उम्मीदवारों की मौत की जांच अपने हाथ में ली थी और संस्थान के मालिक के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश के बाद केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने दिल्ली पुलिस से मामले को अपने हाथ में लिया।

पंचकूला में उत्तराखंड के सीएम, कहा- 10 सालों में सरकार ने स्थापित किए कई कीर्तिमान,

एजेंसी

उत्तराखंड: उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भाजपा के चुनाव प्रचार के लिए हरियाणा पहुंचे। सीएम धामी ने पंचकूला में भाजपा प्रत्याशी ज्ञान चंद गुप्ता के पक्ष में जनसभा को संबोधित किया। स्थानीय भाजपा कार्यकताओं और जनता ने पुष्कर सिंह धामी का भव्य स्वागत किया। प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में हरियाणा सरकार ने पिछले 10 वर्षों में कई कीर्तिमान स्थापित किए हैं, जिससे पूरे हरियाणा की तस्वीर बदल गई है।

चाहे वह सड़क, स्वास्थ्य, पेयजल से जुड़े मुद्दे हों या बुनियादी ढांचे का क्षेत्र हो, हरियाणा में हर क्षेत्र में अभूतपूर्व काम हुआ है।

राष्ट्रीय मीडिया गुरु सम्मान से अलंकृत किए जाएंगे प्रो. संजय द्विवेदी

एजेंसी

पाली। कल्पवृक्ष साहित्य सेवा संस्थान, पाली (राजस्थान) द्वारा शिक्षाविद् पं. विष्णुप्रसाद चतुर्वेदी स्मृति द्वितीय राष्ट्रीय व्याख्यान माला एवं साहित्यकार सम्मान समारोह आगामी 29 सितंबर को वंदेमातरम एकेडमी ,पाली में आयोजित किया गया है। संस्थान अध्यक्ष पवन पाण्डेय एवं संयोजक राजेन्द्र सिंह भाटी ने बताया कि समारोह में मानवीय मूल्यों की स्थापना, साहित्य लेखन, पत्रकारिता एवं शैक्षिक उन्नयन में विशेष योगदान देने हेतु भारतीय जनसंचार संस्थान नई दिल्ली के पूर्व महानिदेशक प्रो. (डा.) संजय द्विवेदी जी को 'पं. विष्णुप्रसाद चतुर्वेदी राष्ट्रीय मीडिया गुरु सम्मान - 2024' से सम्मानित किया जायेगा। भारतबोध, राजनीतिक, सामाजिक और मीडिया के मुद्दों पर प्रो. द्विवेदी के 3500 से अधिक लेख विभिन्न पत्र पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुके हैं। उन्होंने 35 पुस्तकों का लेखन एवं संपादन किया है।

स्टालिन ने केंद्र को लिखा पत्र, गिरफ्तार किए गए मछुआरे पर भारी जुमार्ने का किया जिक्र

एजेंसी

तमिलनाडु : तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने विदेश मंत्री एस जयशंकर से हस्तक्षेप करने और श्रीलंकाई नौसेना द्वारा गिरफ्तार किए गए तमिलनाडु के मछुआरों पर लगाए जा रहे भारी जुमार्ने के मुद्दे पर ध्यान देने का आग्रह किया है। पिछले सप्ताह, तमिलनाडु के 37 मछुआरों को श्रीलंकाई नौसेना ने तीन मशीनीकृत नावों के साथ हिरासत में लिया था।

मुख्यमंत्री स्टालिन ने पारंपरिक जल में मछली पकड़ते समय मछुआरों की गिरफ़्तारी की बढ़ती घटनाओं पर चिंता व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने कहा, "श्रीलंका की अदालतें ऐसे दंड लगा रही हैं जो इन मछुआरों की पहुँच से बाहर हैं। श्रीलंकाई अधिकारियों को मछुआरों को हिरासत में लेने और उनकी नावों को जब्त करने से रोकने के लिए कड़े कदम उठाए जाने चाहिए। स्टालिन ने एक पत्र में विदेश मंत्री से अनुरोध किया कि वे श्रीलंका सरकार पर दबाव डालें कि वह मछुआरों पर भारी जुमार्ना लगाना बंद करे और उन्हें आवश्यक कानूनी सहायता प्रदान करे।

दलितों का अपमान कर रही कांग्रेस और कांग्रेसी उम्मीदवार अभी से ही बेच रहे नौकरियां: राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा

एजेंसी

रोहतक। राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा ने सोमवार को भाजपा मीडिया सेंटर में पत्रकारों से बातचीत की और कांग्रेस को जमकर घेरा। जांगड़ा ने कहा कि कांग्रेस के नेता मानसिक संतुलन खो चुके हैं। ये कभी दलित नेता पर जातीय टिप्पणी करते हैं तो कभी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर। कांग्रेस के लोग भाजपा के बारे में ऊल जलूल दुष्प्रचार कर रहे हैं। सांसद ने कांग्रेस को पर्ची खर्ची से नौकरी देने मामले में भी घेरा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के प्रत्याशी अभी से ही नौकरियों का सौदा

कर चुके हैं। कांग्रेसी उम्मीदवार लगातार बयान दे रहे हैं कि हुड्डा 2 लाख नौकरी देंगे, उनमें 2 हजार का कोटा प्रत्याशी का भी है। कांग्रेस उम्मीदवार सत्ता में आते ही अपना और अपने रिश्तेदारों का घर भरने की बात बोल रहे हैं, लेकिन भाजपा ने बिना पर्ची और बिना खर्ची युवाओं को नौकरी दी और आगे भी देती रहेगी।रामचंद्र जांगड़ा ने कहा कि हरियाणा में तीसरी बार भाजपा सरकार बनने जा रही है। हमने वादा किया है कि अग्निवीर जवानों को हरियाणा में सरकारी नौकरी देंगे, जबकि कांग्रेस के नेता अन्याय और अत्याचार की प्रणाली दोहराने की बात कर रहे हैं। जांगड़ा ने कहा कि कांग्रेस की दो जीभ हैं, कांग्रेस के नेता देश में कुछ और बालते हैं और विदेश में जाकर कुछ और बालते हैं। कांग्रेस न देश की है और न जनता की। राहुल गांधी जैसी बचकानी बातें कोई नेता नहीं कर सकता।

'हमारी सरकार के दोबारा आने की गारंटी नहीं,

नितिन गडकरी ने ऐसा क्या कहा, जो सभी हंस पड़

एजेंसी

नई दिल्ली: केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने अपने कैबिनेट सहयोगी रामदास अठावले को कई सरकारों में अपने कैबिनेट स्थान पर बने रहने की क्षमता को लेकर मजाक किया। महाराष्ट्र के नागपुर में एक कार्यक्रम में नितिन गडकरी ने कहा कि हमें चौथी बार सरकार बनाने की गारंटी नहीं है। लेकिन अगर कोई सरकार आई तो रामदास अठावले का दोबारा मंत्री बनना तय है। उन्होंने कहा कि सरकार में चाहे कोई भी हो रामदास अठावले का मंत्री पद पक्का है। अठावले मंच पर उपस्थित थे, जिसके बाद गडकरी ने स्पष्ट किया कि वह सिर्फ मजाक कर रहे थे।रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आरपीआई) के नेता अठावले तीन बार मंत्री रह चुके हैं और उन्होंने भाजपा के सत्ता में लौटने पर अपना सिलसिला जारी रखने का भरोसा जताया है। अठावले ने रविवार को कहा कि महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ महायुति सरकार में सहयोगी उनकी पार्टी आरपीआई (ए) को आगामी विधानसभा चुनाव में कम से कम 10 से 12 सीटों पर चुनाव लड़ने का मौका मिलना चाहिए। नागपुर में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, अठावले ने कहा कि आरपीआई-ए अपने पार्टी चिन्ह पर चुनाव लड़ेगी ।

जहानाबाद को सीएम नीतीश की 122 करोड़ की सौगात, पटना-गया-डोभी फोरलेन का लिया जायजा

एजेंसी

पटना: मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जहानाबाद जिले को 122 करोड़ रुपये की योजनाओं की सौगात दी। मुख्यमंत्री सोमवार को जहानाबाद सदर प्रखंड के कल्पा गांव से रिमोट के माध्यम से विभिन्न विभागों के 57 करोड़ 14 लाख 59 हजार रुपये की योजनाओं का उ?द्घाटन और 65 करोड़ 62 लाख 4 हजार रुपये की योजनाओं का शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सड़क मार्ग से पटना से जहानाबाद पहुंचे।उन्होने पटना से जहानाबाद जाने के क्रम में मुख्यमंत्री ने सरिस्ताबाद गांव के पास एनएच 30 और नाथूपुर गांव के पास एनएच 83 को जोड़ने वाले निमार्णाधीन पटना-गया-डोभी लिंक पथ का निरीक्षण किया और निर्माण कार्य तेजी से पूर्ण करने का निर्देश दिया। इसके बाद मुख्यमंत्री ने पटना-गया-डोभी (एनएच 83) मार्ग पर अवस्थित जहानाबाद में निमार्णाधीन आरओबी का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के बाद जहानाबाद के कनौदी गांव के पास एनएच 83 पर ही आयोजित समीक्षा बैठक में पथ निर्माण विभाग के अपर मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने पटना-गया-डोभी पथ के निर्माण कार्य के संबंध में मुख्यमंत्री को विस्तृत जानकारी दी।उन्होंने बताया कि बचे हुए काम को तेजी से पूर्ण करने के लिए कार्रवाई की जा रही है। जब यह मार्ग बन जाएगा तो पटना से डोभी की दूरी 2 घंटे में तय की जा सकेगी। समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि पटना-गया-डोभी मार्ग के बचे हुए कार्य को 2 महीने के अंदर पूर्ण करें। इस मार्ग के पूर्ण हो जाने से पटना से डोभी तक पहुंचने में लोगों के समय की बचत होगी और आवागमन भी सुलभ हो जाएगा। साथ ही लोगों को झारखंड पहुंचने में भी समय की बचत होगी। मुख्यमंत्री के साथ ग्रामीण कार्य मंत्री सह जहानाबाद जिला के प्रभारी मंत्री अशोक चौधरी भी साथ थे।

बिहार भाजपा का सेवा पखवाड़ा के तहत निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर , सैकड़ों लोगों को बांटी गई दवाइयां

मानवता की सेवा ही सच्ची सेवा : डॉ. दिलीप जायसवाल

भाजपा संगठन का मंत्र सेवा करना : भीखू भाई दालसनिया

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना:पटना, 23 सितंबर। बिहार भाजपा द्वारा आज सेवा पखवाड़ा के तहत प्रदेश कार्यालय में निःशुल्क परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इसके तहत सैकड़ों लोगों का स्वास्थ्य का परीक्षण किया गया तथा जरूरतमंदों को मुफ्त में दवाइयां दी गई। प्रदेश कार्यालय के अटल सभागार में चिकित्सा प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित इस स्वास्थ्य शिविर का उद्घाटन करते हुए भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सह बिहार के राजस्व और भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल ने इस चिकित्सा शिविर की प्रशंसा करते हुए कहा कि सही अर्थों में मानव सेवा ही सबसे बड़ी इबादत है, पूजा है। उन्होंने कहा कि मानवता की सेवा ही सच्ची सेवा है।उन्होंने कहा कि भाजपा इस सेवा सप्ताह के अंतर्गत इसी इबादत को लेकर पंडित दीनदयाल उपाध्याय और महात्मा गांधी के सपने को पूरा कर रही है। डॉ . जायसवाल ने भाजपा कार्यकताओं का आह्वान करते हुए कहा कि वे यह सेवा सप्ताह मानवता की सेवा के रूप में मनाएं। उन्होंने कहा कि यह सेवा सप्ताह जिला से मंडल स्तर तक मनाया जा रहा है और सेवा के तहत विभिन्न कार्य किए जा रहे हैं। इधर, संगठन महामंत्री भिखू भाई दालसनिया ने कहा कि आज बिहार के सभी विधानसभा क्षेत्रों में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया है। उन्होंने कहा कि सही अर्थों में संगठन सेवा करने के लिए ही है और सेवा ही संगठन है। उन्होंने कहा कि यह सेवा पखवाड़ा दो अक्तूबर तक चलेगा।इस शिविर में चिकित्सा प्रकोष्ठ ने के प्रदेश संयोजक डॉ मृणाल झा, प्रसिद्ध यूरोलॉजिस्ट डॉ निखिल चौधरी, प्रसिद्ध पेट रोग विशेषज्ञ डॉ मनोज कुमार, डॉ राजेश कुमार , डॉ निशांत, हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ वी पी सिन्हा, डॉ आर के भट्ट, डॉ अविनाश, डॉ प्रियरंजन, डॉ एस के ठाकुर, डॉ सुशांत सहित पालिका विनायक अस्पताल की पूरी टीम ने आए लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया और उसके बाद जरूरी लोगों को दवा बांटी। इस मौके पर प्रदेश महामंत्री राजेश वर्मा,प्रदेश उपाध्यक्ष शीला प्रजापति, प्रदेश मंत्री संजय गुप्ता, अमृता भूषण राठौर भी उपस्थित रहे।

मदरसा बोर्ड नियम और विनियम डॉ. नूर इस्लाम की किताब प्रकाशित

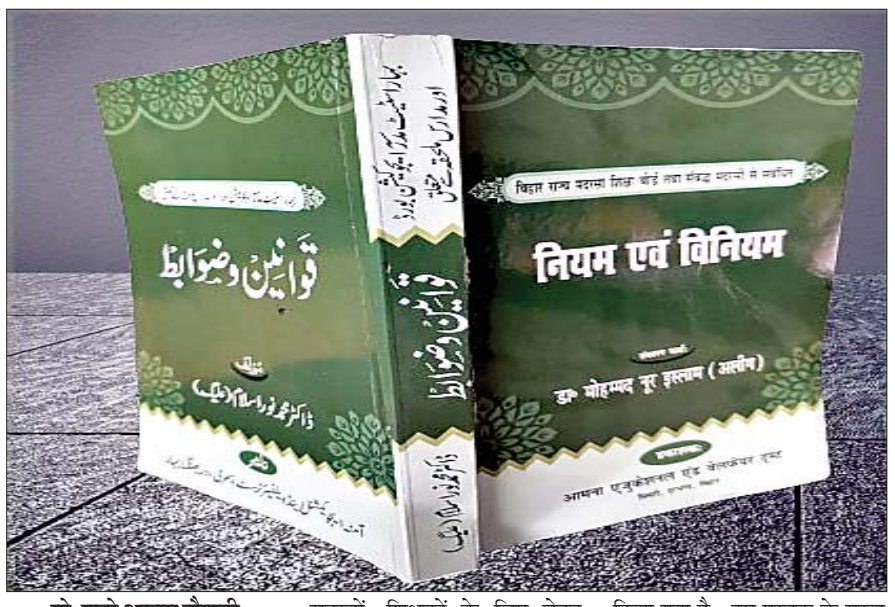

मो. सदरे आलम नौमानी

पटना: बिहार राज्य मदरसा शिक्षा बोर्ड पटना के शैक्षणिक अधिकारी सह परीक्षा नियंत्रक डॉ मुहम्मद नूर इस्लाम अलीग ने तीन साल की कड़ी मेहनत के बाद मदरसा बोर्ड के "नियम और विनियम" नामक पुस्तक प्रकाशित की है इस किताब में मदरसा बोर्ड के नियमों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की गई है।

जो मदरसों के प्रबंधन समिति के सदस्यों, शिक्षकों के लिए बेहद उपयोगी है, अधिकतर मदरसों के प्रबंधन समिति के सदस्यों को मदरसों के नियमों और कानूनों के बारे में जानकारी नहीं होती है, जिसके कारण कई समस्याएं उत्पन्न होती हैं। इस पुस्तक के प्रकाशन से लोगों को मदरसों से संबंधित नियम-कायदों के बारे में जानकारी मिलने से कई समस्याएं आसानी से हल हो जाएंगी, इस पुस्तक का विमोचन 5 सितंबर 2024 को किया गया है , इस पुस्तक के मुख्य विषय मदरसा बोर्ड का इतिहास, मदरसा प्रबंधन समिति का गठन, मदरसा में शिक्षकों की नियक्ति, अनुकंपा पर नियुक्ति, कार्यकाल में उन्नति, शिक्षकों के लिए अवकाश के प्रकार, इस के इलावा और भी बहुत कुछ इस किताब में शामिल है ,यह किताब बहुत ही मालोमाती किताब है, इस किताब का हर मदरसा और शिक्षकों के पास होना जरूरी है

भारतीय जनता पार्टी के सदस्यता अभियान के तहत महा सदस्यता अभियान

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

आज भारतीय जनता पार्टी के सदस्यता अभियान के तहत महा सदस्यता अभियान कार्यक्रम की दूसरा चरण 19 से 25 सितंबर चलाया जा रहा है, इसी क्रम को आगे बढ़ाने के लिये छपरा नगर मण्डल के विवश बैठक स्नेही भवन में नगर अध्यक्ष राजेश फैशन के अध्यक्षता में हुआ।

बैठक कि शुरूआत पंडित दीन दयाल उपाध्याय ,श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्प चढ़ाकर वन्दे मातरम से शुरूआत हुआ। जिला अध्यक्ष रंजीत सिंह ने कहा कि सभी कार्यकर्ता इस अभियान में अपने अपने बूथ पर 200 सौ नया सदस्य 8800002024 पर मिस्ट कॉल करके आन -लाइन फॉर्म को समिट कर सदस्य बनाया जाय। सारण जिला पूरे बिहार में 5 वा स्थान पर है हमे आप सभी कार्यकताओं के बल से सारण जिला को 1-3 में लाना है। छपरा के विधायक डॉ सी एन गुप्ता ने कहा कि सारण जिला को छपरा विधानसभा में भाजपा के सदस्य सबसे ज्यादा बने इसकी हम सभी बूथ स्तर से लेकर वरिष्ट कार्यकर्ता का जबाबदेही बनता है। जिले के संगठन के दृष्टिकोण से 39 मण्डल में सबसे ज्यादा 22 शक्ति केंद्र का मण्डल है सबसे ज्यादा सदस्य यहाँ से बनने का प्रयास किया जाय।

छपरा विधानसभा के संयोजक सह जिला भाजपा के मुख्य प्रवक्ता धर्मेंद्र सिंह चौहान ने कहा कि छपरा नगर के सभी टीम के कार्यकर्ता सदस्य बनाने में लगे है बस थोड़ा सक्रियता बढ़ाने की जरूरत है। खासकर युवा मोर्चा एवं महिला मोर्चा टीम को ज्यादा मेहनत करने की जरूरत है ।हमे पूरा विश्वास है कि छपरा जिला पूरे बिहार में 1-3 में सदस्य बंनाने में रहेगा साथ ही छपरा विधानसभा जिला का अपना स्थान अच्छा रहेगा बैठक में मुख्य रूप से पूर्व जिला महामंत्री शांतनु कुमार, पूर्व मण्डल अध्यक्ष सुशील सिंह, महिला मोर्चा के मण्डल अध्यक्ष ममता मिश्रा, नगर महामंत्री अनूप यादव, सन्नी प्रकाश चंदू, संदीप कुमार, अति पिछड़ा मोर्चा के जिला महामंत्री शत्रुध्न चौधरी, अनुरंजन प्रसाद, मनीष मिश्रा, अजित सोनी, बिक्की श्रीवास्तव, पीढ़ी बाबा, गोकुल कुमार, सहित मांग मण्डल के सभी पदाधिकारी, मोर्चा,मंच के अध्यक्ष, शक्ति केंद्र के प्रभारी उपस्थित हुए।

22 साल की उम्र में बीटेक सेकंड ईयर के छात्र सरवर आजम ने लिखी बियोंड स्कूल नामक पुस्तक

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

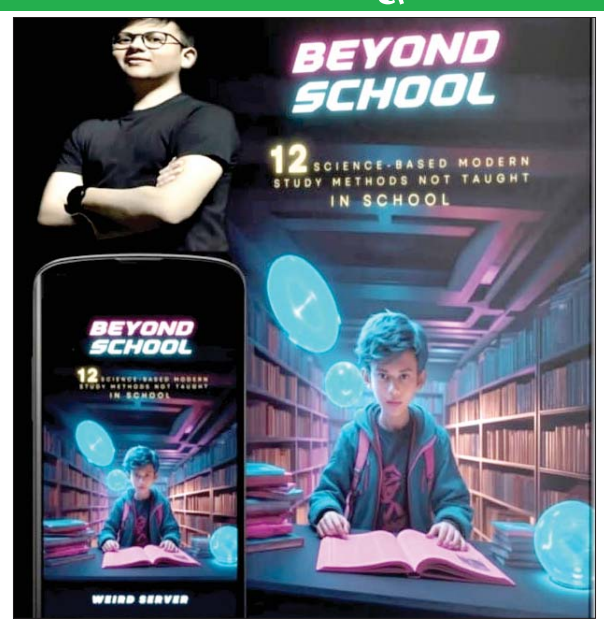

सीवान (रोजनामा इंडो गल्फ संवाददाता) मात्र 22 साल के एक स्टूडेंट जो सीवान में ही अभी बीटेक सेकंड ईयर में कंप्यूटर साइंस विषय से पढ़ रहे हैं ने मात्र एक साल के अंदर ही प्लस टू के स्टूडेंट के मार्गदर्शन और पढ़ाई में दिलचस्पी लाने के लिए 140 पेज का अंग्रेजी में किताब लिख डाला है । जिसका नाम "बियोंड स्कूल" है । सीवान सदर प्रखण्ड के अखैनिया गाँव के रहने वाले अली आजम के सबसे बड़े पुत्र सरवर आजम ने मात्र 22 वर्ष के उम्र में प्लस टू के विद्यार्थियों के लिए बहुत ही कामयाब किताब लिखी है जो छात्र-छात्राओं के दिमाग की क्षमता को अनलॉक करेगा अर्थात खोलेगा ।इस किताब का नाम है इए डठऊरउल्डडछ (बियोंड स्कूल) है । जिसमे सरवर आजम ने लेखक के तौर पर अपना नाम वियर्ड सर्वर रखा है ।यह किताब व्यावहारिक तरीके से चरण-दर-चरण मार्गदर्शिका काम करेगा ।किताब के लेखक सरवर आजम ने बताया कि

यह किताब उन प्लस टू के स्टूडेंट के लिए है जिन्हें पढ़ने में उनका मन नही लगता है, साइंस सब्जेक के सूत्र से घबड़ाते हैं, याद कर-कर के भी भूल जाते हैं और रट्टा मार-मार कर विचलित हो जाते हैं और फिर पढ़ाई से भागते हैं ।उनके लिए यह किताब उनके दिमाग की बत्ती को जलाएगी, पढ़ाई में दिलचस्पी लाएगी और लंबे समय तक ट्रिक के जरिये विषय की यादास्त को भी बढ़ायेगी ।इस कम उम्र लेखक सरवर आजम के मामा जाफर हुसैन जो सीवान नगर के वार्ड संख्या 10 के निवासी हैं ।वह बताते हैं की मुझे गर्व है कि उनके भांजे ने इतनी कम उम्र में प्लस टू की स्टडी करने वाले स्टुडेंट्स के लिए एक नायाब ट्रिक वाला किताब लिखा है ।जिससे उन बच्चों को पढ़ाई करने में यह पुस्तक काफी फायदेमंद साबित होगी जो बच्चे पढ़ाई में कमजोर हैं या पढ़ने में दिल नही लगता है या पढ़ने में उनका यादास्त कमजोर है जो रट्टा मार-मार कर भी भूल जाते हैं उन्हें कुछ समय बाद याद नही रहता है क्या पढ़ाई किए थे उनके लिए यह किताब दिमागीन कि तरह काम करेगा ।लेखक के मामा जाफर हुसैन आगे बताते हैं कि जो स्टूडेंट पढ़ाई में कमजोर होते हैं और दिलचस्पी नही ले पाते हैं उनके लिए यह किताब वरदान साबित होगा । गौरतलब है कि यह किताब जो अंग्रेजी में हैं उसका नाम इए डठऊरउल्डडछ (बियोंड स्कूल) है जिसके लेखक वियर्ड सर्वर (सरवर आजम) हैं ।यह किताब अें९ङ्कल्ल (एमाजोंन) और ऋ्रस्र"१३ (फ्लिपकार्ट) पर उपलब्ध है जिसे ऑनलाइन के जरिये खरीदा जा सकता है ।

मुफिफ्सल थानान्तर्गत कुल-200 लीटर देशी शराब के साथ 03 अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
शकील हैदर

पुलिस अधीक्षक, सारण के निर्देशन में सारण पुलिस द्वारा जिले में अवैध शराब का सेवन, निर्माण, बिक्री, भण्डारण, परिवहन, शराब तस्करों एवं शराब कारोबारियों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई हेतु विषेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में:-
दिनांक-22.09.24 को मुफ्फसिल थाना को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि साढ़ा के पास 02 माटरसाईकिल एवं 01 स्कूटी पर तीन व्यक्ति शराब लेकर छपरा की ओर जाने वाला है। उक्त सूचना पर आवश्यक कार्रवाई करते हुए साढ़ा के पास पहूँच कर छापामारी प्रारंभ किया। छापामारी के क्रम में कुल- 200 ली0 देशी शराब, स्कूटी-01 एवं मोटरसाईकिल-02 जप्त कर 03 अभियुक्त 1. गुड्डु कुमार, पिता- बिगन मांझी, साकिन- नैनी, थाना- मुफ्फसिल, जिला- सारण 2. पवन कुमार, पिता- सोहन राय, साकिन- साढ़ा, थाना- मुफ्फसिल, जिला- सारण 3. संजय महतो, पिता- पुलिस महतो, साकिन- लोहछा विश्वरपुर पथरा, थाना- डेरनी, जिला- सारण को गिरफ्तार किया। इस संबध में मुफ्फसिल थाना कांड सं0-580/24 दिनांक-22.09.2024 धारा-30(ए) बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद अधि0 दर्ज किया गया। इस कांड में संलिप्त शराब तस्करों/ कारोबारियों की गिरफ्तारी हेतु अग्रतर कार्रवाई की जा रही है।

परोल में पीसीसी सड़क का उद्घाटन जिला परिषद अलका झा मुकेश झा ने युक्त रूप से फिता काट कर किया उद्घाटन

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
अबु बकर

मधुबनी जिला के बेनीपट्टी अनुमंडल क्षेत्र के परोल पंचायत के परोल में पीसीसी सड़क का उद्घाटन जिला परिषद अलका झा मुकेश झा ने युक्त रूप से फिता काट कर किया उद्घाटन
जिला परिषद अलका झा मुकेश झा सुंदर मिश्रा शतन जीव झा लाल बाबू मुखिया अशोक राम सुनील यादव फूल सिंह अमित सिंह एवं संजीव मास्टर मुख्य ने युक्त रूप से फिता काट कर किया उद्घाटन इस अवसर पर जिला परिषद अलका झा ने बताया कि जनता ने से अनुरोध किया था इस सड़क को बनाया यह सड़क बरसात में पैदल चलने लायक

भी नहीं रहती है यह सड़क कई गांवों को जोड़ता है बरसों इंतजार के बाद आज इस सड़क का अरमान कंप्लीट होने के बाद आज उद्घाटन किया गया
के स्थानीय ग्रामीणों ने कहा कि यह इतिहास का दिन है क्योंकि यहां पारुल गांव से मुसहरी टोल जाने के लिए यह एकमात्र रास्ता है आज बरसों इंतजार के बाद आर सीसी सड़क का निर्माण हुआ है साथ हि गांव में पहली बार आर सीसी आल्हा का भी निर्माण किया गया है एक इतिहास का पाल है यहां के स्थानीय लोगों ने कहा जो काम यहां के यहां के एमपी एमएलए, एमएलसी मैं वादा करने के बाद भी इस सड़क का निर्माण नहीं कर पाए जिला परिषद में इस सड़क का निर्माण किया है इसके लिए हम उन को धन्यवाद देते हैं

सड़क उद्घाटन के अवसर पर जिला परिषद अलका झा मुकेश झा सुंदर मिश्रा शतन जीव झा लाल बाबू मुखिया अशोक राम सुनील यादव फूल सिंह अमित सिंह एवं संजीव मास्टर मुख्य रूप से उपस्थित थे

रेलवे स्टेशनों पर पहली बार 15 भाषाओं में होगा एनाउंसमेंट

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

महाकुंभ में देश के तमाम प्रांतों से आने वाले लाखों श्रद्धालुओं के समक्ष भाषा का संकट न आए इसके लिए उत्तर मध्य रेलवे प्रशासन एक खास इंतजाम करने जा रहा है। देश में पहली बार प्रयागराज में रेलवे हिंदी, अंग्रेजी ही नहीं 15 प्रमुख भाषाओं में एनाउंसमेंट करवाएगा। यह व्यवस्था प्रयागराज जंक्शन के साथ संगम क्षेत्र में रेलवे द्वारा बनाए जाने वाले शिविरों में भी की जा रही है। महाकुंभ के दौरान देश और विदेश में रहने वाले लाखों श्रद्धालुओं का आवागमन ट्रेनों के माध्यम से होना है। ऐसे में सॉफ्टवेयर की मदद से प्रयागराज जंक्शन, प्रयागराज छिवकी आदि स्टेशनों पर हिंदी, अंग्रेजी के साथ कोंकणी, गुजराती, बंगाली,

ओड़िआ, असमिया, तमिल, तेलुगु, मलयालम, कन्नड़ पंजाबी मणिपुरी, मराठी आदि भाषाओं में भी एनाउंसमेंट हो सकेगा।

वर्ग तीन से आठ तक का आज परीक्षा शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद आरिफ

सिवान महाराजगंज दुरौंधा 21 सितम्बर शनिवार।राज्य परियोजना परिषद द्वारा आयोजित अर्द्ध वार्षिक परीक्षा का आयोजन पुरे राज्य मे संचालित कड़ी निगरानी के बीच कराया जा रहा है।जहा आज विषय अंग्रेजी का परीक्षा वर्ग तीन से वर्ग पांच के छात्रों का परीक्षा प्रथम पाली मे सम्पन्न हुआ तो वही वर्ग छः से आठ तक के छात्रों का भी द्तीय पाली मे सम्पन्न हुआ।प्रश्न पत्र छात्रों के लिए आसान नहीं रहा। छात्रों को उलझाए रखने वाला प्रश्न पत्र रहा। दुरौन्धा प्रखण्ड स्थित उत्कर्मित मध्य विद्यालय रामसापुर के प्रधाना ध्यापक सह केंद्राधीक्षक श्री कमलेश कुमार सिंह और वरीय शिक्षिका हेवंती देवी ने बताया की आज के अंग्रेजी विषय के प्रश्न पत्र छात्रों को हल करने मे कठिनायो का सामना करना पड़ा है।वही जो छात्र अपने मेहनत के बदौलत प्रश्न पत्र हल करने मे कामयाब रहे वह काफी खुश थे। तो जो पढ़ाई मे दिलचस्पी नहीं रखने वाले छात्र है वे निराश थे। वही वीक्षण कार्य में प्रतिनियुक्त शिक्षक दुर्गेश कुमार, कन्हैया सिंह,मोहम्मद आरिफ,अजमेरी खातून, रानी कुमारी, ने बताया की परीक्षा शांतिपूर्ण और कदाचार मुक्त परीक्षा बिहार सरकार के गाइड लाइन के अनुरूप ली जा रही है।

श्री बलभद्र ब्याहुत मंदिर ट्रस्ट मौना कश्मीरी हाता , छपरा

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
शकील हैदर

पटना :रविवार दिनांक 22 सितांबेर 2024 को श्री बलभद्र व्याहुत मंदिर ट्रस्ट, कश्मीरी हाता, छपरा के न्यास-पर्षद का चुनाव होटल राजदरबार, मौना चौक, छपरा में सम्पन्न हुआ। जिसमें न्यासी-सदस्य श्री सत्यनारायण प्रसाद को अध्यक्ष, श्री राकेश कुमार को सचिव एवं श्री दीपक कुमार को कोषाध्यक्ष चुना गया। श्री बलभद्र ब्याहुत मंदिर ट्रस्ट की बैठक में कुल बारह न्यासी सदस्यों में दस सदस्य अथवा उनके प्रतिनिधि उपस्थित रहे। इस बैठक एवं चुनाव का कार्यक्रम ब्याहुत धर्मशाला, कश्मीरी हाता में होना था, लेकिन चुनाव से नाखुश कुछ

स्वघोषित सर्वेसर्वा कहने वाले लोगों ने धर्मशाला का पुराना ताला हटा, बिना सूचना नया ताला लगा चुनाव को बाधित करने एवं विवाद पैदा करने की योजना की थी, जिसको श्री बलभद्र व्याहुत मंदिर ट्रस्ट के न्यासी-सदस्यों ने सूझ-बुझ से विफल कर, स्थान परिवर्तित कर चुनाव को सम्पन्न कराया। श्री बलभद्र व्याहुत मंदिर ट्रस्ट के न्यासी सदस्यों से अध्यक्ष एवं सचिव पद के चुनाव के लिए खड़ा होने वाले उम्मीदवार से क्रमशः ?21000/- प्रति व्यक्ति एवं कोषाध्यक्ष पद के उम्मीदवार से ?11000/- प्रत्येक उम्मीदवार से श्री बलभद्र व्याहुत मंदिर ट्रस्ट एवं ब्याहुत धर्मशाला के विकास के लिए अग्रिम राशि जमा करने के लिए अनुरोध किया गया था, जिसे तीनों उम्मीदवारों ने जमा किया।

राजद का एक दिवसीय कार्यकर्ता सम्मेलन में सैकड़ों लोगों ने लिया भाग

- पार्टी को मजबूत व धारदार बनाने पर दिया गया बल
- प्रदेश अध्यक्ष ने विपक्ष पर कसा तंज

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
अबु बकर

मधुबनी जिला के हरलाखी प्रखण्ड के उमगांव स्थित किसान भवन में राजद नेता निशांत शेखर के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनता दल पंचायती राज प्रकोष्ठ का एक दिवसिय कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित की गयी. कार्यक्रम की अध्यक्षता बिलटू दास व मंच संचालन जिलाध्यक्ष पंचायती राज प्रकोष्ठ के नवल किशोर यादव ने की.

कार्यक्रम की शुरूआत सभी अतिथियों को मिथिला के परंपरा के अनुसार पाग दोपटा व फूलमाला से स्वागत के साथ किया गया.

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राजद पंचायती राज प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष महेन्द्र प्रसाद विद्यार्थी ने कहा कि पार्टी को मजबूती व धारदार बनाने के लिए सभी जिलों में मिशन 2025 की तैयारी को लेकर बैठक चल रही है. उन्होंने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि बिहार में बेरोजगारी, अपराध चरम पर है. युवाओं को रोजगार मिल नही रहा. डबल इंजन की सरकार से हर तबके के लोग परेशान हो चुकी है. इसलिए जनता ने ठान लिया है कि आगामी विधानसभा चुनाव में एक एक वोट देकर तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री बनाना है. उन्होंने संगठन को और भी मजबूत बनाने के लिए बूथ स्तर पर कार्य करने का अपील कार्यकताओं से की. वहीं राजद नेता निशांत शेखर ने कहा कि पूरा बिहार लालू यादव व तेजस्वी पर विश्वास करते है. कहा कि केन्द्र में मोदी सरकार करोड़ो युवाओं को नौकरी देने का वादा किया. लेकिन आजतक किसी को नौकरी नही मिली और न ही किसी के खाते में पंद्रह लाख रुपया आया. जबतक एनडीए की सरकार बिहार में रहेगी तबतक गरीबों पर आफत ही रहेगा. इसलिए आगामी चुनाव में जनता मुहतोड़ जवाब देने के लिए तैयार है. इसको लेकर हमलोग जी जान से मेहनत कर रहे है. कार्यक्रम को पूर्व विधायक डॉ. फराज फातमी, प्रदीप प्रभाकर, डॉ. बीके यादव, प्रदीप यादव, राजद नेत्री प्रिया राज, सीताशरण यादव, विष्णुदेव सिंह यादव, शिवचन्द्र, गोपाल यादव, वीरेन्द्र कुमार, अशेश्वर यादव, अमृता सिंह, दानीश इकवाल सहित दर्जनों नेताओं ने संबोधित किया. सम्मेलन में सैकड़ों लोगों ने भाग लिया.

पूर्व की घटनाओं का पदार्फाश करना नये रढके लिये चुनौती, विभूतिपुर डबल मर्डर केस में अब तक पुलिस के हाथ खाली

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

जिले के नए पुलिस कप्तान अशोक मिश्रा के सामनें पुरानी घटनाओं का पदार्फाश करने के साथ ही नए घटनाओं पर अंकुश लगाने की चुनौती है। पूर्व की घटनाओं में रिलायंस ज्वेलरी लूटकांड मामले में पुलिस ने अब तक मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी व लूटे गए जेवरातों की बरामदगी नहीं की है। इसके अलावा विभूतिपुर के डबल मर्डर व लूट मामले में पुलिस के हाथ खाली हैं। अब तक बदमाशों की पहचान तक नहीं हो सकी है। इन दोनों मामलों के खुलासे की चुनौती होगी। हाल ही में बदमाशों ने नगर थाना इलाके में एक कबाड़ व्यवसायी की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने मामले में अभी तक एक आरोपी को गिरफ्तार किया है और जांच में जुटी है। शुक्रवार की देर रात बदमाशों ने हलई थाना के निवासी मोरवा के मुखिया संघ के अध्यक्ष व बनबीरा के मुखिया नारायण शर्मा की गोली मारकर हत्या कर दी। हालांकि उक्त मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं मुफस्सिल थाना क्षेत्र के कृष्णापुरी इलाके में बाइक सवार उचक्कों ने दंपती से चार लाख रुपये की छिनत ?ई कर ली थी। इधर लोगों को एक बार फिर विधि व्यवस्था के बिगड़ने का भय सताने लगा है। हालांकि नये एसपी से शहरवासियों को उम्मीद भी है ।पुलिस के सामनें लोगों में अपनी पुरानी प्रतिष्ठा कायम रखने की चुनौती है। जिले में घटित कई बड़ी घटनाओं का खुलासा अभी बाकी है। पुरानी घटनाएं पुलिस के गले की फांस बनी हुई हैं।

राष्ट्र कवि और प्रसिद्ध लेखक स्व. रामधरी सिंह दिनकर की जयंती पर ' दिनकर पुष्पांजलि समारोह' का आयोजन

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- राष्ट्र कवि दिनकर की जयंती पर भाजपा अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने दिनकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर दी श्रद्धांजलि
- दिनकर सदैव राष्ट्रवाद और राष्ट्रीयता के लिए समर्पित रहे : डॉ. दिलीप जायसवाल

पटना, 23 सितंबर। राष्ट्रीय कवि और प्रसिद्ध लेखक स्व. रामधरी सिंह दिनकर की जयंती पर ' दिनकर पुष्पांजलि समारोह' का आयोजन रामधारी सिंह दिनकर संस्था द्वारा किया गया। इस मौके पर राष्ट्रकवि दिनकर के तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

दिनकर पुष्पांजलि समारोह को संबोधित करते हुए भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सह बिहार के राजस्व और भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल ने कहा कि दिनकर सदा राष्ट्रवाद और राष्ट्रीयता के लिए समर्पित रहे।

उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से सेना सीमा पर सुरक्षा के लिए हमेशा खड़ा रहता है उसी प्रकार से रामधारी सिंह दिनकर अपने काव्य भावना से वीर रस भावना से क्रांतिकारी अलख जगाने का काम किया ।

डॉ. जायसवाल ने कहा कि उसी मनुष्य का जीवन सफल है जिसके आने पर खुशी और जाने पर आंखो मे आंसू हो उनमे से एक थे दिनकर। दिनकर कोई मामूली व्यक्ति नही थे वे सच्चे राष्ट्रीयता का अलख जगाने वाले नायक थे।उन्होंने कहा कि दिनकर की कविता मे ओज,विद्रोह, आक्रोश,क्रांतियता, कोमलता ,श्रृंगारिता का खूबसूरत संयोजन देखने को मिलता है।

दिनकर लेखक भी थे,कवि भी थे,निबंधकार भी थे जिसका सम्मिश्रण इनके रचनाओ मे मिलता है।

उन्होंने कहा कि मानव का जन्म ही परोपकार के लिए हुआ है और यह जन्म भी तभी सार्थक है जब वह परोपकार करे।

इससे पहले स्वागत भाषण और अभिनंदन रविन्द्र रंजन ने किया एवं विषय प्रवेश डॉ सहजानंद प्रसाद सिंह ने किया।

महाराजगंज पारा मेडिकल कॉलेज मे कुव्यवस्था के विरुद्ध छात्राओं ने किया हंगामा

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद आरिफ

सिवान महाराजगंज 22 सितम्बर रविवार। सिवान जिले के महाराजगंज मे पारा मेडिकल कॉलेज सह जीएनएम कॉलेज में छात्राओं ने कॉलेज प्रशासन के कुव्यवस्था के खिलाफ जमकर विरोध प्रदर्शन किया। बता दे की बिहार सरकार द्वारा संचालित इस पारा मेडिकल कॉलेज में सुदूर इलाको के छात्राएं होस्टल मे रहकर पारा मेडिकल की पढ़ाई करती है। जिसमें होस्टल मे न तो साफ सफाई, पानी, पढ़ाई इत्यादि को लेकर कॉलेज प्रशासन से शिकायत दर्ज करने के बाद भी सुनवाई नहीं करने के विरुद्ध जमकर विरोध किया। वही छात्रों ने बताया की पीने के पानी नहीं मिलने से भी कई बार कई छात्राएं बोहोस हो चुकी है। जिनका ईलाज अनुमंडल अस्पताल मे कराया गया। छात्राओं ने बताया की कॉलेज की प्रिंसिपल नेहा सिंह अवैध तरीके से कॉलेज के विकाश कोश की पैसे की निकासी कर गबन कर जाती है। जिसके चलते कॉलेज में ना के बराबर व्यवस्था है। कॉलेज मे बुनियादी सुविधाएं कुछ भी नहीं है। जिसके विरुद्ध सिवान जिला पदाधिकारी इस अनियमितता के विरुद्ध जांच का आदेश दिए है।

चोर मचाए शोर' कहावत को चरितार्थ कर रहे तेजस्वी : विजय कुमार सिन्हा

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- सरकार की तत्परता से विपक्ष के कलेजे पर सांप लोट रहा : विजय कुमार सिन्हा
- पथ- पुल निर्माण में गुणवत्ता एवं समयसीमा से कोई समझौता नहीं करेगी सरकार : विजय कुमार सिन्हा
- ताजपुर-बख्तियारपुर मेवपुल या स्पैन गिरने का नहीं , बल्कि बियरिंग बदलाव के क्रम में गर्डर के गिरने का मामला : विजय कुमार सिन्हा

पटना 23 सितंबर बिहार के उपमुख्यमंत्री-सह-पथ निर्माण मंत्री श्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि बख्तियारपुर-ताजपुर परियोजना के चैनेज- 20+822 नंदिनी लगुनिया पर निमार्णाधीन रेलवे पुल का एक गर्डर बियरिंग(Girder Bearing) गिरने का जो मामला संज्ञान में आया है वह किसी तकनीकी खामी की वजह से नहीं बल्कि बियरिंग बदलने की आरंभिक प्रक्रिया के दौरान गिरा है। श्री सिन्हा ने कहा कि यह परियोजना 2011 में प्रारंभ हुई लेकिन परियोजना पर संवेदक द्वारा धीमी गति से काम करने तथा अन्य कारणों की वजह से एकरारनामा को 2020 में ही रद्द कर दिया गया था। आगे चलकर राज्य सरकार की पहल पर दिनांक 10.01.2023 पूरक एकरारनामा सम्पादित कर निर्माण कार्य फिर से प्रारंभ किया गया था। संदर्भित रेलवे उपरी पुल का गर्डर एकरारनामा रद्द होने के पूर्व ही कास्ट कर डाले(एशू३) कर दिये गये थे । लेकिन डेक स्लैब(Deck Slab) कास्ट नहीं हो पाने के कारण खुले वातावरण के प्रभाव से बियरिंग में जंग लगने की बात कंडीशन सर्वे के दौरान संज्ञान में आयी थी। विगत दिनों जंग से प्रभावित बियरिंग को बदलने की प्रारंभिक कार्रवाई संवेदक द्वारा की जा रही थी, जिसके कारण दाहिने ओर का एक गर्डर उलट गया। श्री सिन्हा ने आगे कहा कि दरअसल यह पुल/स्पैन गिरने का मामला है ही नहीं , बल्कि केवल बियरिंग बदलाव के क्रम एक गर्डर के गिरने का मामला है ।जिसमें न जान-माल की कोई क्षति हुई है और चूंकि गर्डर बियरिंग में बदलाव का आर्थिक व्यय भी संवेदक द्वारा ही किया जा रहा है लिहाजा सरकार पर कोई अतिरिक्त आर्थिक भार भी नहीं होने जा रहा है ।

आयुष्मान कार्ड से वंचित लाभार्थी 25 सितंबर तक अपना कार्ड बनवायें : डीएम

मो. सदरे आलम नोमानी

सीतामढ़ी: जिला में निःशुल्क आयुष्मान कार्ड निर्माण हेतु विशेष अभियान चलाया गया। यह अभियान 25 सितंबर 2024 तक चलेगा। इस संबंध में जिलाधिकारी रिची पांडेय ने बताया कि छूटे हुए सभी पात्र लाभार्थी अपना कार्ड बनवाने के लिए आगे आएं। आयुष्मान कार्ड बनवाने पर प्रतिवर्ष प्रति परिवार 5 लाख तक का निःशुल्क इलाज प्राप्त कर सकते हैं।

जिले के प्रत्येक जन वितरण प्रणाली की दुकान पर आयुष्मान कार्ड बनाने को लेकर आज शिविर आयोजित की गई। इसके लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। वैसे लोग जिनका नाम राशन कार्ड में है, उनका निशुल्क आयुष्मान कार्ड बनाया जाएगा।आयुष्मान कार्ड निर्माण के पात्र लाभार्थियों को आशा, जीविका दीदी, आंगनबाड़ी सेविका, डीलर, आवास सहायक एवं विकास मित्र द्वारा लोगों को अपने-अपने क्षेत्र में उत्प्रेरित भी किया जा रहा है। सभी राशन कार्ड धारी पारिवारिक पहचान के लिए राशन कार्ड एवं व्यक्तिगत पहचान के लिए आधार कार्ड लेकर अपने नजदीकी जन वितरण प्रणाली दुकान पर जाएंगे। जिला स्तरीय सभी पदाधिकारी के साथ प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी एवं कर्मियों के द्वारा इस अभियान को गति दी जा रही है।:

बिहार कांग्रेस प्रभारी मोहन प्रकाश कल पहुंचेंगे पटना, शामिल होंगे बोधगया में स्मार्ट मीटर के खिलाफ सेवादल के पदयात्रा समापन समारोह

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- बोधगया में स्मार्ट मीटर के खिलाफ सेवादल के पदयात्रा समापन समारोह में शामिल होंगे मोहन प्रकाश व डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह
- बोधगया में स्मार्ट मीटर के खिलाफ सेवादल के पदयात्रा समापन समारोह में शामिल होंगे बिहार प्रदेश प्रभारी और अध्यक्ष

पटना. सोमवार, 23 सितंबर, 2024 बिहार में प्रीपेड मीटर पर हमलावर कांग्रेस पार्टी लगातार इसके खिलाफ कार्यक्रम का आयोजन कर रही है। स्मार्ट मीटर के खिलाफ कांग्रेस सेवादल के पदयात्रा समापन कार्यक्रम में शामिल होने के लिए बिहार कांग्रेस के प्रभारी मोहन प्रकाश मंगलवार को पटना पहुंचेंगे जहां से वें बुधवार को गया के लिए प्रस्थान करेंगे।

बिहार कांग्रेस के मीडिया विभाग के चेयरमैन राजेश राठौड़ ने बताया कि कल पटना पहुंचने के बाद बुधवार को वहां से वें बोधगया में बुद्ध मूर्ति पर आयोजित कांग्रेस सेवादल के स्मार्ट मीटर के खिलाफ पदयात्रा के समापन में प्रदेश अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह के साथ शामिल होंगे। कांग्रेस पार्टी बिहार में स्मार्ट मीटर के खिलाफ लगातार बिहार सरकार के रवैय्ये के खिलाफ लड़ाई लड़ रही है। इसी कड़ी में पटना से निकले पदयात्रा का समापन बोधगया में हो रहा है जिसको लेकर बोधगया में बड़ा कार्यक्रम आयोजित है।

ब्रीफ न्यूज

शीर्षक: जीवन का सफर: इस दुनिया की थकान से परे उद्देश्य की तलाश

लेखक: रेयाज आलम, सामाजिक कार्यकर्ता और वरिष्ठ कॉर्पोरेट पेशेवर
संपर्क: 9934049786

- हर रात जब मैं अपने जीवन के सफर पर विचार करता हूँ, तो एक सवाल बार-बार मेरे मन में गूंजता है: मेरे अस्तित्व का असली उद्देश्य क्या है और मैं इतना थका हुआ क्यों महसूस करता हूँ? यह सवाल, जो आध्यात्मिक और सांसारिक संघर्षों से जुड़ा हुआ है, उस पुराने प्रश्न की तरह है जिसे मानवता ने हमेशा से पूछा है: हम यहाँ क्यों हैं?
- कुरान इसका एक गहरा उत्तर देती है: ₹मैंने जिन्न और इंसानों को केवल अपनी इबादत के लिए पैदा किया है₹ (कुरान 51:56)। यह आयत हमें याद दिलाती है कि हमारा असली उद्देश्य अल्लाह को पहचानना, उसकी इबादत करना और उसकी इच्छा के अनुसार जीवन जीना है। हमारा अस्तित्व केवल दुनिया की उपलब्धियों के बारे में नहीं है, बल्कि अपने निमार्ता के साथ एक गहरा संबंध बनाना और एक धार्मिक जीवन जीना है जो हमें आखिरत (परलोक) की सफलता की ओर ले जाता है।
- हालांकि, जब हम जीवन के सफर में आगे बढ़ते हैं, तो हम अक्सर खुद को थका हुआ पाते हैं—न केवल शारीरिक कार्यों से, बल्कि दुनिया की खोज से आने वाले भावनात्मक और आध्यात्मिक बोझ से। रोजमर्रा की ज़िन्दगी की व्यस्तताएँ हमारे दृष्टिकोण को धुंधला कर देती हैं, जिससे हम भूल जाते हैं कि यह दुनिया अस्थायी है, केवल एक परीक्षा और आखिरत की ओर जाने वाला एक मार्ग। कुरान हमें याद दिलाती है: ₹और यह दुनिया की ज़िन्दगी केवल खेल और तमाशा है। और निश्चित रूप से, आखिरत का घर ही सच्चा जीवन है, काश वे जानते₹(कुरान 29:64)।
- हजरत मोहम्मद (ढइवल्) ने भी इस दुनिया की अस्थायी प्रकृति के बारे में बात की, और हमें सलाह दी कि हम इस दुनिया में एक अजनबी या यात्री की तरह रहें (सहीह बुखारी)। जो थकान हम अक्सर महसूस करते हैं, वह इस अस्थायी दुनिया से बहुत अधिक जुड़ाव के कारण आती है, बजाय इसके कि हम इसे आखिरत की तैयारी के रूप में देखें।
- असल थकान, दरअसल, हमारे शारीरिक कार्यों से नहीं आती, बल्कि उन कार्यों में आध्यात्मिक उद्देश्य की अनुपस्थिति से आती है। जब हमारे रोजमर्रा के कार्य—चाहे वह आजीविका कमाना हो या अपनी जिम्मेदारियों को निभाना—किसी ऊँचे उद्देश्य से रहित हो जाते हैं, तो वे बोझिल हो जाते हैं। लेकिन जब हम हर काम में अल्लाह को याद रखते हैं और अपनी नीयत को उसकी खुशी के अनुसार करते हैं, तो यहाँ तक कि सबसे सामान्य कार्य भी इबादत बन जाते हैं, जो हमारी आत्मा को शांति और ताजगी देते हैं।
- कुरान हमें दिलासा देता है: ₹यकीनन दिलों को अल्लाह की याद से ही सुकून मिलता है₹ (कुरान 13:28)। यह अल्लाह की याद और हमारे कार्यों के पीछे के उद्देश्य को समझने में ही है कि हम ऊर्जा, ध्यान और संतोष पाते हैं, चाहे जीवन कितने भी कठिन हो।
- अंत में, इस दुनिया की थकान हमें अपने ध्यान को पुनः केन्द्रित करने की याद दिलाती है। कुरान हमें क्षमा और जन्नत की ओर दौड़ने की सलाह देती है। हमारी कठिनाइयाँ अस्थायी हैं, लेकिन आखिरत के इनाम हमेशा के लिए हैं। अल्लाह ने वादा किया है कि मुश्किल के बाद आसानी आती है (कुरान 94:6), और इसी यकीन के साथ हम जीवन के सफर को नई उम्मीद और ताकत के साथ तय कर सकते हैं।
- जब हम अपने उद्देश्य को याद रखते हैं, तो हमें थकान से परे एक गहरा अर्थ मिलता है, और धैर्य और विश्वास के माध्यम से हम इस दुनिया से परे की शाश्वत शांति प्राप्त करते हैं।

अधिक जानकारी, साक्षात्कार, या दृष्टिकोण के लिए कृपया संपर्क करें:
रेयाज आलम
सामुदायिक नेता, सामाजिक कार्यकर्ता और वरिष्ठ कॉर्पोरेट पेशेवर

सेवानिवृत्त कर्मियों के भविष्य निधि का त्वरित निष्पादन करें : निदेशक

मो. सदरे आलम नोमानी

सीतामढ़ी: जयप्रकाश सिंह निदेशक भविष्य निधि निदेशालय के द्वारा जिला भविष्य निधि कार्यालय का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के क्रम में उपस्थित पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। उनके द्वारा कैश बुक, गार्ड फाइल, आगत निर्गत पंजी, पूर्व के जांच प्रतिवेदन इत्यादि की जांच की गई। वहीं आगामी छ माह में रिटायर होने वाले कर्मियों की भविष्य निधि लेखा संचिका की जांच की गई। पूर्व के सेवानिवृत कर्मियों से संबंधित लंबित भविष्य निधि के मामलों का त्वरित निष्पादन का निर्देश दिया गया। कार्यरत कर्मियों के पूर्ण लेखा अद्धतन हेतु संबंधित डीडीओ के स्तर से विवरणी उपलब्ध कराया जाना है। इस संबंध में निर्देश दिया गया कि अपने स्तर से समन्वय स्थापित करते हुए लेखा अद्धतन से संबंधित मामलों का निष्पादन करना सुनिश्चित किया जाए। निदेशक द्वारा निरीक्षण के क्रम में संतुष्टि प्रकट की गई। मौके पर जिला भविष्य निधि पदाधिकारी प्रकाश कुमार समेत अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

सीतामढ़ी नगर निगम अंतर्गत 05 पथों को पथ निर्माण विभाग को नगर विकास विभाग द्वारा हस्तांतरित किए जाने के बाद आज जिला पदाधिकारी श्री रिची पांडेय एवं पुलिस अधीक्षक श्री मनोज कुमार तिवारी द्वारा सड़क निर्माण को लेकर पथ प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता के साथ

( ) रिंग बांध रोड, पुराना पोस्टमार्टम हाउस के नजदीक से रिंग बांध पासवान चौक होते हुए अम्बदकर चौक तक पथ। लम्बाई- 2.9 कि०मी०

( ) गौशाला अम्बेदकर चौक से रीगा रोड क्रॉस करते हुए रिंग बांध कपरौल गुमती तक पथ। लम्बाई- 1.91 कि०मी०

जिला कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति (20 सूत्री की) हुई बैठक

दरभंगा जिले के विकास में 20 सूत्री की बैठक मील का पत्थर साबित होगा जिलाधिकारी

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
अबु बकर

■ बैठक से दरभंगा जिले के विकास में काफी तेजी आएगी प्रभारी मंत्री

दरभंगा :----23 सितंबर 2024:- समाहरणालय के पास स्थित प्रेक्षागृह दरभंगा में श्री मंगल पाण्डेय माननीय मंत्री स्वास्थ्य एवं कृषि विभाग बिहार सरकार-सह-प्रभारी मंत्री दरभंगा जिला-सह-अध्यक्ष जिला कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति (20 सूत्री) के अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई।

बैठक में आगत सभी अतिथियों को पाग ,चादर, जल जीवन हरियाली का प्रतीक पौधे आदि देकर सम्मानित किया गया। जिलाधिकारी दरभंगा माननीय मंत्री महोदय को आकर्षक मोमेंटम देकर स्वागत किया । इस अवसर पर श्री गोपाल मंडल जिला कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति (20 सूत्री) की उपाध्यक्ष, श्री जीवछ सहनी उपाध्यक्ष जिला कारङ्ग

उज्जवला किसान प्रोडूसर कंपनी का तृतीय वार्षिक आम सभा का हुआ सफल आयोजन

पिछले कार्यों का ब्योरा प्रस्तुत करते हुए तय किया गया आगामी कार्य-योजना की रणनीतिदरभंगा :---- 23 सितम्बर 2024 :- उज्जवला जीविका महिला किसान प्रोडयूसर कंपनी लिमिटेड, सिंहवारा के तत्वाधान में वार्षिक आम सभा का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का उद्घाटन कंपनी की निदेशक शशि देवी, रेखा देवी, मधु एवं नीलम देवी, बी.पी.एम सर्वेश शाही, देवदत्त झा, मंतोष कुमार, जीविकोपार्जन प्रबंधक मनोरमा मिश्रा व क्षेत्रीय समन्वयक राजीव कुमार द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया।कार्यक्रम में भीषण गर्मी के बावजूद जीविका दीदियों का उत्साह देखने लायक था, सभी ने बढ़-चढ़ कर कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

वार्षिक आम सभा में बी.पी.एम सर्वेश शाही ने उपस्थित सभी जीविका दीदियों को प्रेरित करते हुए कहा कि आपकी मेहनत और लगन का परिणाम है कि आज उज्जवला एफ.पी.सी लगातार सफलता की सीढ़ियाँ चढ़ता जा रहा है। प्रखण्ड परियोजना प्रबंधक श्री सर्वेश कुमार शाही ने कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी और इसके महत्व पर प्रकाश डाला।

उन्होंने बताया कि इस वार्षिक आम सभा का उद्देश्य वर्ष भर की उपलब्धियों और चुनौतियों की समीक्षा करना तथा आने वाले वर्ष की कार्य योजना तैयार करना है।मनोरमा मिश्रा ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम संगठन की पारदर्शिता और सामूहिक निर्णय लेने की प्रक्रिया को मजबूत बनाते हैं। उन्होंने कहा कि यह कम्पनी किसान दीदियों को कृषि से संबंधित बीज, फसल उपलब्ध करवाने के साथ किसान दीदियों के उत्पादों को सुलभतापूर्वक बाजार भी मुहैया करवाती है जिससे किसान दीदियों को बहुत फायदा मिल पा रहा है।

लेखापाल नीतू कुमारी ने वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान किए गए आय-व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया।

उन्होंने बताया कि किस प्रकार से फंड का उपयोग किया गया और विभिन्न परियोजनाओं में निवेश किया गया। इसके अलावा, उन्होंने आगामी वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए तैयार की गई कार्य योजना पर भी प्रकाश डाला।

इस कार्य योजना में महिला किसान सशक्तिकरण, स्वरोजगार के अवसरों का विस्तार, और सामुदायिक विकास के विभिन्न पहलुओं को शामिल किया गया है।

कार्यक्रम के दरम्यान कंपनी से जुड़ी दीदियों ने जीविका से जुड़ कर उनके जीवन में आए सकारात्मक बदलाओं की चर्चा की।

इस अवसर पर सिंहवाड़ा प्रखण्ड के सभी कर्मी सुनील कुमार, रिंकू कुमार के साथ दर्जनों कैडर व 400 से अधिक जीविका दीदियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज की।

सभी ने इस आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कार्यक्रम का समापन सामूहिक विचार-विमर्श और भविष्य की योजनाओं पर चर्चा के साथ हुआ, जिसमें उपस्थित सदस्यों ने अपनी राय और सुझाव साझा किए।

5पथों का निर्माण पथ निर्माण विभाग करेगा

मो. सदरे आलम नोमानी

सीतामढ़ी:सीतामढ़ी नगर निगम अंतर्गत 05 पथों को पथ निर्माण विभाग को नगर विकास विभाग द्वारा हस्तांतरित किए जाने के बाद आज जिला पदाधिकारी श्री रिची पांडेय एवं पुलिस अधीक्षक श्री मनोज कुमार तिवारी द्वारा सड़क निर्माण को लेकर पथ प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता के साथ

(/) रिंग बांध रोड, पुराना पोस्टमार्टम हाउस के नजदीक से रिंग बांध पासवान चौक होते हुए अम्बदकर चौक तक पथ। लम्बाई- 2.9 कि०मी०

(/) गौशाला अम्बेदकर चौक से रीगा रोड क्रॉस करते हुए रिंग बांध कपरौल गुमती तक पथ। लम्बाई- 1.91 कि०मी०

(/) गौशाला चौक से खैरवा चौक होते हुए साखी सीमान तक पथ। लम्बाई- 2.53 कि०मी०

सड़क का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के क्रम में जिलाधिकारी द्वारा कार्यपालक अभियंता पथ प्रमंडल को जल्द से जल्द डीपीआर बनाने का निर्देश दिया गया ताकि सड़क निर्माण जल्द से जल्द किया जा सके।गौरतलब है कि नगर विकास विभाग द्वारा पथ निर्माण विभाग को हस्तांतरित किए गए उक्त सड़कों के निर्माण से यातायात से संबंधित आधारभूत संरचना में उल्लेखनीय बदलाव आएगा तथा आमझ्आवाम के लिए आवागमन सुलभ हो

सालों केस चलेंगे, न धोखाधड़ी होगी, जमीन सर्वे से क्या-क्या बदल जाएगा

पटना । 74 साल के श्याम ओझा भोजपुर के बिहिया के रहने वाले हैं। 1962 में उनके दादा राम जनम ओझा ने बसगीत साह से तेघरा (117 डिसमिल) और संडोर मौजा (52 डिसमिल) में 169 डिसमिल जमीन खरीदी थी।

इसी जमीन को बसगीत साह के दो बेटों ने तेघरा के चंद्रदेव तिवारी, नागादेव तिवारी, बारा गांव के जगदीश राय और नवाडीह के सुखदेव ओझा को बेच दिया। इसके बाद विवाद कोर्ट पहुंच गया।

पूर्णिया के अमित कुमार की मरंगा बिंद टोली के वार्ड 8 में 15 एकड़ जमीन थी। ये जमीन उनके दादा के नाम थी। इसमें 6 एकड़ 71 डिसमिल जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। 2004 में आग लगने के कारण उनके घर का सारा समान जल गया था। इसमें उस जमीन के कागजात भी शामिल थे।

2020 में जब अमित जमीन का लगान भरने ब्लॉक गए तो जमीन के मालिकाना हक से उनके परिवार का नाम हट चुका था। उनकी ऑनलाइन जमाबंदी भी गायब थी। इसके बाद से वे प्रखंड से लेकर जिला के अधिकारी तक गुहार लगा रहे हैं। डीएम ने जांच के आदेश भी दिए थे, लेकिन आज तक न रिपोर्ट आई है और न ही कोई हल निकला है। बिहार में जमीन सर्वे के बाद से आपको इस तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। जमीन को लेकर आपका सारा डाटा अब ऑनलाइन होगा। अब एक क्लिक पर आप ये जान पाएंगे की जमीन किस के नाम पर है। सालों से चल रहे कोर्ट केस से भी अब छुटकारा मिल जाएगा, क्योंकि डाटा ऑनलाइन होने से ऐसे केसों में मदद मिलेगी। इस बार संडे बिग स्टोरी में पढ़िए बिहार में अब तक जमीन का सर्वे कहां तक पहुंचा। इसके साथ ही जानिए बिहार में जमीन सर्वे से जुड़े हर सवालों के जवाब. अब तक 28 लाख लोगों ने किया आवेदन बिहार में जमीन सर्वे की प्रक्रिया तेजी से चल रही है। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के सचिव जय कुमार सिंह के मुताबिक, ह्रराज्य के 3 हजार गांवों में जमीन सर्वे का काम लगभग पूरा हो चुका है। यहां खतियान बनाने की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। नक्शे का सत्यापन हो गया है। राज्यभर में अब तक 36 हजार ग्राम सभा आयोजित की जा चुकी है। 28 लाख लोग जमीन दावे का पत्र और सेल्फ अटेस्टेड दस्तावेज ऑनलाइन और ऑफलाइन जमा कर चुके हैं। पूरे बिहार में अगले साल तक यह पूरा होने की संभावना है।

जय सिंह की मानें तो बिहार सरकार का सर्वे का परिणाम दिसंबर से दिखने लगेगा। जमीन विवादों में कमी आएगी।

सुसाइड से पहले पढ़ी थी भगवद गीता; रूम पार्टनर बोली- पूजा किए बिना नहीं निकलती थी

पटना । एक छात्रा ने शुक्रवार रात हॉस्टल के कमरे में सुसाइड कर लिया। उसके साथ रूम में 2 और लड़कियां रहती थीं। सुसाइड से पहले उसने दोनों को खाना खाने भेज दिया था। 21 साल की पल्लवी रेड्डी आंध्र प्रदेश की रहने वाली थी। वो बिहटा में पढ़ रही थी। उसकी मौत के बाद साथी छात्रों ने कॉलेज में जमकर हंगामा किया। उनका कहना था कि समय रहते उसे अस्पताल ले जाया जाता तो वो बच सकती थी।

पुलिस को पल्लवी के रूम से एक पेज का सुसाइड नोट मिला है। वह तेलुगू भाषा में लिखा हुआ है। उसने इसमें परिवार के बारे में लिखा है। पुलिस की माने सुसाइड नोट में 6 लाख के लोन लेने का जिक्र है, लेकिन पुलिस अभी सुसाइड नोट के बारे में कुछ नहीं बता रही है। 21 साल की स्टूडेंट ने खुदकुशी क्यों कि ये जानने के लिए भास्कर की टीम ठक्ळ कैंपस पहुंची। हमने पल्लवी के 21 साल की बेटी की लाश के पास बैठे पिता बेबस महसूस कर रहे थे। आसपास सन्नाटा पसरा था। पिता बस यही सोच रहे थे कि घर से 1800 ज्ञ्ट दूर बेटी को इंजीनियर बनने के लिए भेजा था, लेकिन आज उसका शव देख रहे हैं। यह बेबसी है रामकृष्ण रेड्डी की, जिनकी बेटी पल्लवी रेड्डी ने शुक्रवार की रात पटना के बिहटा ठक्ळ कैंपस में सुसाइड कर लिया। रामकृष्ण कहते हैं, 'पल्लवी को कोई परेशानी नहीं थी।

पल्लवी की रूम पार्टनर सात्विका ने बताया, 'पल्लवी सुबह से कुछ परेशान दिख रही थी। उसने कहा था कि अपने काम और पढ़ाई पर कॉन्सन्ट्रेट नहीं कर पा रही हूं। पूछने पर उसने कोई रीजन नहीं बताया। जल्दी किसी से बात नहीं करती थी। लड़कों से तो वो कोई बात नहीं करती थी। वह बहुत पूजा पाठ करने वाली लड़की थी। सात्विका ने बताया, 'शुक्रवार की सुबह उसने भगवद गीता पढ़ी। इसके बाद क्लास के लिए निकल गई। दोपहर में क्लास से लौट कर सो गई और शाम में उठी। जब हमने उसे मेस में खाना खाने के लिए साथ चलने को कहा तो उसने मना कर दिया। जब हम खाना खाकर वापस आए तो पल्लवी फंदे से झूला रही थी। इसके बाद हमने शोर मचाया और सभी लोगों को बुलाया। मैंने उसने सुसाइड नोट एक झलक देखी थी जिसमें लिखा था- अपने मेंटल रीजन के कारण डिप्रेशन में थी। मेरे सुसाइड का जिम्मेदार कोई नहीं है। सात्विका ने आगे कहा, 'पल्लवी कमजोर नहीं, बल्कि काफी कॉन्फिडेंस वाली लड़की थी। वह हमेशा खुश रहती थी और हमें भी प्रोत्साहित करती थी। फर्स्ट ईयर में उसने 9.7 हासिल किया था। नए कैंपस में शिफ्ट होने के बाद पढ़ाई अच्छी चल रही है, लेकिन मूलभूत सुविधाएं नहीं है। कैंपस में एक भी सीसीटीवी कैमरा नहीं है। टेलीफोन विभाग से रिटायर कृष्ण मोहन रेड्डी को पुलिसकर्मियों ने सांत्वना दी। इसके बाद वे पल्लवी का शव लेकर अपने पैतृक घर आंध्र प्रदेश के अनंत नगर के लिए रवाना हो गए। पल्लवी के सुसाइड नोट की बातें किसी को हजम नहीं हो रही हैं। थानाध्यक्ष राजकुमार पांडे ने बताया कि उसने किसी को कसूरवार नहीं ठहराया है। पल्लवी 6 लाख का लोन ले चुकी थी। यही उसकी परेशानी की वजह है। महज 6 लाख के लिए इतनी तेज छात्रा आत्महत्या जैसा कदम उठा ले इस पर लोगों को विश्वास नहीं हो रहा है। पल्लवी के दोस्तों का भी कुछ ऐसा ही कहना था। प्रारंभिक पूछताछ में उन लोगों ने पुलिस को बताया कि पल्लवी खुशमिजाज छात्रा थी। महज 6 लाख के लिए ऐसा आत्मघाती कदम नहीं उठा सकती है। पुलिस ने फिलहाल बिहटा थाने में यूडी केस दर्ज किया है।

अतिरिक्त प्रभार प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी ने प्रभार ग्रहण किए।

संवाददाता
मोहम्मद आरिफ

सिवान महाराजगंज दुरौंधा 23 सितम्बर सोमवार।सिवान जिला स्थित दुरौंधा प्रखण्ड शिक्षा पदाधिकारी के रुप मे सिसवन प्रखंड मे पदस्थापित प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी श्री चंद्रभान सिंह ने अतिरिक्त प्रभार ग्रहण कर लंबित कार्यों का समिक्षा की। और लंबित कार्यों को जल्द से जल्द निस्पादित करने का आदेश बीआरसी के संबंधित बीपीएम सुभेंदु कुमार ,बीआरपी, श्री अमरेश सिंह, अंकित कुमार सिंह, लेखपाल संजय, गुप्ता, राजेश कुमार इत्यादि को दिए। और प्रखंड अंतर्गत सभी स्कूलों को ससमय पठन पाठन संचालित करने और स्कूलो का नियमित रुप से निरीक्षण करना विद्यालयों से गायब रहने वाले शिक्षको और कार्य मे लापरवाही बरतने वालो पर कार्रवाई करना उनकी पहली प्राथमिकता होगी।

1.5 लाख लोग प्रभावित, पटना हाईकोर्ट ने 2023 में बैरिया डंपिंग यार्ड हटाने को कहा था

पटना । 17 अक्टूबर 2023 को पटना हाईकोर्ट ने बैरिया डंपिंग यार्ड की वैकल्पिक व्यवस्था करने का निर्देश दिया था। लेकिन डंपिग यार्ड अब भी वहीं पर है। 80 एकड़ में फैले इस डंपिंग यार्ड में एक जगह 72 फीट ऊंचा कचरे का ढेर है। बिहार सरकार ने सूखा और गीला कचरा को अलग रखने का आदेश भी दिया था, लेकिन बैरिया डंपिंग यार्ड में इसकी कोई व्यवस्था नहीं की गई है।

2006 में ही कहा गया था कि डंपिंग यार्ड में कचरा से खाद और बिजली बनेगी। इसके लिए यहां प्रोडक्शन यूनिट लगाई जाएगा, लेकिन यह भी संभव नहीं हो पाया है। पटना शहर से हर दिन 1600 टन कचरा निकलता है। जिसे बैरिया डंपिंग यार्ड में डंप किया जाता है। 1.5 लाख की आबादी प्रभावित बैरिया डंपिंग यार्ड से कनौजी कछुआर, भेलवाड़ा दरियापुर, सोना गोपलुर, बैरिया कर्णपुरा, जकरियापुर, पहाड़ी, अशोचक मोहल्ले के लोग प्रभावित हैं। 23 गांव के 45 टोले की करीब 1.5 लाख आबादी को हर दिन परेशानियों का सामना कर पड़ रहा हैं। इसमें कुछ शहरी इलाके भी शामिल हैं।

डंपिंग यार्ड से निकलने वाले कीचड़ का पानी, धुआं, मिट्टी, गंदगी, कचरे के ऊपर मांस नोंचते आवारा कुत्ते, मंडराते पक्षी, मच्छर और मक्खी से लोग परेशान हैं।

मोहनपुर कछुआरा के रहने वाले अरुण कुमार ने बताया कि ' वो सांस की बीमारी से जूझ रहे है। खांसी, जुकाम और कचरे के धुआं से लोग परेशान हैं। प्रदूषण की वजह से खेती भी खत्म हो गई है। नगर आयुक्त, नगर विकास मंत्री, मुख्यमंत्री से गुहार लगाई गई थी, लेकिन कहीं से कोई मदद नहीं मिली। इसके बाद कोर्ट का सहारा लेना पड़ा। हाईकोर्ट में सुनवाई चल रही है।

जकियारपुर मोहल्ले के प्रेम रंजन कुमार कहते हैं कि 'पिता-पुत्र 10 दिन तक डेंगू से पीड़ित हैं। अस्पताल में एडमिट होना पड़ा। इसके पीछे की वजह आसपास में फैली गंदगी है। बैरिया डंपिंग यार्ड घर के पास में है। इसका कुप्रभाव सबसे अधिक है।

सूखे-गीले कचरे को लेकर यहां अलग रखने की कोई व्यवस्था नहीं है। कचरे से प्लास्टिक, मिट्टी और अन्य सामग्रियों को अलग करने वाली सभी मशीनें खराब पड़ी है। सिर्फ जेसीबी और पॉकलेन मशीन की मदद से 70 फीट ऊंचे कचरे के ढेर को समतल किया जा रहा है।'

हाईकोर्ट में केस करने वाले पिटीशनर राकेश कुमार उर्फ अच्तानंद ने बताया कि '23 दिसंबर 2006 में डंपिंग यार्ड के लिए जमीन लेने की प्रक्रिया शुरू हुई थी। ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के नाम पर जमीन अधिग्रहण शुरू किया गया था। बैरिया कर्णपुरा पंचायत के तत्कालीन मुखिया ने ग्राम सभा बुलाकर लोगों के साथ मीटिंग की थी। इसके बाद एनओसी नहीं देने का फैसला किया गया था।

3 साल तक जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया बाधित रही। इसके बाद जबरन जमीन अधिग्रहण किया गया। कूड़ा गिराना शुरू कर दिया गया। इसका ग्रामीणों ने विरोध किया था। 6 मार्च 2011 को पर्यावरण मंत्रालय भारत सरकार की ओर से बैरिया कर्णपुरा के प्राथमिक विद्यालय में इस मसले पर जन सुनवाई की गई थी। ग्रामीणों को बताया गया था कि ठोस अपशिष्ट प्रबंधन से फायदा है। इससे यहां खाद और बिजली बनाई जाएगी।'

यह भी जानकारी दी गई थी कि इसके लिए पथरीली जमीन चाहिए। हवाई अड्डे से जमीन दूर होनी चाहिए। यह भी कहा गया था कि चारों तरफ बाउंड्री होगी। पेड़-पौधे लगाए जाएंगे। सूखा-गिला कचरा को अलग रखा जाएगा। गड्ढे में कंक्रीट और बालू दिया जाएगा।

हाईकोर्ट ने कमेटी भी बनाई थी

पटना हाईकोर्ट की ओर से एक कमेटी का गठन किया गया था। स्थानीय लोगों के आग्रह पर कोर्ट द्वारा स्थल का निरीक्षण कराया गया था। कमेटी ने डंपिंग यार्ड की वीडियोग्राफी कराई थी। कचरे के रख रखाव को लेकर बहुत कमी पाई थी। जिसको लेकर कोर्ट ने पटना नगर निगम और आयुक्त को फटकार भी लगाई थी। इसके बाद कचरा को घेरने के लिए तेजी से बाउंड्री का काम शुरू कराया गया, जो अभी भी चल रहा है। पेड़-पौधे भी लगाए गए हैं, जो अब कचरे के पानी के कारण सूख रहे हैं।

तीन महीने में टेंडर निकलेगा इस मामले पर नगर विकास मंत्री नितिन नवीन ने कहा कि 'प्रोसेसिंग यूनिट के लिए अगले दो से तीन महीने में टेंडर निकालने जा रहे हैं।' मशीन और कीचड़ के पानी का खेतों में बहाव को लेकर पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि ऐसी कोई सूचना नहीं है, अगर ऐसा कुछ है तो दिखवाता हूं। डंपिंग यार्ड की पूरी बाउंड्री कर दी गई है। नगर आयुक्त अनिमेष पराशर से जब बैरिया डंपिंग यार्ड को लेकर सवाल पूछा गया तो उन्होंने इस पर कुछ भी बोलने से इनकार कर दिया। रिसर्चर विकास ने बताया कि 'ओपन डंपिंग यार्ड के कारण कैंसर का खतरा बढ़ जाता है। इसके रिसाव से पानी भी दूषित होता है।

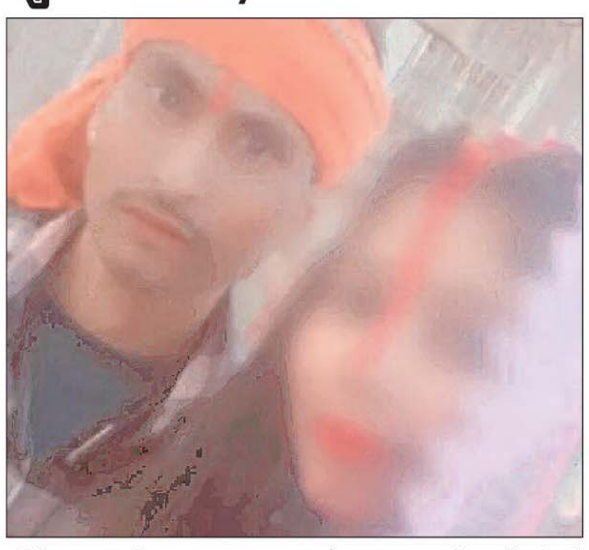

पत्नी बोली-ससुराल गई तो देखा सब बंगाली मुसलमान थे; धर्म बदलने के लिए बना रहा था दबाव

पूर्णिया । लव जिहाद का मामला सामने आया है। जहां मुस्लिम युवक मो. जियारुल (32) ने शंकर यादव बनकर एक हिंदू लड़की को अपने प्रेम के जाल में फंसाया, फिर उससे शादी की। ये जियारुल की सातवीं शादी थी। उसके सच से अनजान लड़की अपने पति के साथ ससुराल चली गई। लड़की का कहना है कि वहां जाने पर पता चला कि सभी बंगाली मुसलमान थे। धीरे-धीरे उसके पति की हरकतें बदलने लगी। अजान की आवाज सुनाई देते ही वो इबादत में हाथ उठाता था। धीरे-धीरे उर्दू शब्दों का इस्तेमाल करने लगा। जब लड़के की सच्चाई सामने आई तो वो लड़की का ब्रेन वॉश कर धर्मांतरण की कोशिश करने लगा। आरोप है कि जियारुल उसे बुर्का पहनने को कहता, कुरान पढ़ने का दबाव भी बनाता। धर्म नहीं बदलने पर जान से मारने की धमकी तक दी गई। पीड़ित लड़की ने बुधवार को स्थानीय थाने में इसकी शिकायत दर्ज कराई है। बाद में विश्व हिंदू परिषद ने मामले को सामने लाया। पुलिस ने युवक की हकीकत सामने आने के बाद उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। मो. जियारुल डगुरूआ थाना के बरसौनी का रहने वाला है। मामला सदर थाना का है।

सदर थाना की प्रभारी थानाध्यक्ष पूर्णिमा कुमारी ने बताया कि आरोपी मो.जियारूल ने आधार कार्ड में अपना नाम बदलकर शंकर यादव रखा है। 2023 के दिसंबर महीने में लड़के की मुलाकात सदर थाना क्षेत्र इलाके के गुलाबबाग में रहने वाली हिंदू लड़की से हुई। लड़का मजदूरी करता था। इसी दौरान वो काम करने के लिए लड़की के घर पहुंचा। जहां दोनों के बीच बात शुरू हुई।

एसजीपीजीआई में मरीजों के परिजनों का हंगामा

गेट के बाहर धरने पर बैठे, रोड जाम किया, गार्ड ने ओपीडी एरिया से बाहर निकाला था

लखनऊ । एसजीपीजीआई गेट के बाहर मरीजों के परिजनों ने हंगामा किया। लखनऊ-रायबरेली रोड जाम कर दिया। एसजीपीजीआई प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। करीब 15 मिनट तक चले प्रदर्शन के बाद अफरा-तफरी मच गई। नवीन ओपीडी एरिया से बाहर निकालने जाने से तीमारदार नाराज थे। गार्ड पर अभद्रता का आरोप लगाया। सड़क जाम कर दिया। तीमारदारों को पुलिस वालों ने मनाया। मान-मनौव्वल के बाद उन्हें भीतर ले जाया गया।मौके पर एसजीपीजीआई के इंस्पेक्टर प्रदर्शन करने वालों से बात की। इंस्पेक्टर पीजीआई बृजेश चंद्र तिवारी ने बताया मरीजों के तीमारदारों को गार्ड ने बाहर कर दिया था। इसी बात से वो नाराज थे और सड़क जाम कर दिया था। प्रदर्शन करने वालों की संख्या 25 से ज्यादा है। सड़क पर पहुंचे लोगों ने चटाई और चादर सड़क पर ही बिझा दिया। वहां बैठ गए, एसजीपीजीआई प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। उनका कहना है कि हमें बाहर कर दिया गया। हम अगर अंदर नहीं रह सकते तो कहां जाएं। मरीज के तीमारदारों ने बताया कि वो मरीज के साथ नवीन ओपाडी के बाहर पहुंचे थे। सोमवार को डॉक्टरों को दिखाने के लिए आज से ही नंबर लगाने आ गए थे।इतने में एसजीपीजीआई के करीब 10 की संख्या में गार्ड वहां पहुंच गए। उन्होंने कहा कि आप सभी लोग एसजीपीजीआई के बाहर चले जाएं। कहीं बाहर होटल या धर्मशाला लेकर रहें। कल सुबह आकर नंबर लगाएं। जिसके बाद मरीज के तीमारबार वहां से हटकर पेड़ के नीचे बैठ गए। थोड़ी देर के बाद वहां भी गार्ड आ पहुंचे और उन्होंने पेड़ के नीचे से भी हट जाने को कहा। तीमारदारों का कहना है कि वो बड़ी देर तर हाथ जोड़ते रहे कि उन्हें बैठने दिया जाए। लेकिन गार्ड नहीं माने। गार्ड की बात से नाराज गुस्साए लोग सड़क पर बैठ गए। चादर और चटाई बिछा दिया। वहीं नारेबाजी करने लगे। तीमारदारों के प्रदर्शन के बाद अफरा-तफरी मच गई। लखनऊ-रायबरेली रोड पर लंबा जाम लग गया। एसजीपीजीआई के गार्ड, पुलिस की टीम और ट्रैफिक पुलिस मौके पर पहुंची और काफी देर तक समझाती रही। प्रदर्शन कर रहे सभी लोगों को सड़क से हटाकर पुलिस के जवानों ने कैंपस में बने टीनशेड के नीचे बिठाया। जिसके बाद सभी तीमारदार वहां आकर बैठे और प्रदर्शन शांत हो सका। तीमारदारों ने कहा कि हम यहां परेशानी लेकर आए हैं। लेकिन एसजीपीजीआई में तैनात गार्ड हमारे साथ अभद्रता करते हैं। एक गार्ड ने बताया कि पिछले कई दिनों से नवीन ओपीडी के बाहर से मोबाइल और पैसे चोरी की शिकायत मिल रही थी। जिसके बाद हमने भीड़ रोकने के लिए यहां से तीमारदारों को हटाया। ताकि चोरी की घटनाओं को रोका जा सके। तीमारदार हटाए जाने से नाराज हो गए और सड़क पर पहुंच गए थे।

मूक बधिर बालक घर से हुआ लापता

संवाददाता

हमीरपुर । उत्तर प्रदेश के हमीरपुर मौदहा थाना क्षेत्र में पिछले दिनों एक मूक बधिर ग्यारह बारह वर्षीय बालक घूमता हुआ मिला, पूछे जाने पर वो अपना नाम, पता नहीं बता पाया। इसके बाद इस बालक की दूसरे मूक बधिर बालक से बात कराई गई, लेकिन उसको भी इस बालक ने अपने बारे में कुछ नहीं बताया।

एसा लगता है कि, ये बालक अपने घर से किसी बात पर नाराज होकर निकल आया है, जिसके चलते ये बालक अपने बारे में कुछ बताना नहीं चाहता है। अगर किसी का भी कोई मूक बधिर बालक खो गया हो तो फोटो देखकर पहचान करने के बाद हमीरपुर प्रोबेशन अधिकारी राजीव कुमार सिंह से मुलाकात करें, या प्रोबेशन आफिस के मोबाइल नंबर-9415432712, 8004145197 पर कांटैक्ट कर जानकारी देने का कष्ट करें, ताकि इस मूक बधिर बालक को उसके घरवालों से मिलवाया जा सके।

एसडीएम के नेतृत्व में हुआ विवादों का निस्तारण

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। तहसील क्षेत्र के ग्राम कुड़वा उर्फ दिलीप नगर के टोला धन्नी पट्टी में पूर्व से चले आ रहे विवाद का निस्तारण उप जिलाधिकारी कसया पारितोष मिश्रा, तहसीलदार धर्मवीर सिंह, नायब तहसीलदार शैलेश सिंह, थानाध्यक्ष कसया गिरिजेश उपाध्याय की उपस्थिति में कर दिया गया। दुर्गा सेवा समिति के आवेदक अंबुज कुमार सिंह द्वारा इस संबंध में कई प्रार्थना पत्र दिए गए थे कि ग्राम में परंपरागत दुर्गा पंडाल के स्थान को रजनिश्वर सिंह पुत्र स्वर्गीय अवधेश सिंह तथा अन्य के द्वारा बाउंड्री वॉल बनाकर घेरा जा रहा है। जिससे दुर्गा पूजा पंडाल का स्थान अतिक्रमित हो जा रहा है। इस संबंध में उपजिलाधिकारी श्री मिश्रा द्वारा रविवार को मौके पर जाकर अपनी उपस्थिति में सीमांकन करा कर मामले का निस्तारण कर दिया गया तथा दोनों पक्षों को यह हिदायत दी गई की संबंधित भूमि का उपयोग दुर्गा पूजा पंडाल के अतिरिक्त आने जाने हेतु किया जाएगा। इसके अतिरिक्त उक्त भूमि पर किसी भी पक्ष द्वारा कोई स्थाई निर्माण नहीं किया जाएगा। संबंधित भूमि मौके पर खाली रहेगी। सभी पक्षों द्वारा इस निर्णय पर अपनी सहमति व्यक्त की गई तथा मौके पर निशान देही कर पुराने समय से चले आ रहे विवाद का निस्तारण कर दिया गया। इसी क्रम में ग्राम धुरिया में नथुनी गोंड़ द्वारा रास्ते के मामले को लेकर दिये गए प्रार्थना पत्र का निस्तारण मौके पर अधिकारियों ने आवश्यक निर्देश देते हुए कर दिया। राजस्व निरीक्षक ब्रजेश मणि त्रिपाठी, हल्का लेखपाल अंग ध्वज पासवान सहित पुलिस बल व ग्रामीण मौजूद रहे।

गोरखपुर में पति का तार से गला घोंटा, पत्नी अरेस्ट

पत्नी ने कहा- मुझे डर था, मकान बेच देंगे, तब बच्चों के साथ कहां जाऊंगी

गोरखपुर । गोरखनाथ इलाके में एक बार फिर रिश्तों का कत्ल हुआ है। मकान को लेकर हुए विवाद में एक महिला ने अपने ही पति का तार से गला घोंटकर हत्या कर दी। घटना तिलिया कुंआ, विकासनगर की है, जहां 40 वर्षीय अशोक निषाद की उसकी पत्नी रिंकी देवी ने शुक्रवार देर रात हत्या कर दी। दोनों के बीच लंबे समय से मकान बेचने को लेकर विवाद चल रहा था, और रिंकी को शक था कि उसका पति मकान बेचने की योजना बना रहा है, जिससे उसके तीन बच्चों का भविष्य अंधकारमय हो सकता है। रिंकी और अशोक के बीच पिछले कई महीनों से विवाद चल रहा था, जिसके चलते रिंकी अपने पति से अलग रह रही थी। जब उसे पता चला कि अशोक मकान बेचने की तैयारी कर रहा है, तो शुक्रवार की रात रिंकी ने अपने पति के घर जाकर तार से उसका गला घोंट दिया। अशोक की मौके पर ही मौत हो गई। अशोक के भाई खूबलाल ने इस घटना की सूचना पुलिस को दी, जिसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर रिंकी को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस की जांच में यह सामने आया कि मकान को लेकर चल रहे लंबे विवाद के कारण रिंकी ने यह कदम उठाया। उसे डर था कि मकान बिकने के बाद उसके तीनों बच्चे बेघर हो जाएंगे, और इसी तनाव ने उसे हत्या के लिए उकसाया। रिंकी और अशोक की शादी 20 साल पहले हुई थी और उनके तीन बच्चे हैं। उनकी एक बेटी की शादी भी हो चुकी है, लेकिन पिछले कुछ सालों से पति-पत्नी के बीच पारिवारिक कलह बढ़ती जा रही थी। रिंकी पिछले सात महीनों से अशोक से अलग रह रही थी, और मकान को लेकर चल रहे विवाद ने अंततः इस घटना को अंजाम दिया। एसपी सिटी अभिनव त्यागी ने बताया कि रिंकी ने अपने पति की हत्या तार से गला कसकर की। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया और पूछताछ के बाद अदालत में पेश कर जेल भेज दिया गया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लगाया जनता दरबार

गोरखपुर। गोरखपुर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लगातार तीसरे दिन गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन का आयोजन किया। इस दौरान उन्होंने लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को त्वरित समाधान के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता की हर पीड़ा का निवारण सरकार की प्रमुख प्राथमिकता है। तीन दिनों में कुल 900 लोगों की समस्याओं को सुना गया। रविवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर में जनता दर्शन का आयोजन किया गया, जहां लगभग 300 लोग मुख्यमंत्री से मिले। सीएम योगी ने महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर बैठे लोगों से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की और उनकी समस्याओं को सुना। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सभी को न्याय मिलेगा और संबंधित अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जमीन कब्जा करने की शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने सख्त कानूनी कार्रवाई करने की बात कही। मुख्यमंत्री के जनता दर्शन में कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता मांगने पहुंचे, जिनमें महिलाओं की संख्या अधिक थी। उट योगी ने आयुष्मान कार्ड की जानकारी ली और कार्ड न होने पर आश्वासन दिया कि सरकार पूरी मदद करेगी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि इलाज से जुड़े सभी प्रार्थना पत्रों का त्वरित निस्तारण किया जाए और हर पात्र व्यक्ति का आयुष्मान कार्ड बनवाने का कार्य पूरा हो। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राजस्व और पुलिस से जुड़े मामलों में अधिकारियों को पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ निस्तारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी के साथ भी नाइंसाफी नहीं होनी चाहिए और हर पीड़ित की मदद संवेदनशीलता के साथ की जाए। इसके अलावा, जनता दर्शन में आए बच्चों को मुख्यमंत्री ने दुलारते हुए चॉकलेट गिफ्ट किया और उन्हें खूब पढ़ने के लिए प्रेरित किया।

फेडरल ऑफ नेशनल पोस्टल आर्गनाइजेशन (एफएनपीओ) का वार्षिक अधिवेशन सम्पन्न

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। फेडरल ऑफ नेशनल पोस्टल आर्गनाइजेशन (एफ एन पी ओ) का वार्षिक अधिवेशन रविवार को कुशीनगर स्थित एक निजी होटल में किया गया। इस दौरान देवरिया मंडल के नई कार्यकारणी का गठन भी किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रीजनल सेक्रेटरी गोरखपुर अरविंद कुमार सुमन ने संगठन के नए पदाधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि संगठन की मजबूती के लिए सबको मिल जुल कर काम करना होगा और कर्मचारी हित के लिए संघर्ष करना होगा। किसी भी समस्या का समाधान तभी होगा, जब हम संख्या बल के साथ अपनी बात को उच्चाधिकारियों के सामने मजबूती से रखेंगे। विशिष्ट अतिथि सह सचिव आनन्द सिंह ने कहा कि हम अपनी समस्याओं के प्रति जिम्मेदार बनें और समाधान के विकल्प तलाशें। सह सचिव वेदप्रकाश, संगठन मंत्री मनीष चन्द्र, श्रीमती राधिका, इंद्रजीत सिंह, मंडलीय सचिव आलम सिद्दकी, कामेश्वर शाही ने संगठन की मजबूती पर जोर देते हुए कहा कि संघ ताकत है। जिसके बुते संघर्ष कर हम हक, मान, सम्मान, अधिकार हासिल कर सकते हैं। पर्यवेक्षक सहायक अधीक्षक पड़रौना विनोद कुमार ने कहा कि बढ़ती चुनौतियों का मुखर होकर मण्डल व रीजनल स्तर पर पदाधिकारियों के संज्ञान में लाकर न्यायिक रूप से सुलझाने का प्रयास किया जाय। अध्यक्षता बीडी मिश्रा व संचालन अवकाश प्राप्त पोस्ट मास्टर सीबी शुक्ला ने किया। इस दौरान श्री प्रकाश, अनिल, अरुण राय, जयराम, गजेंद्र भूषण, राज कुमार, सुनील कुमार, राजीव रंजन, विपिन कुमार, हरिहर प्रसाद, अरविंद सिंह, राम चन्द्र सिंह, राघवेंद्र प्रताप सिंह सहित देवरिय कुशीनगर संगठन से जुड़े पदाधिकारी मौजूद रहे।

एसबीएम पीजी कालेज में 'स्वच्छता ही सेवा है' विषय पर संगोष्ठी

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। स्थानीय एसबीएम पीजी कालेज में राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वारा चलाए जा रहे 'स्वभाव स्वच्छता व संस्कार स्वच्छता' पखवाड़ा के पांचवे दिन रविवार को 'स्वच्छता ही सेवा है' विषय पर संगोष्ठी हुई। जिसमें इसकी जरुरत पर जोर देते हुए लोगों को जागरुक करने के लिए अभियान चलाने की जरुरत पर बल दिया गया। गोष्ठी को सम्बोधित करते हुए क्षेत्रीय विधायक सुरेंद्र कुमार कुशवाहा कहा कि स्वच्छता वर्तमान समय की जरुरत है। कचरा प्रबंधन एक चुनौती है। सरकार की प्राथमिकता स्वच्छता है। 2014 में केंद्र में भाजपा की सरकार बनने के बाद से इस दिशा में अनेक प्रयास किए गए हैं। जिससे लोगों में ग्रामीण स्तर पर भी जागरुकता हुई है। सरकारी कार्यालय सहित गली मोहल्ले में भी स्थिति परिवर्तित हुई है।स्वच्छता व्यक्तित्व की पहचान है।अपने आसपास साफ सफाई करके बीमारी फैलने को फैलने से रोकें।प्रबंधक शक्ति प्रकाश दीक्षित ने कहा कि शासन के द्वारा चलाए गए अभियान से लोगों ने साफ सफाई की जरुरत को महसूस किया है। फिर भी इस क्षेत्र में अभी काफी कुछ किया जाना बाकी है। प्राचार्य प्रो.ज्योत्सना पाण्डेय ने कहा कि स्वच्छता पखवाड़ा से लोगों में जागरुकता बढ़ेगी। ग्रामीण क्षेत्र में छात्र स्वच्छता अभियान के ब्रांड एंबेसडर के रुप में कार्य करें। लोगों को इसके महत्व के बारे में बताएं। गोष्ठी को डा शत्रुध्न सिंह, पंकज चौरसिया, गिरिजेश मिश्र, बच्चा प्रसाद आदि ने सम्बोधित किया।विषय प्रवर्तन डा. प्रभाकर मिश्रा पंकज नें किया। कार्यक्रम संचालन डा. सुकेश पाण्डेय ने किया। डा.श्रवण कुमार ने सभी के प्रति आभार प्रकट किया।

संक्षिप्त डायरी

अन्तर्राष्ट्रीय बेटी दिवस के मौके पर मनाया गया बेटी बर्थडे कार्यक्रम

संवाददाता

हमीरपुर । उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिलाअधिकारी घनश्याम मीना के निर्देश पर जिला महिला चिकित्सालय में अन्तर्राष्ट्रीय बेटी दिवस के मौके पर भारत सरकार की तरफ से चलाई जा रही बेटी पढ़ाओ, बेटी बचाओ योजना के तहत बेटी जन्मोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नवजात बेटियों के माता-पिता श्रीमती सुनैना पत्नी ईश्वर प्रसाद, श्रीमती पूजा पत्नी अजय, श्रीमती विमल पत्नी अनिल, श्रीमती अर्चना पत्नी रावेश, श्रीमती दीपमाला पत्नी रामेन्द्र, श्रीमती सुमन पत्नी पिन्टू श्रीमती निधि पत्नी सुनील, श्रीमती आराधना पत्नी अरविन्द, श्रीमती काजल पत्नी रमेश व श्रीमती रूपा पत्नी सुशील अपनी जन्मी नवजात बेटियों के साथ मौजूद रहीं। कार्यक्रम में बेटियों के मां बाप को बतौर गिफ्ट बेबीकिट, कपडे सहित मिठाई बांटी गई। कार्यक्रम में कुलदीप निषाद अध्यक्ष नगर पालिका परिषद हमीरपुर, डॉ० गीतम सिंह मुख्य चिकित्साधिकारी, डॉ० मंजुला गुप्ता अधीक्षिका जिला महिला चिकित्सालय हमीरपुर, राजीव कुमार सिंह जिला प्रोबेशन अधिकारी, जिला महिला चिकित्सालय के डॉक्टर, कर्मचारीगण के साथ ही जिला प्रोबेशन कार्यालय के कर्मचारीगण मौजूद रहे।

अखिल भारतीय शहीद मेजर अमिय त्रिपाठी क्रिकेट प्रतियोगिता की तैयारी बैठक संपन्न

संवाददाता

कुशीनगर। 19 वें अखिल भारतीय शहीद मेजर अमिय त्रिपाठी क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए आयोजन समिति की बैठक संपन्न हुई। जिसमेआयोजन के तैयारियों पर चर्चा हुआ। बैठक को संबोधित करते शहीद मेजर अमिय त्रिपाठी क्रिकेट प्रतियोगिता के संरक्षक पूर्व आरटीओ अजय त्रिपाठी ने कहा इस वर्ष का प्रतियोगिता का उद्घाटन 21 दिसंबर को होगा तथा फाइनल मुकाबला 28 दिसंबर को होगा।इसके लिए टीमों की चयन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इस प्रतियोगिता में देश के विभिन्न राज्यों की रणजी खिलाड़ियों से सजी टीमें प्रतिभाग करती है। उन्होंने कहा कि इस बार की मशाल दौड़ शहीद चौक कसया से शुरू होकर शहीद के पैतृक गांव भेलया होते हुए पावानगर महावीर इंटर कॉलेज के राजमालती खेल ग्राउंड तक आयेगा।आयोजन समिति के व्यवस्थापक टी एन राय ने कहा की समिति के सभी सदस्यों और पदाधिकारियो को जो भी जिम्मेंदारियां दी गई हैं उसका पूर्व वर्षों के भांति निर्वहन करेगें तो निश्चित ही आयोजन सफल होगा। आयोजन समिति के अध्यक्ष व नगर पंचायत अध्यक्ष शत्रुमर्दन प्रताप शाही ने कहा कि क्रिकेट प्रतियोगिता में मशाल दौड़ के लिए धावक धविकाओ का फार्म वितरण 23 सितम्बर से आजाद स्पोर्ट्स वितरण होगा।इसे भव्य और आकर्षक बनाया जाएगा इसके लिए सभी लोग अभी से जुट जाय। धावकों के चयन की प्रक्रिया इसी माह से प्रारम्भ हो जायेगी। बैठक को प्रदीप सिंह, मजीबुल्लाह रही,डा.संजय मणि त्रिपाठी, विनीत कुमार बंटी, आजाद अंसारी आदि ने भी संबोधित किया। संचालन जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधी राजन शुक्ला ने किया।इस दौरान पंकज ओझा, सतेंद्र सिंह, चंदन दुबे, कविंद्र सिंह, गोविंद यादव, गुड्डू पाण्डेय, मोहमद आलम, चंदन पासवान, विशाल पाण्डेय, पिंटू सिंह, शिवशंकर तिवारी, जेपी रावत, जयनाथ प्रसाद गौड़ आदि लोग उपस्थित थे।

मच्छरों से बचाव हेतु रोटरी क्लब द्वारा मच्छरदानी वितरित

संवाददाता

कुशीनगर। रोटरी क्लब कुशीनगर के द्वारा रविवार सुबह वीर अब्दुल हमीदनगर, भलुही मदारी पट्टी में मच्छर जनित रोग जैसे डेंगू और मलेरिया से बचाव हेतु मच्छरदानी वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य समुदाय को इन बीमारियों से बचाव के प्रति जागरूक करना और स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान करना था। अध्यक्षता रोटरी क्लब कुशीनगर के अध्यक्ष वाहिद अली ने की। बताया कि वर्तमान में मच्छर जनित रोग तेजी से फैल रहे हैं और ऐसे समय में मच्छरदानी एक प्रभावी साधन है जो लोगों को इन रोगों से बचाव करने में मदद करता है। रोटरी क्लब का यह प्रयास समाज के प्रति हमारी जिम्मेदारी का एक हिस्सा है। रोटरी क्लब के सचिव अजय सिंह ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जरूरतमंद परिवारों को मच्छरदानियों का वितरण किया गया। इसके साथ ही, कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को डेंगू, मलेरिया और अन्य मच्छर जनित बीमारियों से बचाव के उपायों के बारे में भी जानकारी दी गई। इस अवसर पर रोटरी क्लब कुशीनगर के कोषाध्यक्ष दुर्गेश चतुर्वेदी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष विजय गुप्ता, दिनेश कुमार यादव, संयुक्त सचिव अखिलेश शर्मा, निदेशक अमित श्रीवास्तव, डॉ. सुनील सिंह, सार्जेंट एट आर्म्स विजय कृष्ण द्विवेदी, इम्तियाज आलम, अरूण कुमार मौर्य, डॉ. श्याम बिहारी जायसवाल, अमरेंद्र नारायण सिंह, कृष्णा मद्धेशिया, सरवरे आलम छोटे, हेमन्त गर्ग, सत्येन्द्र राय एवं लालबिहारी उपस्थित रहे।

एक छोटा बच्चा दूसरे बच्चे से - अगर दिन को सूर्य न निकला तो क्या होगा?
दूसरे बच्चे ने जवाब दिया - बिजली का बिल बढ़ जाएगा।

●●●●●●●

टीचर (मिन्नी से) - आज स्कूल में देर से आने का तुमने क्या बहाना ढूंढा है?
मिन्नी - सर आज मै इतनी तेज दौड़ कर आई कि बहाना सोचने का मौका ही नही मिला।

●●●●●●●

मैनेजर ने आने वाले से पूछा - क्या तुम्हें पता नहीं कि आज्ञा के बिना अन्दर आना मना है।
आने वाला - जनाब मैं आज्ञा लेने के लिए ही अन्दर आया हूं।

●●●●●●●

पत्नी - मैंने आज सपनो में देखा है कि तुम मेरे लिए हीरों का हार लाए हो, इस सपने का क्या मतलब है?
पति - आज शाम को बताऊगा। शाम को पति ने एक पैकेट पत्नी को लाकर दिया। पत्नी ने खुशी-खुशी पैकेट खोला तो उस मे एक किताब निकली । किताब का नाम था, सपनों का मतलब।

●●●●●●●

नया सिपाही (इंस्पैक्टर से) - सर ये बिलकुल गलत है कि मैं उस चोर से डर गया था।
इंस्पैक्टर - तो तुम उस गाड़ी के पिछे क्यों छिपे थे?
नया सिपाही - जी वह तो मैं कुत्ता देख कर छिपा था।

●●●●●●●

अध्यापक - बाबर भारत में कब आया?
बंटी - पता नहीं सर।
अध्यापक - बोर्ड पर नहीं देख सकते, नाम के साथ ही लिखा है।
बंटी - मैंने सोचा, शायद वह उसका फोन नम्बर है।

●●●●●●●

एक बहानेबाज कर्मचारी का दादा उस के दफ्तर में जा कर उस के बॉस से बोला- इस दफ्तर में सुनील नाम का व्यक्ति कार्य करता है, मुझे उस से मिलना है, वह मेरा पोता है।
बॉस ने मुस्करा कर कहा - मुझे अफसोस है, आप देर से आए है, वह आप की अर्थी को कंधा देने के लिए छुट्टी लेकर जा चुका है।

●●●●●●●

सेठानी (नौकरानी से) - क्यों महारानी जी आज आने में इतनी देर क्यों लगा दी?
नौकरानी - सेठानी जी मैं सीढ़ियों से गिर गई थी।
सेठानी - तो क्या उठने में इतनी देर लगती है।

●●●●●●●

कंबो शहर की यात्रा

एक दिन कौमी कौआ काफी दिनों बाद अपने गांव आया। गांव में सभी पक्षियों ने उसका खूब स्वागत किया। कौमी में एक आदत थी कि जब भी वह गांव जाता तो अपने सभी दोस्तों के लिए कुछ न कुछ खाने की चीज साथ लेकर जरूर जाता। इस बार वह पिज्जा लेकर गया, जिसका स्वाद चखकर सभी पक्षियों को आनंद आ गया। पिज्जा खाकर कोबू कबूतर बोला- 'भई कौमी, यह तो तू कमाल की चीज लेकर आया है। इसमें जो स्वाद है, ऐसा स्वाद हमने कहीं नहीं चखा। इससे पहले तू पास्ता लेकर आया था। वह भी गजब की चीज थी! वैसे बड़ा मजा आता है शहर में रहने का। वहां अच्छी-अच्छी चीजें मिलती हैं खाने की। अब तो तेरे साथ मैं भी कंबो शहर चलूंगा।' कोबू कबूतर की बात सुनकर कौमी ने हां कहते हुए अपना सिर हिलाया।

कौमी जब भी कंबो शहर से गांव आता तो मैकू मोर उससे कहता कि इस बार तो अपने साथ ले चल। पर कौमी हर बार मैकू को कोई बहाना बनाकर टाल देता था। कौमी मन में सोचता-इतना भारी-भरकम शरीर है। कंबो शहर में इसका गुजारा करना मुश्किल हो जाएगा। एक तो वहां भीड़भाड़ बहुत है और पेड़ों की कमी है। जो भी पेड़ बचे हैं वो भी एक-एक कर कटते जा रहे हैं। मेरा ही वहां रहना मुश्किल हो रहा है। मैं जिस पेड़ पर रहता हूं, वह भी किसी दिन कट जाएगा, क्योंकि वहां पर कोई बड़ी बिल्डिंग बनाई जाएगी। मेरा क्या, मैं तो किसी की छत पर फुर्र से उड़कर चला जाऊंगा। किसी रास्ते से भी भोजन उठा लूंगा। पर मैकू मोर ये सब नहीं कर पाएगा। लेकिन कैसे समझाऊं मैकू को।

तभी फुदकती हुई गौरी गौरैया आ धमकी। बोली- 'पिज्जा बहुत अच्छा था। अगली बार भी लेकर आना।'

'जरूर लाऊंगा। इससे भी अच्छी चीज लेकर आऊंगा।' कौमी ने कहा।

गौरी गौरैया भी बहुत दिनों से सोच रही थी कि कौमी के साथ कंबो शहर घूमकर आए। हर बार कोई न कोई काम उसे लगा ही रहता था। इस बार वह कौमी के साथ पक्का जाएगी, यह सोचकर कौमी से बाली- 'कौमी भइया, आप तो खूब घूमते रहते हैं और हम यहां से कहीं घूमने ही नहीं जा पाते। इस बार हमें भी कंबो घुमाने अपने साथ ले चलो न।' कौमी बोला- 'जरूर ले चलूंगा। तुम्हें तो देखकर वहां लोग बहुत खुश होंगे।'

उधर तारू तोता भी कौमी के साथ चलने के लिए तैयार हो गया। पिछली बार जब कौमी आया था तो उसने वादा किया था कि अगली बार वह तारू को जरूर लेकर जाएगा। कौमी ने कोबू कबूतर, गौरी गौरैया और तारू तोता को अपने साथ ले चलने के लिए तो कह दिया, लेकिन सोच में पड़ गया कि वहां जाकर ये लोग परेशान न हो जाएं। अगले दिन चारों दोस्त तैयार होकर कंबो शहर चल दिए। दिन भर उड़ान भरी और शाम को शहर पहुंच गए। गौरी शरीर में बहुत छोटी थी, इसलिए ज्यादा थक गई। उसे जल्दी से नींद आ गई। अगले दिन सुबह कौमी के साथ वे तीनों दोस्त घूमने के लिए निकले। पूरे शहर का चक्कर लगाया। ऊंची-ऊंची बिल्डिंग, हर जगह भीड़-भाड़ और शोर-शराबा। इस तरह का माहौल उन्होंने कहीं नहीं देखा था। कौमी जहां रहता था, वहीं थोड़ी-बहुत हरियाली थी। उसके पास में रिहायशी इलाका था और उससे आगे काफी दूर तक बहुत सारी फैक्टरी थीं। दूसरे दिन कौमी को अपने काम पर जाना था। उसने दोस्तों से कहा कि आज तुम लोग खुद घूमो। तीनों दोस्त पास के रिहायशी इलाके में घूमने चल दिए। गौरी गौरैया एक मकान की छत पर चली गई। उस छत पर कई छोटे-छोटे बच्चे खेल रहे थे। उन्होंने छोटी गौरैया को देखा तो बहुत खुश हुए। मौनू ने पहली बार इतनी छोटी गौरैया को देखा था। उसने तुरंत अपनी मम्मी को आवाज लगाई- 'मॉम, देखो हमारी छत पर कितनी छोटी चिड़िया आई है।' मॉम तुरंत दौड़कर आईं और बोलीं- यह चिड़िया तो यहां दिखाई ही नहीं देती है, कई सालों पहले देखी थी। इसके लिए एक बर्तन में पानी लाओ और कुछ खाने को दो। कितनी सुन्दर चिड़िया है ये! मौनू तुरंत एक बर्तन में पानी भरकर ले आया। साथ में कुछ ब्रेड, बिस्किट के टुकड़े लाया और उसके सामने रख दिए और मम्मी के साथ दूर जाकर खड़ा हो गया। गौरी ने फुदक-फुदक कर बिस्किट और ब्रेड खाए और पानी पीकर उड़ गई।

उधर कोबू कबूतर घूमने निकला तो उसे एक स्थान पर बहुत सारे कबूतर दिखाई दिए, जो वहां पड़े अनाज को खा रहे थे। कोबू भी उनमें जा मिला और खूब छक कर अनाज खाया। तारू तोता भी वहां इधर-उधर घूमा। घरों की छतों पर खूब चक्कर लगाए। वहां कुछ खाने का भी सामान मिला, लेकिन फल खाने को नहीं मिले, क्योंकि वहां फलों के पेड़ ही नहीं थे। उसे प्यास लगी, तो पास में ही नाली में गंदा पानी बह रहा था। प्यास सहन न होने की वजह से उसे वही पानी पीना पड़ा। पानी पीकर उसे चक्कर आने लगे। वह पास की ही छत पर उड़ते हुए गिर पड़ा। छत पर एक बच्चा खेल रहा था। उसने अपनी मॉम को बुलाया तो उन्होंने उसे पकड़कर थोड़ी देर छाया में रखा, उसके बाद उसे पानी पिलाया। थोड़ी देर में होश आने के बाद वह उड़ गया और कौमी के घर आ गया। कौमी को जब यह बात पता लगी तो बहुत दुखी हुआ। उसने तीनों दोस्तों से कहा कि कोई भी नाली का पानी न पिए। यह बहुत खतरनाक है। शहर में कहीं साफ पानी दिखाई ही नहीं देता था सिवाय नाली और नालों के। छतों पर पक्षियों के प्रति दयालु लोग ही पानी रख देते हैं।

तीन-चार दिन कौमी के दोस्त खूब घूमे-फिरे, लेकिन उन्हें वहां रहकर संतुष्टि नहीं हुई। वह कौमी से वापस अपने गांव जाने की बात कहने लगे। कौमी ने कहा, दोस्तों, कुछ दिन और रहो। लेकिन तीनों घूम-घूम कर और वहां के वातावरण को देखकर परेशान हो गए थे। गांव में तो वे बहुत दूर-दूर तक घूमने चले जाते थे। साफ पानी की वहां कमी नहीं थी, जगह-जगह नहर व तालाब आदि थे। फलों की कोई कमी नहीं थी। बाग-बगीचे बहुत थे, पर शहर में ये सब कहां? चारों तरफ मकान ही मकान थे और जगह-जगह गंदगी युक्त नालिओं में बहुता हुआ पानी। खैर, एक दिन कौमी के साथ तीनों दोस्त अपने गांव वापस आ गए। गांव आकर उन्होंने राहत की सांस ली। जब उन्होंने कौमी से पूछा कि दोस्त तुम वहां ऐसे वातावरण में कैसे रह लेते हो, तो कौमी कहता- क्या करें, हमें तो वहां की आदत हो गई है। जो जहां रहता है, उसे वहीं की आदत पड़ जाती है।

हवाई जहाज की कहानी

दोस्तों, आसमान में ऊंची उड़ान भरते हवाई जहाज को तुमने कई बार देखा ही होगा। पर क्या तुम यह जानते हो कि इसे कब बनाया था और किसने बनाया था? आखिर किसके मन में इसे बनाने का ख्याल आया था। इसे बनाने के पीछे क्या प्रेरणा थी? नहीं पता, कोई बात नहीं। आज हम तुम्हें बताते हैं हवाई जहाज का इतिहास।

इसे सबसे पहले बनाया था राइट ब्रदर्स ने। विल्वर और ओरविल में केवल चार साल का अंतर था। जिस समय उन्हें हवाई जहाज बनाने का ख्याल आया, उस समय विल्वर सिर्फ 11 साल का था और ओरविल की उम्र थी 7 साल। हुआ यूं कि एक दिन उनके पिता उन दोनों के लिए एक उड़ने वाला खिलौना लाए। यह खिलौना बांस, कॉर्क, कागज और रबर के छल्लों का बना था। इस खिलौने को उड़ता देख विल्वर और ओरविल के मन में भी आकाश में उड़ने का विचार आया। उन्होंने निश्च किया कि वे भी एक ऐसा खिलौना बनाएंगे।

इसके बाद वे दोनों एक के बाद एक कई मॉडल बनाने में जुट गए। अंततः उन्होंने जो मॉडल बनाया, उसका आकार एक बड़ी पतंग सा था। इसमें ऊपर तख्ते लगे हुए थे और उन्हीं के सामने छोटे-छोटे दो पंखे भी लगे थे। जिन्हें तार से झुकाकर अपनी मर्जी से ऊपर या नीचे ले जाया जा सकता था। बाद में इसी यान में एक सीधी खड़ी पतवार भी लगाई गई। इसके बाद राइट भाइयों ने अपने विमान के लिए 12 हॉर्सपावर का एक पेट्रोल इंजन बनाया और इसे वायुयान की निचली लाइन के दाहिने और निचले पंख पर फिट किया और बाईंओर पायलट के बैठने की सीट बनाई। राइट बंधुओं के प्रयोग काफी लंबे समय तक चले। तब तक वे काफी बड़े हो गए थे और अपने विमानों की तरह उनमें भी परिपक्वता आ गई थी। आखिर में 1903 में 17 दिसम्बर को उन्होंने अपने वायुयान का परीक्षण किया। पहली उड़ान ओरविल ने की। उसने अपना वायुयान 36 मीटर की ऊंचाई तक उड़ाया। इसी यान से दूसरी उड़ान विल्वर ने की। उसने हवा में लगभग 200 फुट की दूरी तय की। तीसरी उड़ान फिर ओरविल ने और चौथी और अन्तिम उड़ान फिर विल्वर ने की। उसने 850 फुट की दूरी लगभग 1 मिनट में तय की। यह इंजन वाले जहाज की पहली उड़ान थी। उसके बाद नए-नए किस्म के वायुयान बनने लगे, पर सबके उड़ने का सिद्धांत एक ही है।

सच्चे सुख की प्राप्ति

एक बार स्वामी रामदास जी भिक्षा मांगते हुए किसी घर के सामने खड़े हुए और उन्होंने आवाज लगाई रघुवीर समर्थ! घर की स्त्री बाहर आई। उसने उनकी झोली में भिक्षा डाली और कहा, महात्मा जी कोई उपदेश दीजिए।
स्वामी रामदास जी बोले, आज नहीं कल दूंगा।
दूसरे दिन स्वामी रामदास जी ने पुनः उस घर के सामने आवाज लगाई रघुवीर समर्थ ! उस घर की स्त्री ने उस दिन खीर बनाई थी। वह खीर का कटोरा लेकर बाहर आई। स्वामी जी ने अपना कमंडल आगे कर दिया। वह स्त्री जब खीर डालने लगी तो उसने देखा कि कमंडल में कूड़ा भरा है। उसके हाथ ठिठक गए वे बोली, महाराज कमंडल तो गंदा है।
स्वामी रामदास जी बोले, हां गंदा तो है किंतु खीर इसमें डाल दो।
स्त्री बोली, नहीं महाराज तब तो खीर खराब हो जाएगी। कमंडल दें मैं धो लाती हूं। स्वामी जी बोले, मतलब जब कमंडल साफ होगा तभी खीर डालोगी।
स्त्री बोली, जी महाराज
स्वामी जी बोले, मेरा भी यही उपदेश है। मन में जब तक चिंताओं का कूड़ा करकट और बुरे संस्कार रूपी गोबर भरा है। तब तक उपदेशामृत का कोई लाभ नहीं होगा। यदि उपदेशामृत प्राप्त करना है तो प्रथम अपने मन को शुद्ध करना चाहिए, कुसंस्कारों का त्याग करना चाहिए, तभी सच्चे सुख और आनंद की प्राप्ति होगी। मन साफ हो स्वच्छ हो तभी वह आनंद की अनुभूति कर सकता है।

सफलता के रास्ते

एक गरीब युवक अपनी गरीबी से परेशान होकर अपना जीवन समाप्त करने नदी पर गया। वहां एक साधू ने उसे ऐसा करने से रोक दिया। साधु ने युवक की परेशानी को सुन कर कहा कि, मेरे पास एक विद्या है। जिससे ऐसा जादुई घड़ा बन जाएगा तुम जो भी इस घड़े से मांगोगे वह पूरा हो जाएगा, पर जिस दिन यह घड़ा फूट गया, उसी समय जो कुछ भी इस घड़े ने तुम्हें दिया है वह सब गायब हो जाएगा। अगर तुम मेरी 2 साल तक सेवा करो तो ये घड़ा मैं तुम्हे दे सकता हूं और अगर 5 साल तक तुम मेरी सेवा करो तो मैं ये घड़ा बनाने की विद्या तुम्हें सिखा दूंगा। बोलो तुम क्या चाहते हो ?
युवक ने कहा, महाराज मैं तो 2 साल ही आप की सेवा करना चाहूंगा। मुझे तो जल्द से जल्द बस ये घड़ा चाहिए मैं इसे बहुत संभाल कर रखूंगा कभी फूटने ही नहीं दूंगा। इस तरह 2 साल सेवा करने के बाद युवक ने वो जादुई घड़ा प्राप्त कर लिया और अपने घर पहुंच गया। उसने घड़े से अपनी हर इच्छा पूरी करवानी शुरू कर दी। महल बनवाया, नौकर चाकर मांगे आदि। सभी को अपनी शान शौकत दिखाने लगा, सभी को बुला-बुला कर दावतें देने लगा और बहुत ही विलासिता का जीवन जीने लगा।
उसने शराब भी पीनी शुरू कर दी और एक दिन नशे में घड़ा सिर पर रख नाचने लगा और ठोकर लगने से घड़ा गिर गया और फूट गया। घड़ा फूटते ही सब कुछ गायब हो गया। अब युवक सोचने लगा कि, काश! मैंने जल्दबाजी न की होती और घड़ा बनाने की विद्या सीख ली होती। तो आज मैं फिर से कंगाल न होता।

याद रखो... *ईश्वर हमें हमेशा दो रास्तों पर रखता है एक आसान, जल्दी वाला और दूसरा थोड़ा लम्बे समय वाला पर गहरे ज्ञान वाला। ये हम पर निर्भर करता है कि हम किस रास्ते पर चलें। कोई भी काम जल्दी में करना अच्छा नहीं होता बल्कि उसके विषय में गहरा ज्ञान आपको अनुभवी बनाता है।*

बीते सप्ताह सोयाबीन तिलहन के भाव कमजोरी के साथ बंद

- सरसों दाने का थोक भाव 75 रुपये बढ़कर 6,675-6,725 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह देश के खाद्य तेल-तिलहन बाजार में ऊंचे भाव पर कम कारोबार के बीच मूंगफली तेल-तिलहन तथा डी-आयल्ड केक (डीओसी) की कमजोर मांग से सोयाबीन तिलहन के भाव गिरावट के साथ बंद हुए। वहीं बाजार में विशेषकर नरम तेलों (सॉफ्ट आयल) की कम आपूर्ति की स्थिति के बीच सरसों तेल-तिलहन, सोयाबीन तेल, कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तेल तथा बिनौला तेल के भाव सुधार के साथ बंद हुए। बाजार के जानकार सूत्रों ने कहा कि ऊंचे दाम पर कम कारोबार तथा नई फसल की आवक के बीच मूंगफली तेल-तिलहन के दाम में गिरावट दर्ज हुई। जबकि डीओसी की कमजोर मांग से सोयाबीन तिलहन के दाम भी सप्ताहांत में गिरावट के साथ बंद हुए। बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 75 रुपये बढ़कर 6,675-6,725 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल का भाव 250 रुपये बढ़कर 14,000 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 40-40 रुपये की मजबूती के साथ क्रमशः 2,175-2,275 रुपये और 2,175-2,290 रुपये टिन पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और लूज का भाव क्रमशः 70-70 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 4,830-4,880 रुपये प्रति क्विंटल और 4,605-4,740 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसके विपरीत सोयाबीन दिल्ली, सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम के दाम क्रमशः 1,000 रुपये, 700 रुपये और 650 रुपये बढ़कर क्रमशः 12,850 रुपये, 12,450 रुपये और 9,250 रुपये क्विंटल पर बंद हुए। मूंगफली तेल-तिलहन कीमतों में भी पिछले सप्ताहांत के मुकाबले गिरावट का रुख रहा। मूंगफली तिलहन 125 रुपये की गिरावट के साथ 6,350-6,625 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 275 रुपये की गिरावट के साथ 15,100 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल का भाव 40 रुपये की गिरावट के साथ 2,270-2,570 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। वहीं कम आपूर्ति की स्थिति के कारण कच्चे पाम तेल (सीपीओ) का दाम 450 रुपये की तेजी के साथ 11,550 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली का भाव 1,000 रुपये के सुधार के साथ 13,150 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव 1,050 रुपये के सुधार के साथ 12,250 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। कम स्टॉक के बीच मांग निकलने से समीक्षाधीन सप्ताह में बिनौला तेल 650 रुपये के सुधार के साथ 12,050 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

जुलाई में देश का कोयला आयात बढ़कर 2.52 करोड़ टन हुआ

नई दिल्ली।

इसी साल जुलाई में देश का कोयला आयात 40.56 प्रतिशत बढ़कर 2.52 करोड़ टन रहा है। पिछले वित्त वर्ष के इसी महीने में कोयला आयात 1.79 करोड़ टन रहा था। बी2बी ई-कॉमर्स मंच एमजंक्शन सर्विसेज द्वारा जुटाए गए आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। चालू वित्त वर्ष के पहले अप्रैल-जुलाई में कोयला आयात बढ़कर 10.04 करोड़ टन पर पहुंच गया, जो एक साल पहले समान अवधि में 8.91 करोड़ टन था।

एमजंक्शन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि अगले महीने त्योहारी सीजन से पहले आने वाले हफ्तों में आयात मांग में तेजी आने की संभावना है। समुद्री मार्ग से ढुलाई दरों में नरमी के बीच गैर-कोकिंग कोयले के आयात में तेजी देखने को मिल रही है। हालांकि, इस्पात मिलों की कमजोर मांग के कारण कोकिंग कोयले की मात्रा में कमी आई है। जुलाई में कुल आयात में गैर-कोकिंग कोयले का हिस्सा 1.65 करोड़ टन रहा, जबकि एक साल पहले इसी महीने में यह आंकड़ा 1.01 करोड़ टन था। कोकिंग कोयले का आयात 48.1 लाख टन रहा, जबकि पिछले वित्त वर्ष जुलाई में यह 50.3 लाख टन था। अप्रैल-जुलाई की अवधि के दौरान गैर-कोकिंग कोयले का आयात एक साल पहले के 5.66 करोड़ टन की तुलना में बढ़कर 6.56 करोड़ टन पर पहुंच गया। वहीं कोकिंग कोयले के आयात में 2.02 करोड़ टन के मुकाबले मामूली बढ़त देखने को मिली। कोयला और खान मंत्री जी किशन रेड्डी ने पूर्व में कहा था कि भारत को जीवाश्म ईंधन का घरेलू उत्पादन बढ़ाना चाहिए और कोयले का आयात कम करना चाहिए। वित्त वर्ष 2023-24 में भारत का कोयला आयात 7.7 प्रतिशत बढ़कर 26.82 करोड़ टन रहा था। जुलाई में भारत का कोयला उत्पादन सालाना आधार पर 6.36 प्रतिशत बढ़कर 7.4 करोड़ टन हो गया। अप्रैल-जुलाई में भारत का कुल कोयला उत्पादन 32.13 करोड़ टन से अधिक रहा, जो एक साल पहले की इसी अवधि से 9.6 प्रतिशत अधिक है।

सेंसेक्स की शीर्ष छह कंपनियों का मार्केट कैप 1.97 लाख करोड़ बढ़ा

नई दिल्ली ।

पिछले सप्ताह सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में से छह के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 1,97,734.77 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। सबसे अधिक लाभ आईसीआईसीआई बैंक और एचडीएफसी बैंक को हुआ। पिछले सप्ताह आईसीआईसीआई बैंक का बाजार मूल्यांकन 63,359.79 करोड़ रुपये बढ़कर 9,44,226.88 करोड़ रुपये, एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 58,569.52 करोड़ रुपये बढ़कर 13,28,605.29 करोड़ रुपये, भारती एयरटेल की बाजार हैसियत 44,319.91 करोड़ रुपये बढ़कर 9,74,810.11 करोड़ रुपये, रिलायंस इंडस्ट्रीज का मूल्यांकन 19,384.07 करोड़ रुपये बढ़कर 20,11,544.68 करोड़ रुपये, हिंदुस्तान यूनिलीवर का मूल्यांकन 10,725.88 करोड़ रुपये बढ़कर 7,00,084.21 करोड़ रुपये और आईटीसी का 1,375.6 करोड़ रुपये के उछाल के साथ 6,43,907.42 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इस रुख के विपरीत टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) की बाजार हैसियत 85,730.59 करोड़ रुपये घटकर 15,50,459.04 करोड़ रुपये, इन्फोसिस का मूल्यांकन 15,861.16 करोड़ रुपये घटकर 7,91,438.39 करोड़ रुपये, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का बाजार पूंजीकरण 14,832.12 करोड़ रुपये घटकर 6,39,172.64 करोड़ रुपये और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का मूल्यांकन 7,719.79 करोड़ रुपये घटकर 6,97,815.41 करोड़ रुपये पर आ गया।

शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। उसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, भारतीय स्टेट बैंक, आईटीसी और एलआईसी का स्थान रहा।

सरकारी कर्मचारियों को अब दो साल और मिलेगा एलटीसी का लाभ

अब 25 सितंबर 2026 तक कर सकेंगे जम्मू कश्मीर, अंडमान निकोबार और पूर्वोत्तर क्षेत्र की हवाई यात्रा

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने लीव ट्रैवल कंसेशन (एलटीसी) के तहत जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और पूर्वोत्तर क्षेत्र की यात्रा की अनुमति देने वाली योजना को दो साल तक बढ़ा दिया है। अब सरकारी कर्मचारी जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और पूर्वोत्तर क्षेत्र की हवाई यात्रा 25 सितंबर 2026 तक कर सकेंगे। पहले यह योजना 25 सितंबर 2024 को समाप्त हो रही थी। पात्र केंद्र सरकार के कर्मचारियों को एलटीसी का लाभ उठाने पर पेड लीव के अलावा आने-जाने की यात्रा के टिकटों की प्रतिपूर्ति भी मिलती है। कार्मिक मंत्रालय ने एक आदेश में कहा गया है कि सभी पात्र कर्मचारी चार साल की ब्लॉक अवधि में अपने एक होम टाउन एलटीसी में बदलाव के बदले जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और पूर्वोत्तर क्षेत्र में किसी भी स्थान पर जाने के लिए एलटीसी के हकदार हैं, जो एम्े पलॉई एयर ट्रैवल के हकदार नहीं हैं, उन्हें भी इन क्षेत्रों के लिए किसी भी एयरलाइन की इकोनॉमी क्लास में यात्रा की अनुमति दी गई है। आदेश के मुताबिक सरकारी कर्मचारी जो हवाई यात्रा के लिए इलिजिबल हैं, वे अपने हेडक्वार्टर से हकदार श्रेणी में फ्लाइट बुक कर सकते हैं। गैर-हकदार कर्मचारी कुछ खास रूट्स पर इकोनॉमी क्लास में हवाई यात्रा कर सकेंगे। इन रुट्स में कोलकाता, गुवाहाटी और पूर्वोतर क्षेत्र में किसी भी स्थान के बीच कोलकाता, चेन्नई, विशाखापत्तनम और पोर्ट ब्लेयर के बीच तथा दिल्ली, अमृतसर और जम्मू-कश्मीर, लद्दाख के किसी भी स्थान के बीच के रूट शामिल हैं।

लेनदेन शुल्क लगा तो 75 प्रतिशत उपयोगकर्ता यूपीआई बंद कर देंगे: सर्वे

- सर्वे में 308 जिलों से 42,000 प्रतिक्रियाएं मिली

नई दिल्ली ।

यूपीआई सेवा पर यदि लेनदेन शुल्क लगाया जाता है, तो 75 प्रतिशत उपयोगकर्ता इसका उपयोग करना बंद कर देंगे। हाल ही में जारी किए गए एक सर्वेक्षण में यह निष्कर्ष निकाला गया है। सर्वेक्षण के अनुसार 38 प्रतिशत उपयोगकर्ता अपना 50 प्रतिशत भुगतान लेनदेन डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड या किसी अन्य प्रकार के डिजिटल माध्यम के बजाय यूपीआई के जरिये करते हैं। सर्वे कहता है कि सिर्फ 22 प्रतिशत यूपीआई उपयोगकर्ता भुगतान पर लेनदेन शुल्क का बोझ उठाने को तैयार हैं। वहीं 75 प्रतिशत लोगों ने कहा कि अगर लेनदेन शुल्क लगाया जाता है, तो वे यूपीआई का उपयोग करना बंद कर देंगे। यह सर्वे तीन व्यापक क्षेत्रों पर किया गया है। इसमें 308 जिलों से 42,000 प्रतिक्रियाएं मिली हैं। हालांकि प्रत्येक प्रत्येक प्रश्न पर उत्तरों की संख्या अलग-अलग थी। यूपीआई पर लेनदेन शुल्क से संबंधित प्रश्न को लेकर 15,598 प्रतिक्रियाएं प्राप्त हुईं। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) ने 2023-24 में इससे पिछले वित्त वर्ष की तुलना में लेन-देन की मात्रा में रिकॉर्ड 57 प्रतिशत और मूल्य में 44 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। पहली बार किसी वित्त वर्ष में यूपीआई लेन-देन 100 अरब को पार कर गया है। यह 2023-24 में 131 अरब रहा, जबकि 2022-23 में यह 84 अरब था। रिपोर्ट में कहा गया है कि मूल्य के लिहाज से यह 1,39,100 अरब रुपये से बढ़कर 1,99,890 अरब रुपये पर पहुंच गया है। सर्वे के अनुसार 37 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने मूल्य के लिहाज से अपने कुल भुगतान के 50 प्रतिशत से अधिक के लिए यूपीआई लेन-देन खातों को साझा किया। सर्वेक्षण रिपोर्ट में कहा गया है कि यूपीआई तेजी से 10 में से चार उपभोक्ताओं के भुगतान का अभिन्न अंग बन रहा है। इसलिए किसी भी तरह का प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष लेनदेन शुल्क लगाए जाने का कड़ा विरोध हो रहा है। लोकल सर्किल्स इस सर्वेक्षण के निष्कर्षों को वित्त मंत्रालय और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के साथ आगे बढ़ाएगा, ताकि किसी भी एमडीआर शुल्क की अनुमति देने से पहले यूपीआई उपयोगकर्ता की नब्ज को ध्यान में रखा जा सके। यह सर्वे 15 जुलाई से 20 सितंबर के बीच ऑनलाइन आयोजित किया गया था।

रिलायंस फाउंडेशन महिलाओं की डिजिटल भागीदारी बढ़ाने वित्तीय सहायता करेगा

मुंबई । रिलायंस फाउंडेशन ने यह घोषणा की है कि वह अमेरिका के यूएसएआईडी और बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन (बीएमजीएफ) के साथ मिलकर वीमेन इन द डिजिटल इकॉनामी फंड (डब्लूआईडीईएफ) के तहत 10 मिलियन यूएस डॉलर की वित्तीय सहायता देगा। इस पहल का उद्देश्य भारत में महिलाओं को डिजिटल अर्थव्यवस्था में सशक्त बनाना और जेंडर डिजिटल डिवाइड को कम करना है। रिलायंस फाउंडेशन की निदेशक ईशा अंबानी ने कहा कि डब्लूआईडीईएफ वैश्विक सहयोग का एक ऐतिहासिक कदम है और हम इस पहल का हिस्सा बनकर गर्व महसूस कर रहे हैं। हम महिलाओं की आजीविका, आर्थिक सुरक्षा और तकनीक के माध्यम से सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यूएसएआईडी-इंडिया की एक्टिंग मिशन डायरेक्टर डॉ. अलेक्जेंड्रिया ह्यूर्टा ने इस साझेदारी को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका की यह साझेदारी लैंगिक डिजिटल अंतर को समाप्त करने में एक अहम कदम है। हम रिलायंस फाउंडेशन के साथ मिलकर लाखों महिलाओं को डिजिटल अर्थव्यवस्था का लाभ पहुंचाने और उनके उज्ज्वल भविष्य की दिशा में काम कर रहे हैं।

एफपीआई ने सितंबर में अब तक शेयर बाजार में किया 33,700 करोड़ का निवेश

नई दिल्ली । विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने इस महीने अब तक भारतीय शेयर बाजारों में लगभग 33,700 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इसकी मुख्य वजह अमेरिका में ब्याज दरों में कटौती और भारतीय बाजार की मजबूती है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों से पता चलता है कि यह इस साल अब तक एक महीने में भारतीय शेयरों में एफपीआई के निवेश का दूसरा सबसे बड़ा आंकड़ा है। इससे पहले मार्च में एफपीआई ने शेयर बाजार में 35,100 करोड़ रुपये का निवेश किया था। बाजार के जानकारों ने कहा कि आने वाले दिनों में एफपीआई की खरीदारी का सिलसिला जारी रहने की संभावना है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के मुताबिक विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने इस महीने 20 सितंबर तक शेयरों में 33,691 करोड़ रुपये का निवेश किया। इसके साथ ही इस साल अब तक शेयरों में उनका निवेश 76,572 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। जून से एफपीआई लगातार लिवाल रहे हैं। इससे पहले अप्रैल-मई में उन्होंने शेयरों से 34,252 करोड़ रुपये की राशि निकाली थी। सितंबर में अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दर में कटौती की उम्मीद के बीच एफपीआई लिवाल रहे हैं। 18 सितंबर को फेडरल रिजर्व द्वारा प्रमुख ब्याज दर में 0.50 प्रतिशत की कटौती के बाद एफपीआई ने और आक्रामक तरीके से लिवाली की है।

ब्यूटी गैराज प्रोफेशनल ने जमशेदपुर में एकता और टीम भावना को बढ़ावा दिया

जमशेदपुर : ब्यूटी गैराज प्रोफेशनल, प्रीमियम हेयर केयर उत्पादों में विशेषज्ञता रखने वाला एक प्रसिद्ध मेड-इन-इंडिया ब्रांड, बहुप्रतीक्षित डीसी लाउंज और आईडी सैलून के सॉकर मैच के लिए अपने समर्थन की घोषणा करते हुए रोमांचित है। को जमशेदपुर में होने वाला यह रोमांचक कार्यक्रम समुदाय, टीमवर्क और भारत में उभरते सैलून उद्योग का एक जीवंत उत्सव होने का वादा करता है। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री और श्रीमती अनन्या मित्तल, आईएएस - डिप्टी कमिश्नर, पूर्वी सिंहभूम का स्वागत किया जाएगा, जो इस अवसर को और भी गौरवान्वित करेगा।

ब्यूटी गैराज प्रोफेशनल में, हम सहयोग और समुदाय की शक्ति में विश्वास करते हैं। इस मैच का समर्थन करना सैलून और उसकी टीम का समर्थन करने का हमारा तरीका है, जिन्होंने हमारे उत्पादों पर भरोसा किया है। यह कार्यक्रम न केवल खेल भावना को बढ़ावा देता है बल्कि उद्योग के भीतर संबंधों को भी बढ़ावा देता है। हम जमशेदपुर और उसके बाहर सैलून व्यवसायों के लिए विकास और नवाचार को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। रवारिया ने वर्तमान व्यावसायिक परिदृश्य में इस तरह की पहलों के महत्व पर जोर देते हुए कहा, आज के प्रतिस्पर्धी माहौल में, सैलून मालिकों और कर्मचारियों को ऐसी गतिविधियों में शामिल होना चाहिए जो मनोबल को बढ़ाएँ और सामुदायिक संबंधों को मजबूत करें। हमारा लक्ष्य अधिक सक्रिय व्यावसायिक प्रथाओं को प्रोत्साहित करना है।

वैश्विक रुख, विदेशी निवेशकों की गतिविधियां तय करेगी शेयर बाजार की दिशा: विश्लेषक

रुपये की चाल और ब्रेंट क्रूड की कीमतों में उतार-चढ़ाव से भी बाजार की दिशा प्रभावित होगी

नई दिल्ली ।

इस सप्ताह घरेलू मोर्चे पर किसी प्रमुख घटनाक्रम के अभाव में घरेलू शेयर बाजारों की दिशा वैश्विक रुख और विदेशी निवेशकों की गतिविधियों से तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। उन्होंने कहा कि मासिक डेरिवेटिव अनुबंधों के निपटान की वजह से इस सप्ताह बाजार में कुछ उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व द्वारा प्रमुख ब्याज दरों में 0.50 प्रतिशत की कटौती के बाद पिछले सप्ताह स्थानीय शेयर बाजारों में रिकॉर्ड तेजी देखने को मिली। बाजार के जानकारों ने कहा कि ऐतिहासिक रूप से अमेरिका में ब्याज दरों में कटौती का उभरते बाजारों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है और भारत वैश्विक निवेशकों के बीच पसंदीदा गंतव्य बनकर उभरा है। उन्होंने कहा कि सप्ताह के दौरान विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने आक्रामक लिवाली की। अकेले शुक्रवार को ही एफआईआई ने भारतीय शेयर बाजारों में 14,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया। उन्होंने कहा कि इस सप्ताह बाजार को दिशा देने वाला कोई बड़ा संकेतक नहीं है। हालांकि, अमेरिका के वृहद आर्थिक आंकड़े बाजार के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। एफआईआई प्रवाह भारतीय शेयर बाजार के लिए एक महत्वपूर्ण कारक बना रहेगा, साथ ही घरेलू संस्थागत प्रवाह पर भी सभी की निगाह रहेगी। हालांकि, बाजार फिलहाल भू-राजनीतिक जोखिमों से प्रभावित नहीं दिख रहा है, लेकिन यह आगे बाजार के लिए बड़ा खतरा पैदा कर सकता है। डेरिवेटिव निपटान की वजह से बाजार में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। बाजार के एक अन्य विश्लेषक कहते हैं कि बाजार धीरे-धीरे ऊपर चढ़ रहा है। हमें उम्मीद है कि मजबूत एफआईआई प्रवाह, स्वस्थ घरेलू वृहद कारक और अमेरिकी अर्थव्यवस्था में मंदी के बारे में घटती चिंता के कारण इस सप्ताह भी इसकी सकारात्मक रफ्तार जारी रहेगी। विश्लेषकों का कहना है कि अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये की चाल और वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड की कीमतों में उतार-चढ़ाव से भी बाजार की दिशा प्रभावित होगी। उन्होंने कहा हालांकि फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की प्रमुख घटना पीछे रह गई है, लेकिन आगे भी बाजार की दिशा के लिए सभी का ध्यान अमेरिका पर रहेगा। इसके अलावा विदेशी कोषों के प्रवाह और कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव पर भी निवेशकों की निगाह रहेगी।

स्पाइसजेट ने क्यूआईपी को शेयर बेचकर जुटाए 3000 करोड़

- नया फंड एयरलाइन को बकाया चुकाने में मदद करेगा

नई दिल्ली। स्पाइसजेट ने क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईपी) को शेयर बेचकर 3,000 करोड़ रुपये जुटाए हैं। इससे कर्ज संकट से जूझ रही एयरलाइन को मदद मिली है। सोसाइटी जनरल- ओडीआई, गोल्डमैन सैक्स (सिंगापुर) पीटीई-ओडीआई, नोमुरा सिंगापुर लिमिटेड ओडीआई और डिस्कवरी ग्लोबल ऑपर्चुनिटी (मॉरीशस) लिमिटेड विदेशी संस्थाएं उन निवेशकों में शामिल हैं। इन्हें एयरलाइन के योग्य संस्थागत प्लेसमेंट (क्यूआईपी) के तहत शेयर आवंटित किए गए हैं। एक नियामक फाइलिंग के अनुसार एयरलाइन की फंड जुटाने वाली समिति ने 20 सितंबर को 80 से अधिक क्यूआईपी प्रतिभागियों को 61.60 रुपये प्रति शेयर की कीमत पर 48.70 करोड़ से अधिक शेयर आवंटित करने को मंजूरी दी। कुल मिलाकर 3,000 करोड़ रुपये की सिक्योरिटीज जारी की गई हैं। शनिवार को बीएसई को दी गई फाइलिंग में कहा गया है कि इश्यू में इक्विटी शेयरों के आवंटन के बाद कंपनी की पेडअप इक्विटी शेयर कैपिटल 7,94,67,27,170 रुपये से बढ़कर 12,81,68,57,030 रुपये हो गई है, जिसमें 1,28,16,85,703 इक्विटी शेयर शामिल हैं। 19 वर्षों से उड़ान भर रही स्पाइसजेट कई चुनौतियों का सामना कर रही है और नया फंड जुटाने से एयरलाइन को विभिन्न बकाया चुकाने में मदद मिलेगी। इस पैसे का उपयोग विमान और इंजन लीज पर देने वालों, इंजीनियरिंग वेंडर्स और फाइनेंसर्स सहित लेनदारों की देनदारियों के निपटान के लिए किया जाएगा। पांच आवंटियों को क्यूआईपी में पेश किए गए शेयरों में से प्रत्येक को पांच प्रतिशत से अधिक प्राप्त हुआ है। इससे पहले, सूत्रों ने कहा था कि स्पाइसजेट के प्रमोटर अजय सिंह एयरलाइन में 10 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी बेच सकते हैं। इश्यू के बाद शेयरहोल्डिंग पैटर्न में आए बदलाव के बारे में बीएसई को कुछ समय बताया जाएगा। इस फंडिंग से स्पाइसजेट को निकट भविष्य में मदद मिलेगी।

चीन में एक पूरी तरह से ऑटोमेटिक हायड्रोजन वाली ट्रेन विश्व भर के निर्माताओं की एक प्रदर्शनी में पेश की गयी।

अडानी पोर्ट्स का मार्केट कैप बढ़कर 3.10 लाख करोड़ हुआ

नई दिल्ली । ब्रोकरेज फर्म मोतीलाल ओसवाल अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन के शेयरों पर बुलिश दिखाई दे रही है। शुक्रवार को ये शेयर 2.16 फीसदी की तेजी के साथ 1438 रुपये के स्तर पर बंद हुआ। शेयरों में आई तेजी की वजह से कंपनी का मार्केट कैप अपने ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया। अडानी पोर्ट्स एंड इकोनॉमिक जोन का मार्केट कैप बढ़कर 3.10 लाख करोड़ रुपये हो गया। आपको बता दें कि ये स्टॉक अभी भी अपने 52 वीक के हाई से करीब 200 रुपये पीछे है। शेयर का 52 हफ्तों का हाई 1607 रुपये है। ब्रोकरेज फर्म मोतीलाल ओसवाल ने कंपनी के शेयरों पर भरोसा जताया है। ब्रोकरेज ने इसे बाय रेटिंग दी है। मोतीलाल ओसवाल ने इसे 1850 रुपये का टारगेट प्राइस दिया है जो इसके 52 हफ्तों के हाई से कहीं ज्यादा है और अभी की कीमत से करीब 29 फीसदी अधिक है। यानी अभी के स्तर पर अगर निवेश किया जाए और मोतीलाल ओसवाल की भविष्यवाणी अगर सही हो तो हर स्टॉक पर आपको 400 रुपये से ज्यादा का फायदा हो सकता है। अडानी पोर्ट्स के शेयरों ने पिछले 6 महीने में 14 फीसदी से अधिक का रिटर्न दिया है। वहीं इस साल अभी तक यह शेयर 38 फीसदी से अधिक ऊपर गया है। बीते एक साल में इस शेयर ने 74 फीसदी का रिटर्न दिया है।

सरकारी डॉक्टरों की रिटायरमेंट उम्र बढ़ाने की जरूरत

आर.के. सिन्हा

अमेरिका और यूरोप के देशों में शोध कार्यों से जुड़े डॉक्टर जीवन भर सेवा में रहते हैं। जब यह व्यवस्था अन्य देशों में हो सकती है तो फिर भारत में क्यों नहीं। भारत में तो अनुभवी डॉक्टरों की हमेशा ही मांग बनी रहती है। भारत के लिए अपने डॉक्टरों के लिए सेवानिवृत्ति की आयु की समीक्षा करने का समय आ गया है।

भारत अपने नागरिकों को सेहतमंद रखने के लिए तुरंत एक अहम कदम यह उठा सकता है कि वह केन्द्र और राज्य सरकारों की सेवाओं से जुड़े हुए सरकारी डॉक्टरों की रिटायरमेंट की उम्र को बढ़ा दे। पिछले कुछ दशकों में भारतीयों की औसत उम्र में भी लगातार सुधार हो रहा है। भारत ने स्वास्थ्य सेवा, प्रौद्योगिकी और जीवन स्तर में महत्वपूर्ण प्रगति की है। भारत में औसत उम्र का दर 1950 में लगभग 37 वर्ष से बढ़कर अब लगभग 70 वर्ष की हो गई है। हालांकि, डॉक्टरों की रिटायरमेंट की आयु इन परिवर्तनों के साथ तालमेल नहीं बैठ पाई है। डॉक्टरों की सेवानिवृत्ति की आयु 65 वर्ष कर दी गई है, पर इसे और बढ़ाने की गुंजाइश है, क्योंकि सरकारी अस्पतालों में अनुभवी डॉक्टरों की कमी है। वक्त का तकाजा है कि डॉक्टरों की रिटायरमेंट की उम्र को 70 वर्ष तक कर दिया जाए। आपको देश भर में हजारों अनुभवी डॉक्टर मिल जाएंगे जो 70 साल तो छोड़िए 75 और उससे भी अधिक उम्र में प्रैक्टिस कर रहे हैं। राजधानी के राम मनोहर लोहिया अस्पताल से जुड़े हुए हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. आर.के. करौली तो 90 साल की उम्र तक रोगियों को रोज चार- पांच घंटों तक देखा करते थे। वे नेहरू जी से लेकर शास्त्री जी के भी चिकित्सक थे। मुंबई में भी 80 से ज्यादा वसंत देखने के बाद भी मशहूर डॉक्टर डॉ. बी.के. गोयल एक्टिव थे। इस तरह के सैकड़ों उदाहरण आपको मिल सकते हैं।

भारत में आने वाले सालों में अनेकों नए मेडिकल कॉलेज स्थापित होने जा रहे हैं। सरकार की कोशिश है कि हर साल देश के विभिन्न मेडिकल कॉलेजों से 50 हजार से ज्यादा डॉक्टर देश को मिलें। इनके अलावा वे डॉक्टर भी हैं जो भारत के बाहर जाकर मेडिसन की डिग्री लेकर आते हैं। आप मान सकते हैं कि देश के हेल्थ सेक्टर में डॉक्टरों की संख्या में वृद्धि लगातार होती रहेगी। इस बात को ध्यान में रखते हुए यह भी सुनिश्चित करना होगा कि अनुभवी और वरिष्ठ डॉक्टरों के अनुभव का लाभ देश के हेल्थ सेक्टर को मिलता रहे। यह बात इसलिए कही जा रही है, क्योंकि अनुभव का कोई विकल्प नहीं हो सकता है। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के पूर्व अध्यक्ष डॉ. विनय अग्रवाल मानते हैं कि सरकारी डॉक्टरों की सेवानिवृत्ति की आयु बढ़ाकर 70 करने से न केवल अनुभवी डॉक्टरों की कमी दूर होगी, बल्कि; युवा चिकित्सकों को जरूरी मार्गदर्शन भी मिलता रहेगा।

दरअसल मेडिसन की दुनिया में अनुभव का बहुत अधिक महत्व होता है। यहां पर जब कोई नौजवान मेडिकल कॉलेज में दाखिला लेता है, उसके बाद वह अपने अध्यापकों के अलावा वरिष्ठ और अनुभवी डॉक्टरों के संपर्क में लगातार रहता है मार्गदर्शन के लिए। इसलिए बहुत जरूरी है कि वरिष्ठ डॉक्टरों के अनुभव का लंबे समय तक लाभ उन्हें मिलता रहे जो इस पेशे में आ रहे हैं। वरिष्ठ डॉक्टरों के अनुभव और इस पेशे में आए नए डॉक्टर मिल-जुलकर मरीजों के रोगों के उपचार को बेहतर तरीके से कर सकते हैं। इस रोशनी में सरकारी डॉक्टरों की रिटायरमेंट उम्र को बढ़ाना एक जरूरी कदम हो सकता है। चूंकि डॉक्टर अपने स्वास्थ्य पर बहुत ध्यान देते हैं इसलिए वे 70 साल की उम्र तक तो पूरी तरह से काम करने लायक होते हैं।

क्या किसी को बताने की जरूरत है कि अब भी देश के ग्रामीण भागों में अनुभवी डॉक्टरों की भारी कमी है? ग्रामीण भारत की जनता बीमार होने पर बड़े शहरों के अस्पतालों में पहुंचती है। हर रोज राजधानी दिल्ली के एम्स, राम मनोहर लोहिया अस्पताल, लोक नायक जयप्रकाश अस्पताल, गंगा राम अस्पताल वगैरह में हजारों ग्रामीण दूर-दराज के राज्यों से इलाज के लिए पहुंचते हैं। अगर उनके गांवों के पास पर्याप्त डॉक्टर और श्रेष्ठ सुविधाएं उपलब्ध हों तो वे क्यों सैकड़ों मील चलकर दूर आयेंगे? सरकारी डॉक्टरों की उम्र बढ़ाने से गांवों में डॉक्टरों की कमी को कुछ हद तक पूर किया जा सकता है। ग्रामीण भारत में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में विशेषज्ञ डॉक्टरों की भारी कमी है। यह बहुत चिंताजनक स्थिति है। इस समस्या का एक हल यह भी है कि रिटायरमेंट की आयु बढ़ने से वहां पर तैनात डॉक्टरों को सेवा करने का मौका मिलता रहेगा। डॉ. विनय अग्रवाल कहते हैं कि देश के ग्रामीण भागों में सर्जनों, प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञों, फिजीशियनों और बाल रोग विशेषज्ञों की मांग को भी पूरा करने की जरूरत है। डॉक्टरों का सेवा विस्तार करने से गांवों में विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी को एक हद तक तो दूर किया ही जा सकता है।

वरिष्ठ डॉक्टर अक्सर हेल्थ सेक्टर मैनेजमेंट और नीति निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उनका सेवा विस्तार करने से उनकी विशेषज्ञता का उपयोग नीतियों को आकार देने और अस्पताल प्रबंधन को बेहतर बनाने में किया जा सकेगा। जैसा कि ऊपर कहा गया कि जब भारत में डॉक्टरों के लिए सेवानिवृत्ति की आयु निर्धारित की, तो हिन्दुस्तानियों की औसत उम्र काफी कम थी। 1950 और 1960 के दशक में, जब औसत उम्र कम थी, तो 55 वर्ष की सेवानिवृत्ति की आयु उचित मानी जाती थी। 1970 के दशक में बढ़कर 58 वर्ष हुई, और फिर 1990 के दशक में 60 वर्ष हुआ। 2017 में केंद्र सरकार के डॉक्टरों की सेवानिवृत्ति की आयु 65 वर्ष कर दी गई थी, ताकि अनुभवी चिकित्सा पेशेवरों को अधिक समय तक बनाए रखा जा सके। अब वक्त का तकाजा है कि केन्द्र और राज्य सरकारों के अस्पतालों से जुड़े डॉक्टरों की रिटायरमेंट की उम्र को बढ़ाया जाए।

अमेरिका और यूरोप के देशों में शोध कार्यों से जुड़े डॉक्टर जीवन भर सेवा में रहते हैं। जब यह व्यवस्था अन्य देशों में हो सकती है तो फिर भारत में क्यों नहीं। भारत में तो अनुभवी डॉक्टरों की हमेशा ही मांग बनी रहती है। भारत के लिए अपने डॉक्टरों के लिए सेवानिवृत्ति की आयु की समीक्षा करने का समय आ गया है। उम्मीद करनी चाहिए कि इस लिहाज से सरकार जल्दी कोई फैसला लेगी।

(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं)

संपादकीय

नेतृत्व में शामिल हम

अमेरिका के डेलावेयर में चल रही क्वाड़ नेताओं की बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शिरकत कर रहे हैं। क्वाड़ यानी चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद, जिसमें ऑस्ट्रेलिया, भारत, अमेरिका और जापान शामिल हैं। मोदी ने कहा, हम ऐसे समय बैठक कर रहे हैं, जब दुनिया तनाव और संघर्षों से घिरी हुई है। ऐसे में साझा लोकतांत्रिक मूल्यों के आधार पर क्वाड़ का मिल कर साथ चलना, मानवता के लिए बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि हम किसी के खिलाफ नहीं हैं। हम सभी कानून पर आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था, संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंड़ता के सम्मान और सभी मामलों के शांतिपूर्ण तरीकों से नतीजे निकालने का समर्थन करते हैं। इस दरम्यान वे अन्य विश्व नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकें भी कर रहे हैं। इसके साथ ही न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा में भी भाग लेंगे। क्वाड़ के गठन को भारत-प्रशांत क्षेत्र में चीन के दबदबे को कम करने वाला संगठन माना जाता है। क्वाड़ जैसे समूह की जरूरत 2004 में आई सुनामी के बाद महसूस हुई थी। उस वक्त भारत ने अपने पड़ोसी मुल्कों की मदद अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान के साथ मिलकर की थी। जापान के तबके प्रधानमंत्री शिंजो आबे को 2007 में इसकी नींव रखने का श्रेय दिया जाता है। क्वाड़ नेताओं के साझा बयान में पूर्वी और दक्षिण चीन सागर चिंता जताई गई थी। हैरत की बात है कि इस पर चीन की तरफ से कोई प्रक्रिया नहीं आई। क्वाड़ नेताओं का मानना कि वे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार करेंगे। इसे समावेशी, कुशल, पारदर्शी, लोकतांत्रिक और जबावदेह बनाने की भी बात की जो स्पष्ट रूप से भारत के पक्ष में नजर आती है। आतंकवाद और हिंसा की आलोचना करते हुए इन नेताओं ने सीमापार आतंक और मुंबई-पठानकोट के आतंकी हमलों की निंदा भी की। इन देशों के साथ रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी को आगे बढ़ाने और रक्षा, व्यापार, निवेश, शिक्षा एवं अनुसंधान पर सहयोग की चर्चा भी शामिल है। स्पष्ट है कि अमेरिकी रणनीति पाकिस्तान को हाशिए पर करने की नजर आ रही है। चीन और रूस को वे चुनौती की तरह देख रहे हैं, ऐसे में भारत का महत्त्व बढ़ रहा है। भारत-अमेरिका के दरम्यान हो रहा कारोबार दो सौ बिलियन ड़ॉलर तक पहुंचने वाला है। उम्मीद की जा सकती है कि रक्षा, तकनीकी और इंफ्रास्ट्रक्चर से लेकर आपदा राहत, साइबर सुरक्षा और टेलीकम्युनिकेशन जैसे क्षेत्रों में आपसी सहयोग को उत्सुक मोदी की यह दूरदर्शिता जल्द ही नतीजों के रूप में सामने होगी।

हमारी विनाश सामग्री हमारी ही जेब में ?

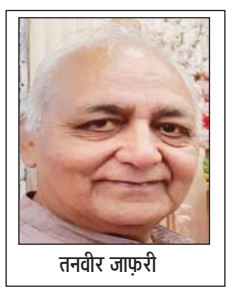

तनवीर जाफ़री

जब से मोबाईल फोन प्रचलन में आया है तब से देश में ऐसे सैकड़ों हादसों की खबरें आईं जिनसे पता चला कि मोबाइल फोन में ब्लॉस्ट हो गया। कभी उनकी बैटरी ओवर हीट होकर फट गयी तो कभी चार्जिंग में लगे सेलफोन में विस्फोट गया। याद कीजिये किसी समय में विश्व की सबसे बड़ी मोबाईल निमार्ता कम्पनी मानी जाने वाली नोकिया को अपने मोबाईल में होने वाले विस्फोट की घटनाओं के चलते 2007 में अपने BL-5C मोबाइल फोन मॉडल की 46 मिलियन बैटरियों को वापस मंगाना पड़ा था। मोबाईल फोन फटने की इन घटनाओं में अनेक लोगों के बुरी तरह से घायल होने यहाँ तक कि दर्जनों लोगों की मौत होने तक की खबरें आई थीं। केरल में त्रिशूर जिले के तिरुविल्वमला में ,राजस्थान के बांसवाड़ा जिले में उत्तर प्रदेश के बरेली मेरठ व फरुर्खाबाद में, आंध्रप्रदेश के प्रकाशम जिले तथा ओडिशा आदि स्थानों में ऐसे अनेक हादसे हुये जहाँ मोबाईल में हुये विस्फोट के कारण लोगों को अपनी जानें तक गंवानी पड़ीं। इसी तरह पिछली रिकार्ड तोड़ गर्मी के दौरान बढ़ते तापमान के चलते अनेक एयर कन्डीशन के कम्प्रेसर फटने यहाँ तक कि इन विस्फोटों के परिणामस्वरूप घरों में आग लगने तक की खबरें आईं।

इसके बाद 2017 में कोरियन स्मार्टफोन कंपनी सैमसंग ने अपने जिस फ़्लैगशिप स्मार्टफोन गैलेक्सी नोट 7 को लॉन्च किया था उसकी लांचिंग के केवल दो सप्ताह बाद ही इस मोबाईल में चार्जिंग के दौरान विस्फोट की शिकायत के कारण कंपनी ने इसकी बिक्री पर रोक लगा दी थी। बाद में गैलेक्सी नोट 7एस खरीद चुके नए स्मार्टफोन को कम्पनी ने बिना शर्त बदलने का निर्देश दिया। उसके साथ ही कम्पनी द्वारा दुनियाभर से गैलेक्सी नोट 7 वापस मांगे लिये गये। उस समय भारत में सैमसंग गैलेक्सी नोट 7 का मूल्य 59,900 रुपये था।

परन्तु इन सब दहशत पूर्ण घटनाओं के बावजूद जनमानस में भय व अविश्वास का ऐसा वातावरण कभी नहीं बना जैसा पिछले दिनों इस्त्राइल द्वारा छल कपट द्वारा लेबनान के विभिन्न शहरों में एक साथ अंजाम दिये गये पेजर व वॉकी टॉकी में हुये धमाकों और इनके परिणाम स्वरूप होने वाली तबाही के बाद उत्पन्न हुआ है। इन धमाकों में दर्जनों लोगों के मरने व तीन हजार से अधिक लोगों के घायल होने की खबरें हैं। पहले तो यह खबर थी कि लेबनान में धमाके से फटने वाले पेजर को ताइवान की इलेक्ट्रॉनिक कंपनी गोल्ड अपोलो द्वारा बनाया गया था। जबकि गोल्ड अपोलो ने इस पेजर को बनाने से साफ इनकार कर रही है। गोल्ड अपोलो कंपनी, हंगरी की एक कंपनी को इसके निर्माण का जिम्मेदार बता रही है। गोल्ड अपोलो का दावा है कि लेबनान में एक साथ फटने वाले AR-924 पेजर का निर्माण बुडापेस्ट स्थित BAC कंसल्टिंग KFT ने किया था। जोकि एक सहयोग समझौते के तहत बीएसी लेबनान और सीरिया में पेजर की बिक्री के लिए गोल्ड अपोलो ब्रांड के ट्रेडमार्क का इस्तेमाल कर सकती है। परन्तु इसके निर्माण के लिए बीएसी ही जिम्मेदार है गोल्ड अपोलो नहीं। परन्तु हंगरी के अधिकारियों ने भी गोल्ड अपोलो के बयान को खारिज करते हुए कहा कि बुडापेस्ट में मौजूद कंपनी एक व्यापारिक मध्यस्थ है। वहां पर इसका कोई भी उत्पादन यूनिट नहीं है। फिर सवाल यह है कि आखिर लेबनान में फटने वाले पेजर का निर्माण किसने किया ?

पूरे विश्व को हतप्रभ कर देने वाले इस पूरे घटनाक्रम को लेकर यदि न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट को सच माना जाये तो लेबनॉन में विस्फोट होने वाले पेजर व वाकी टाकी के निर्माण से लेकर इसके विस्फोट तक में इस्त्राईली खुफिया एजेंसी मोसाद की ही भूमिका है। अज्ञात स्त्रोतों के हवाले से न्यूयॉर्क टाइम्स ने कहा कि इस्त्राईल ने पेजर के अंदर बम छिपाए और इसमें एक स्विच जोड़ा, जिसका प्रयोग बाद में उन्हें दूर से विस्फोट करने के लिए किया गया। मोसाद की ही खड़ी की गयी फर्जी कंपनी से ये हैंडसेट खरीदे भी गये थे। मोसाद ने ही ऐसा जाल बिछाया कि उसने लेबनान से पैसे लेकर उन्हें पेजर और वॉकी-टॉकी सेट बेचे और उन्हीं के द्वारा हिज्बुल्लाह के कई लड़ाकों को मार भी दिया। यानी पूरी चतुराई के साथ मारने वाले बम रुपी उपकरण को बनाने का मूल्य भी वसूल किया और उनका विस्फोट कर हत्याएं अंजाम देने का अपना लक्ष्य भी पूरा किया। और इससे भी बड़ी सफलता इस्त्राईल को तब मिली जब हिज्बुल्लाह ने भयवश पेजर और वाकी टॉकी जैसे इलेक्ट्रानिक उपकरण इस्तेमाल करना ही बंद कर दिया। गौर तलब है कि लोकेशन ट्रेस होने के भय से हिज्बुल्लाह पहले ही मोबाईल के इस्तेमाल बंद कर चुका है। ऐसे में इलेक्ट्रानिक व साइबर तकनीक पर आधारित होते जा रहे दौर में अपनाई जा रही वर्तमान आधुनिक रणनीति में हिज्बुल्लाह इस्त्राईली छल कपट का सामना कैसे कर सकेगा ?

इस घटना ने पूरे विश्व को यह भी सोचने को मजबूर कर दिया है कि क्या इलेक्ट्रानिक उपकरण पर आश्रित हो चुकी इस दुनिया का भविष्य भी अब मोसाद जैसी एजेंसियों के हाथों में जा चुका है ? याद कीजिये इस्त्राईली साइबर-आर्म्स कंपनी एनएसओ ग्रुप द्वारा विकसित पैगसेस जैसा खतरनाक स्पाइवेयर जिसे आईओएस और एंड्रॉइड चलाने वाले मोबाइल फोन पर गुप्त रूप से और दूर से इंस्टॉल करने के लिए डिजाइन किया गया है। इस पैगसेस स्पाइवेयर ने कुछ समय पूर्व भारत में भी तहलका मचा दिया था। ऐसे में यह सवाल उठना लाजमी है कि क्या सायबर तकनीक व इलेक्ट्रानिक उपकरण का इस्तेमाल करने वाले लोगों की जान,उनकी गोपनीयता यहाँ तक कि उनके व्यवसाय उनकी जमापूंजी सब कुछ खतरे में आ चुकी है ? इस बात की क्या गारंटी है कि इसी तकनीक का दुरूपयोग कर या हैकिंग के द्वारा भविष्य में इसका इस्तेमाल किसी विमान में या जलपोत में नहीं होगा ? आज जब लगभग पूरी दुनिया की लोकेशन सार्वजनिक हो चुकी है ऐसे में किसी के द्वारा किसी को भी निशाना बनाना असंभव नहीं रहा। मोसाद जैसी मानवता की दुश्मन कोई भी कपटी एजेंसी लेबनान में अपनाये गये तरीके से तो कहीं भी तबाही मचा सकती है। तो क्या आधुनिक विज्ञान के वर्तमान दौर में हम अपने विनाश की सामग्री अपनी ही जेब में लिये फिर रहे हैं ?

पर्वः एक बार फिर वही रोना

डॉ. रमेश ठाकुर

श्राद्ध पक्ष चल रहा है। इन दिनों गुजरे लोगों को याद करना और उन्हें मनपसंद भोजन बना कर खिलाने की परंपरा निभाई जाती है। मान्यताओं के मुताबिक स्वर्गीय तक भाजन कौओं द्वारा पहुंचाया जाता है। श्राद्धों में कौए परलोकी लोगों के वाहक बनते हैं। पर, कौए इन्हीं दिनों में दूर-दूर तक कहीं नहीं दिखाई पड़ते। श्राद्ध का भोजन लेकर लोग उनके आगमन का लंबा इंतजार करते रहते हैं। लेकिन वो नहीं आते। हों तो ही आए न? हैं ही नहीं? जबकि श्राद्ध में भोजन उन्हीं को ध्यान में रख कर तैयार किया जाता है। जाहिर है जब कौए ही नहीं होंगे, तो श्राद्ध की मान्यताएं भला कैसी पूरी होंगी? हमेशा से होता आया है कि श्राद्ध में पितरों का भोजन जब तक कौए न खाएं, श्राद्ध की मान्यताएं पूरी नहीं होतीं। कौए आएंगे, खाना चुगेंगे और पितरों तक पहुंचाएंगे, लेकिन कौवे नहीं आते? ग्रामीण क्षेत्रों में अब भी कहीं-कहीं दिख जाते हैं, लेकिन शहरों से कौवे पूरी तरह से गायब हो चुके हैं।

प्राचीन परंपराओं के अनुसार श्राद्धों से कौवों का सीधा संबंध होता है। पौराणिक बातों में यह बात सिद्ध है कि श्राद्धों में जो व्यंजन बनते हैं, उन्हें पितरों तक कौए ही पहुंचाते हैं। श्राद्ध में लोग अपने पितरों को भोजन कराने के लिए घरों के छतों, खेतों, चौक-चौहराओं पर रखते हैं, और कौओं के आने का इंतजार करते हैं। श्राद्ध का खाना कौआ खा ले, तो समझा जाता है कि श्राद्ध की आस्था पूरी हुई। कौओं की संख्या लगातार कम होने से उनकी जबह अब गली-मौहल्ले के आवारा कुत्तेङ्क भेड़-बकरी आदि जानवर श्राद्धों के भोजन पर झपट्टा मारते देखे जाते हैं। कौए नहीं आते तो लोग मजबूरन इन्हीं को कौवो का प्रतिरूप मान कर मन को समझा लेते हैं क्योंकि इसके सिवा कोई विकल्प भी नहीं। दूषित पर्यावरण के चलते विलुप्त होती प्रजातियों में कौए भी शामिल हैं। एक वक्त था, जब घरों के आंगन और मुंडेरों पर कौओं की बहुतायत होती थी। उनकी मधुरई कांव-कांव की आवाजें सुनने को मिलती थीं। दरअसल, कौए हमेशा से अन्य पक्षियों के मुकाबले तुच्छ माने गए हैं। कौए का शरीर औषधि के तौर पर भी प्रयुक्त किया जाता है। कौए छोटे-छोटे जीव एवं अनेक प्रकार की गंदगी खाकर भी अपना पेट भर लेते हैं। श्राद्ध पक्ष में इस दुर्लभ पक्षी की भक्ति और विनम्रता से यथाशक्ति भोजन कराने की बात विष्णु पुराण में भी कही गई है। श्राद्धों में कौओं को खाना और पीपल को पानी पिला कर पितरों को तृप्त किया जाता है।

कौओं के संबंध में एक और दिलचस्त बात प्रचलित है। किसी के आगमन की सूचना भी इनकी चहलकदमी से जोड़ी जाती रही है। वक्त वह भी था जब परिवार की महिलाएं शगुन मान कर कौवा को मामा कह कर घर में बुलाया करती थीं, तो कभी उसकी बदलती हुई दिशा में कांव-कांव करने को अपशकुन मानते हुए उड़ जा कहके बला टालती थीं। घर की बहुएं भी कौए के जरिए अपने मायके से किसी के आने का संदेश पाती थीं। कौओं की तरह अब कई और बेजुबान पक्षियों की आबादी घट गई है। इसके पीछे मानवीय हिमाकत प्रत्यक्ष रूप से जिम्मेदार है। पक्षियों के रहने-खाने की सभी जगहों को नष्ट कर दिया गया है। उनके ठिकाने भी कच्चे घर हुआ करते थे, वे भी अब रौंद दिए गए हैं। पेड़ों पर भी इनका निवास होता था, वह भी लगातार काटे जा रहे हैं। समय ज्यादा दूर नहीं, जब श्राद्ध के अलावा किसी भी मौसम में कोई पक्षी नहीं दिखाई दिया करेगा। कॉर्नेल यूनिवर्सिटी के संरक्षक वैज्ञानिक केनेथ रोजेनबर्ग ने कहा भी है कि मोबाइल टावरों के रेडिएशन ने पक्षियों को खत्म करने में बड़ी भूमिका निभाई है विशेषकर कौए, तोते, गिद्ध, गोरिया जैसे अद्भुत पक्षियों को। समूची दुनिया में पक्षियों की आबादी लगभग एक तिहाई खत्म हो चुकी है। एक जमाना था, जब कहते थे कि किसी के माथे पर अचानक कोई कौआ आकर बैठ जाए तो अशुभ होता था। उस अशुभता को मिटाने के लिए अपने रिश्तेदारों में उस व्यक्ति के संबंध में मरने की झूठी खबर फैलाई जाती थी। फिर कुछ समय बाद उसी खबर को निराधार किया जाता था। कहा जाता था इस तरह से संभावित विपत्ति टल जाती है।

पहले देखने में आता था कि मरे हुए जानवरों को गिद्ध और कौए खा जाते थे, लेकिन अब उनके न होने से मृत जानवरों के शरीर सड़ते रहते हैं। दुर्गुध दूर-दूर तक फैली रहती है जिससे लोग संक्रमित भी हो जाते हैं। गंदगी को समेटने में गिद्धों, चीलों और कौओं का बड़ा योगदान होता था। कौए अब कितने बचे हैं, और कितने गायब हो गए हैं, इसका सटीक कारण किसी के पास नहीं है। पर्यावरणविद् के अलावा देश के अनगिनत पशु-पक्षी प्रेमी सालों से चिंता जता रहे हैं कि कौआ चील, गिद्ध, गौरैया, सारस के अलावा तमाम दुर्लभ किस्म के भारतीय पक्षी विलुप्त हो रहे हैं। लेकिन कोई भी इस ओर ध्यान नहीं देता। उसी का नतीजा है कि श्राद्धों में कौओं का इंतजार करना पड़ता है।

चिंतन-मनन

वाणी का शरीर पर प्रभाव

-प्रसन्नता से होता है शरीर पुष्ट एवं प्रोध से होती है हानी

मानव शरीर में अनेक ग्रंथियां होती हैं,पियूष ग्रंथि मस्तिष्क में होती है, उससे 12 प्रकार के रस निकलते है, जो भावनाओं से विशेष प्रभावित होती हैं। जब व्यक्ति प्रसन्नचित होता है, तो इन ग्रनथियों से विशेष प्रकार के रस बहने लगते है, जिससे शरीर पुष्ट होने लगता है, बुद्धि विकसित होती है, रक्त गति सामान्य रहती है। जब मनुष्य अधिक बोलता है, तो रक्त की गति अनावश्यक प्रभावित होती है। जिससे ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है,खून के थक्के बनने लगते है । इसी प्रकार प्रोध अधिक करने से खून का बहाव कम हो जाता है, खून जमने की शक्ति बढ़ जाने से मृत्यू भी संभव है। अपने जीवन में ज्यादा बोलना अभिशाप हो सकता है। अधिक बोलने से पाचन क्रिया पर गलत प्रभाव पड़ता है, शरीर की अधिक शक्ति खर्च होती है, पेट की माँसपेशियां खिचने लगती है, पाचन रस ग्रंथियों से नही निकलता, शरीर में विटामिन, खनिज तत्व एवं हार्मोन्स की कमी हो जाती हैं। शरीर रोगी हो जाता है, मानसिक दुर्बलता आ जाती है, स्वभाव चिड़चिड़ा हो जाता है, याददाश्त कमजोर हो जाती है, अतःवाणी का प्रभाव शरीर पर पड़ता है। हर प्राणी को अपना जीवन झूठा, बनावटी, जोर जोर से बोलने बाला ना बना कर शांत चित बनाना चाहिए ।

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ्र 09 पटना झ्र 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया ।सम्पादकः श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवार। मैनेजिंग एडिटरः डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादकः डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादकः तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।

द फैमिली मैन 3 में हुई जयदीप अहलावत की एंट्री?

राज और डीके द्वारा निर्मित द फैमिली मैन सबसे मनोरंजक जासूसी-एक्शन थ्रिलर में से एक है। इस सीरीज को पहले सीजन से ही पसंद किया जा रहा है। मनोज बाजपेयी की इस सीरीज में प्रियामणि, शारिब हाशमी और अन्य कलाकार भी हैं। निर्माताओं ने नागालैंड में इसके तीसरे सीजन की शूटिंग शुरू कर दी है।

एक रिपोर्ट के अनुसार जयदीप अहलावत द फैमिली मैन 3 सीरीज में एंट्री कर चुके हैं । एक सूत्र ने पोर्टल को मनोज बाजपेयी की सीरीज की स्टार कास्ट में जयदीप के शामिल होने की पुष्टि की है। पाताल लोक अभिनेता राज एंड डीके टीम के साथ चल रहे शूट शेड्यूल के लिए नागालैंड में हैं। हालांकि, द फैमिली मैन सीजन 3 में उनकी भूमिका के बारे में कोई जानकारी नहीं है। निर्माताओं ने उनके किरदार को गुप्त रखा है। सूत्र ने कहा कि दर्शक उम्मीद कर सकते हैं कि तीसरे सीजन में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण होगी और उनका किरदार उन्हें शो देखने के लिए उत्साहित करेगा। इस बीच, द फैमिली मैन में जेके तलपड़े की भूमिका निभाने वाले शारिब हाशमी ने अपने प्रशंसकों को सूचित करने के लिए एक्स का सहारा लिया कि उन्होंने आगामी सीजन की शूटिंग शुरू कर दी है। सीजन 3 के लिए एक प्रशंसक के ट्वीट पर प्रतिक्रिया देते हुए, शारिब ने ट्वीट किया, मैं भी!!! अभी शूटिंग चल रही है। इससे पहले, एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि राज और डीके द फैमिली मैन सीजन 4 को साइन करेंगे। एक सूत्र के हवाले से कहा गया था कि तीसरे सीजन की शूटिंग चल रही है, वहीं चौथे सीजन के साथ सीरीज को साइन करने के बारे में चर्चा हुई है। राज-डीके फिलहाल इस पर विचार कर रहे हैं, और अभी तक अंतिम निर्णय नहीं लिया है।

स्टॉर्मराइडर से जैकलीन ने संगीत की दुनिया में रखा पहला कदम

जैकलीन फर्नांडीज बॉलीवुड की प्रसिद्ध अभिनेत्री हैं। जैकलीन अभिनय से ज्यादा अपने डांस मूव्स के लिए प्रसिद्ध हैं। जैकलीन ने अपने पहले एकल स्टॉर्मराइडर के साथ संगीत की दुनिया में कदम रखा है, जिसमें उन्होंने गाने के माध्यम से अपने निजी जीवन के सफर को प्रदर्शित किया है। जैकलीन फर्नांडीज ने अपने बहुप्रतीक्षित डेब्यू सिंगल, स्टॉर्मराइडर की रिलीज के साथ एक बार फिर सुर्खियां बटोरी हैं। चिट्टियां कलाइयां, जुम्मे की रात और गेंदा फूल जैसे बॉलीवुड हिट गानों के लिए मशहूर जैकलीन ने दर्शकों का दिल हमेशा ही जीता है। उनके म्यूजिक वीडियो प्रशंसकों को बेहद पसंद आ रहा है और अब यह सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। जैकलीन ने इस गाने के जरिए सिंगर के रूप में संगीत की दुनिया में कदम रखा है। सितंबर का महीना जैकलीन के लिए यादगार साबित हुआ है, क्योंकि हाल ही में उन्होंने अपनी आने वाली हॉलीवुड फिल्म किल एम ऑल के ट्रेलर की रिलीज के साथ सुर्खियां बटोरीं। अब, अपनी अंतर्राष्ट्रीय सफलताओं में इजाफा करते हुए, उन्होंने स्टॉर्मराइडर के जरिए एक गायिका के रूप में अपनी शुरुआत की। जैकलीन का यह गाना अब सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। अमृता सेन, जेक जियोंग (फिसन), सरबन कैजन, फीनोम और एलेक्स विंटर द्वारा निर्मित, स्टॉर्मराइडर को बेवर्ली हिल्स के मिस्ट म्यूजिक स्टूडियो में रिकॉर्ड किया गया था। अमृता सेन और रॉबिन ग्रुबर्ट द्वारा लिखित यह ट्रैक सशक्तिकरण, स्वतंत्रता और लचीलेपन के विषयों के माध्यम से सभी का पसंदीदा बनता जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसर, एक इंटरव्यू के दौरान जैकलीन ने अपने संगीत अपने सफर के बारे में बताते हुए जैकलीन ने कहा, जब मैंने संगीत में कदम रखा, तो यह सिर्फ गाने बनाने के बारे में नहीं था यह मेरी कहानी, भावनाओं और सफर को व्यक्त करने के बारे में है। संगीत सिर्फ आवाज से कहीं बढ़कर है। यह जुड़ाव, लचीलापन और सशक्तिकरण के बारे में है। मैंने इस गाने पर लगभग एक साल बिताया है, वीडियो में अपने हर लुक को तैयार किया है और उसे देखा है और हर लुक दमदार है, जिसके पीछे गहरा अर्थ छिपा है।

करीना कपूर ने की शाहिद कपूर की तारीफ

करीना कपूर ने फिल्म इंडस्ट्री में 25 साल पूरे कर लिए हैं। इसका जश्न मनाने के लिए उनके नाम पर एक फिल्म फेस्टिवल की शुरूआत की गई है। 20 सितंबर से शुरू हुआ ये समारोह 27 सितंबर तक चलेगा, जिसमें करीना की कई फिल्मों को दिखाया जाएगा। इसी बीच, करीना कपूर ने एक हालिया साक्षात्कार में अपनी चर्चित फिल्म जब वी मेट को लेकर बातचीत की। बेबो की फिल्म जब वी मेट को रिलीज हुए 17 साल बीत चुके हैं। सोशल मीडिया पर इस फिल्म की अक्सर चर्चा होती रहती है। इसमें बेबो ने गीत का किरदार अदा किया था, जिसे लोग बहुत पंसद करते हैं। ब्रूट को दिए साक्षात्कार में करीना कपूर से इसी फिल्म को लेकर पूछा गया कि उन्हें इस फिल्म और गीत के किरदार में सबसे ज्यादा क्या पसंद है। अपने जवाब में करीना कपूर ने पलक झपकने से पहले कहा कि सब कुछ। करीना ने आगे कहा कि गीत एक महत्वाकांक्षी इंसान थी और हर कोई उसकी तरह जीना और बनना चाहता था। मालूम हो कि करीना का किरदार एक पंजाबी लड़की का होता है, जो एक दिन ट्रेन में आदित्य नाम के बिजनेसमैन से मिलती हैं, जिसके बाद उसकी जिंदगी बदल जाती है। जब वी मेट में शाहिद कपूर ने आदित्य का रोल किया था। करीना कपूर ने इस बातचीत में शाहिद की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि मैं उन्हें धन्यवाद देती हूं कि उन्होंने फिल्म में बढ़िया काम किया। उन्होंने आगे कहा कि वाकई में शाहिद के बिना फिल्म पूरी नहीं हो पाती। करीना ने यह भी कहा कि जब हाल ही में, उन्होंने जब वी मेट देखी तो लगा कि ये बड़ी खास फिल्म है। फिल्म 2007 में रिलीज हुई थी और हिट साबित हुई थी। इसके गानों को भी लोगों ने खूब पसंद किया था।

हनीमून फोटोग्राफर किरदार ने वास्तव में मुझे अपने पैरों पर खड़ा किया

आशा नेगी अभिनीत मर्डर मिस्ट्री सीरीज हनीमून फोटोग्राफर के निर्माताओं ने गुरुवार को इसका ट्रेलर जारी किया। ट्रेलर एक हनीमून गेटअवे के बारे में है, जो उस समय अराजकता में बदल जाता है जब दूल्हा समुद्र तट पर मृत पाया जाता है। छह-एपिसोड की श्रृंखला में आशा को अंबिका नाथ की भूमिका निभाते हुए दिखाया गया है, जो अधीर ईरानी (साहिल सलाथिया) और जोया ईरानी (अपेक्षा पोरवाल) के लिए एक हनीमून फोटोग्राफर हैं। यह यात्रा जल्दी ही एक बुरे सपने में बदल जाती है, जब अधीर समुद्र तट पर मृत पाया जाता है। अंबिका को पिछली रात की कोई याद नहीं है और अपने साथी रिहान (राजीव सिद्धार्थ) के लापता होने के कारण वह खुद को इस हत्या में मुख्य संदिग्ध पाती है। अंबिका का एकमात्र सहयोगी एल्विन (जेसन थाम) है, जो उसका दोस्त है और उसे निर्दोष साबित करने पर तुला हुआ है। अपने खुद के एजेंडे से प्रेरित होकर, पुलिसकर्मी दिव्या सावंत (संवेदना सुवालका) जांच का नेतृत्व करती है। आशा ने कहा, अपने करियर में मैंने कई भूमिकाएं निभाई हैं, लेकिन उनमें से ज्यादातर रोमांटिक और पारिवारिक रही हैं। मैंने हनीमून फ़ोटोग्राफर को एक ताजी हवा के झोंके के रूप में देखा, क्योंकि शो का आधार शीर्षक से आप जो अनुमान लगाते हैं, उससे बहुत अलग है। अंबिका एक बहुत ही बहुस्तरीय चरित्र है और जैसे-जैसे आप आगे बढ़ते हैं, आप वास्तव में उसे विकसित होते हुए देखते हैं। इस किरदार ने मुझे वाकई चौंका दिया। शो का अपना रोमांच है, जिसमें बिल्ली और चूहे का पीछा करना और हर किरदार अपने-अपने कारणों से विजयी होने की कोशिश करना शामिल है।

रेस 4 में साथ काम करेंगे सैफ अली खान और सिद्धार्थ मल्होत्रा!

लोकप्रिय रेस फ्रेंचाइजी की आगामी चौथी किस्त का प्रशंसक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। हाल ही में फिल्म के लेखक शिराज अहमद ने रेस 4 के बारे में कुछ दिलचस्प बातें बताईं। उन्होंने बताया कि फिल्म में पहली दो फिल्मों की कहानी को जारी रखा जाएगा और इसकी शूटिंग जनवरी 2025 में शुरू होगी। इस फिल्म का निर्माण रमेश तौरानी द्वारा किया जाएगा।

सिद्धार्थ भी निभाएंगी अहम भूमिका

शिराज अहमद ने ही पहली तीन रेस फिल्में भी लिखी थीं। अब उन्होंने पुष्टि की कि रेस 4 की पटकथा लगभग पूरी हो चुकी है और अधिकांश कलाकारों का चयन भी हो चुका है। सैफ अली खान पहली दो फिल्मों में मुख्य भूमिका में थे, वे अब इस फ्रेंचाइजी में भी वापसी करेंगे। खबर है कि सिद्धार्थ मल्होत्रा को भी एक महत्वपूर्ण भूमिका में लिया गया है। उन्होंने यह भी बताया है कि जनवरी 2025 में शूटिंग शुरू होगी। बाकी कलाकारों की घोषणा निर्माताओं और टिप्स फिल्म्स द्वारा उचित समय पर की जाएगी।

रेस 4 के निर्देशक का चुनाव बाकी

इस फ्रेंचाइजी की पहली दो फिल्मों का निर्देशन अब्बास-मस्तान ने किया था, जबकि तीसरी का निर्देशन रेमो डिसूजा ने किया था। इससे पहले ऐसी खबरें थीं कि निखिल आडवाणी को फिल्म का निर्देशन करने के लिए चुना गया है। हालांकि रेस 4 के लिए निर्देशक अभी तक तय नहीं हुआ है। पहली फिल्म में सैफ अली खान और अक्षय खन्ना प्रतिद्वंद्वी भाइयों की भूमिका में थे। फिल्म में बिपाशा बसु और कैटरीना कैफ भी थीं। दूसरी फिल्म में भी सैफ अली खान ने मुख्य भूमिका निभाई थी, लेकिन इसमें जॉन अब्राहम ने खलनायक का किरदार निभाया था।

'मानवत मर्डर्स' में रमाकांत एस कुलकर्णी की भूमिका निभाएंगे आशुतोष

सोनी लिव एक मनोरंजक क्राइम थ्रिलर सीरीज 'मानवत मर्डर्स' लेकर आ रही है। यह सीरीज 70 के दशक में देश को झकझोर देने वाली सबसे भयानक घटनाओं को दिखाएगी। आशीष बेंडे द्वारा निर्देशित इस शो में आशुतोष गोवारिकर मुख्य भूमिका में नजर आएंगे, जो प्रतिष्ठित सीआईडी जासूस रमाकांत एस कुलकर्णी की भूमिका अदा करेंगे, जिन्हें भारत के शेरलॉक होम्स के रूप में भी जाना जाता है।

दिल दहला देने वाली हत्याओं की गुत्थी सुलझाते दिखेंगे आशुतोष

इस सीरीज में गोवारिकर एक अनूठी भूमिका निभाते नजर आएंगे, जो शांत और संयमित होने के साथ-साथ अत्यधिक समझदार भी हैं। उनका किरदार इतिहास के कुछ सबसे जटिल मामलों को सुलझाते हुए नजर आएगा। यह सीरीज 1970 के दशक के दौरान ग्रामीण महाराष्ट्र में दिल दहला देने वाली विचित्र हत्याओं की एक सीरीज को सुलझाने के उनके प्रयासों को उजागर करेगी। आशुतोष गोवारिकर कहते हैं, 'मैं बेहद सौभाग्यशाली महसूस कर रहा हूं कि मुझे बॉम्बे सीआईडी के पुलिस अधिकारी रमाकांत एस. कुलकर्णी का किरदार निभाने के लिए चुना गया, जो आज दर्शकों के सामने पेश किए जाने के बिल्कुल हकदार हैं। उन्होंने कई ऐसे मामलों को सुलझाया जो अनसुलझे रह जाते, जिनमें कुख्यात मानवत हत्याएं भी शामिल हैं।'

एस कुलकर्णी के तौर तरीकों से होगा केस हल

गोवारिकर आगे कहते हैं कि उन्हें भारत के शेरलॉक होम्स के रूप में जाना जाता था। उनकी आत्मकथा, 'फुटप्रिंट्स ऑन द सैंड्स ऑफ क्राइम' ने उनके काम करने की प्रक्रिया, बारीकियां, संदिग्धों से निपटने और उनसे कबूल करवाने के तरीके और बहुत कुछ चौंकाने वाली जानकारी दी।

को-एक्टर्स के साथ काम करके खुश हैं गोवारिकर

आशुतोष गोवारिकर ने अपने को-एक्टर्स के बारे में कहते हैं, 'इस शो का एक और रोमांचक पहलू कई वर्षों के बाद मकरंद अनासपुरे और मेरी दो पसंदीदा अभिनेत्रियों सोनाली कुलकर्णी और साई ताम्हणकर के साथ काम करना था। उनके साथ काम करना अभिनय में क्रैश कोर्स की तरह था। मैं निर्देशक आशीष के साथ जुड़ने के लिए भी उत्साहित था।'

लव एंड के बाद इस फिल्म पर काम शुरू करेंगी आलिया

आलिया भट्ट की अगली फिल्म जिगरा जल्द ही सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। आलिया इन दिनों वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की फिल्म अल्फा की शूटिंग कर रही हैं। इसके बाद वह संजय लीला भंसाली की फिल्म लव एंड वॉर की शूटिंग शुरू करेंगी। लव एंड वॉर में उनके पति रणबीर कपूर और विक्की कौशल भी मुख्य भूमिका में हैं। इसी बीच खबर आई है कि आलिया ने लव एंड वॉर के बाद अपनी अगली स्क्रिप्ट चुन ली है जानकारी के अनुसार लव एंड वॉर के बाद आलिया एक लव स्टोरी में नजर आएंगी।

भारत ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप तालिका के शीर्ष पर अपनी स्थिति मजबूत की

दुबई (एजेंसी)। भारत ने बांग्लादेश पर 280 रन की जीत के साथ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (WTC) तालिका के शीर्ष पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली जबकि श्रीलंका ने गॉल में न्यूजीलैंड को हराकर लार्ड्स में अगले साल होने वाले फाइनल के लिए अपना दावा मजबूत किया। श्रीलंका अपने मौजूदा प्रतिद्वंद्वी न्यूजीलैंड को पछाड़कर तीसरे स्थान पर पहुंचा है। चेन्नई में जीत और 12 डब्ल्यूटीसी अंक के साथ भारत ने 71.67 प्रतिशत अंक के साथ तालिका के शीर्ष पर ऑस्ट्रेलिया (62.50 प्रतिशत अंक के साथ दूसरे स्थान पर) पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली।

पाकिस्तान के खिलाफ श्रृंखला 2-0 से जीतकर चौथे स्थान पर पहुंचा बांग्लादेश (39.29 प्रतिशत अंक) इस हार के बाद छठे स्थान पर खिसक गया है। बांग्लादेश ने चौथे दिन भारत के 515 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए चार विकेट पर 158 रन से आगे खेलना शुरू किया। कप्तान नजमुल हुसैन शंटो और शाकिब अल हसन ने कुछ देर हार को टाला लेकिन रविचंद्रन अश्विन और रविंद्र जडेजा की भारत की स्पिन जोड़ी ने मात्र 40 रन देकर शेष छह विकेट चटका दिए।

अश्विन को पहली पारी में शानदार शतक जड़ने और दूसरी पारी में छह विकेट लेने के लिए मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। गॉल में जीत के बाद तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंचे श्रीलंका के पास 2025 के फाइनल में जगह बनाने के लिए 2023 डब्ल्यूटीसी के फाइनलिस्ट भारत और ऑस्ट्रेलिया को चुनौती देने का सबसे अच्छा मौका है। गॉल में न्यूजीलैंड पर 63 रन की जीत श्रीलंका की आठ मैचों में चौथी जीत है जिससे उनके 50 प्रतिशत अंक हो गए हैं।

श्रीलंका की टीम मौजूदा चक्र में अब अधिकतम 69.23 प्रतिशत अंक हासिल कर सकती है जो उसे अगले साल लॉर्ड्स में होने वाले फाइनल में जगह दिलाने के लिए पर्याप्त होगा। टीम को इसके लिए न्यूजीलैंड को एक बार फिर हराना होगा और फिर दक्षिण अफ्रीका तथा ऑस्ट्रेलिया का सूपड़ा साफ करना होगा। भारत को डब्ल्यूटीसी चक्र में अभी नौ टेस्ट और खेलने हैं और उसकी नजरें लगातार तीसरी बार डब्ल्यूटीसी फाइनल में जगह बनाने पर टिकी हैं। भारत पिछले दो सत्र में उपविजेता रहा था जब उसे न्यूजीलैंड (2020) और ऑस्ट्रेलिया (2022) के खिलाफ फाइनल में हार झेलनी पड़ी।

रोहित शर्मा के नाम हुआ ये खास रिकॉर्ड, विराट कोहली और सौरव गांगुली भी नहीं कर पाए ऐसा

जॉर्जिया (एजेंसी)। बांग्लादेश के खिलाफ चेन्नई टेस्ट को जीतकर भारत ने कई रिकॉर्ड्स अपने नाम किए हैं। वहीं पिछले 12 सालों से घर पर सीरीज जीतने के सिलसिले को भी बरकरार रखा। इसी के साथ रोहित शर्मा के नाम एक ऐसा रिकॉर्ड दर्ज हो गया है जो आज तक कोई भारतीय नहीं कर पाया। विराट कोहली और सौरव गांगुली को अपनी कप्तानी के कार्यकाल में एक-एक बार ऐसा करने का मौका मिला था, मगर वह भी चूक गए थे।

चेन्नई टेस्ट में बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हुसैन शांतो ने टॉस जीतने के बाद भारत को पहले बैटिंग करने का न्यौता दिया था। टीम इंडिया ने अश्विन के शतक के दम पर 387 रन बोर्ड पर लगाए थे। इसके जवाब में मेहमान टीम पहली पारी में 149 रन पर ढेर हो गई थी। पहली पारी में भारत को 227 रनों की बढ़त मिली और टीम इंडिया ने दूसरी पारी 287 रनों पर घोषित कर दी। भारत बांग्लादेश के सामने जीत के लिए 515 रनों का टारगेट रखा था जिसके जवाब में मेहमान टीम 234 रनों पर ढेर हो गई। भारत ने 280 रनों से इस मुकाबले को अपने नाम किया।

भारतीय टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है जब घर पर खेलते हुए विपक्षी टीम ने टॉस जीता और भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए मैच जीता हो। इससे पहले 8 बार विपक्षी कप्तानों ने भारत को घर पर पहले बल्लेबाजी करने का न्योता दिया था लेकिन टीम एक बार भी जीत नहीं पाई।

भारत इस दौरान 2 बार हारा था, वहीं 6 मुकाबले ड्रॉ रहे थे। आखिरी बार 2017 में श्रीलंकाई कप्तान ने भारत को घर पर टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने का न्योता दिया था। कोहली की कप्तानी में भारत ने वो मुकाबला ड्रॉ खेला था। वहीं, गांगुली की कप्तानी में 2001 में ऐसा हुआ था और उस दौरान टीम ऑस्ट्रेलिया से हारी थी।

स्टार शटलर पीवी सिंधु को नए कोच की तलाश, रिटायमेंट नहीं बल्कि ये है भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी का अगला लक्ष्य

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय स्टार शटलर पीवी सिंधु पेरिस ओलंपिक में भले ही मेडल नहीं जीत पाई हों लेकिन उनका अगल लक्ष्य तय हो चुका है। दरअसल, सिंधु ने 2016 के रियो ओलंपिक में सिल्वर और 2021 के टोक्यो ओलंपिक में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। पेरिस ओलंपिक में पहली बार ऐसा हुआ जब पीवी सिंधु बिना मेडल के देश लौटीं। उनका सफर क्वार्टर फाइनल में ही खत्म हो गया। वहीं अब सिंधु को अपने नए कोच की तलाश है।

29 वर्षीय सिंधु लॉस एंजेलिस ओलंपिक तक 33 की हो जाएंगे। बैडमिंटन जैसे खेल में 33 की उम्र में ओलंपिक मेडल जीतना आसान नहीं होता। सिंधु का अगल ओलंपिक खेलना उनकी फिटनेस पर निर्भर करता है। हालांकि, उनका अगल लक्ष्य एशियन गेम्स 2026 है। वह इसके लिए नया कोच तलाश रही हैं और उन्होंने बेंगलुरु छोड़ हैदराबादा लौटने का फैसला भी किया है।

फिलहाल, पीवी सिंधु के पिता पीवी रमन ने इंडिया एक्सप्रेस को बताया कि उनकी बेटी अब कुछ समय तक अनूप श्रीधर के साथ ट्रेनिंग करेंगी। साथ ही उन्होंने बताया कि, सिंधु ट्रेनिंग के लिए हैदराबाद के गाचीबावली स्टेडियम लौट आई हैं। अभी कोई कैंप नहीं चल रहे हैं इसलिए हैदराबाद में ट्रेनिंग शुरू कर दी है। वह सीजन के शुरुआत अर्कटिक ओपन से करेगी।

चेन्नई टेस्ट : क्या है ब्लैक स्ट्रैप तकनीक, शाकिब अल हसन ने किया था उपयोग

चेन्नई (तमिलनाडु) (एजेंसी)। चेन्नई टेस्ट के दौरान बांग्लादेश के पूर्व कप्तान शाकिब अल हसन को बल्लेबाजी करते समय अपनी गर्दन पर लिपटी ब्लैक स्ट्रैप को दांतों में दबाव हुए देखा गया। यह क्रीज पर रहते हुए सिर की सही स्थिति बनाए रखने के उनके प्रयास का हिस्सा था। शाकिब के गुरु मोहम्मद सलाहुद्दीन और बीसीबी के मुख्य चिकित्सक डॉ. देबाशीष चौधरी ने बताया कि गेंद खेलते समय अपने सिर को गिरने से बचाने के लिए शाकिब ने खुद ही यह तंत्र तैयार किया था। पहले उन्होंने इसी उद्देश्य के लिए नेक ब्रेस का उपयोग किया था।

शाकिब की सिर-स्थिति संबंधी समस्याएं पिछले साल निदान की गई आंख की बीमारी के कारण उत्पन्न हुई हैं। चेन्नई, लंदन, ढाका और सिंगापुर के नेत्र रोग विशेषज्ञों ने निष्कर्ष निकाला कि उन्हें सेंट्रल सीरस कोरियोरेटिनोपैथी (पुष्ट) है, एक ऐसी स्थिति जिसके कारण रेटिना के नीचे तरल पदार्थ जमा हो जाता है, जो दृष्टि को विकृत कर सकता है। उचित तकनीक बनाए रखते हुए गेंद पर अच्छी नजर बनाए रखने के लिए शाकिब ने अपने सिर की स्थिति को सही करने के लिए कई घंटे समर्पित किए हैं।

रिपोर्ट के अनुसार शाकिब के नेत्र विशेषज्ञ डॉ. चौधरी ने कहा कि वह इस स्ट्रैप के साथ आए हैं। यह पूरी तरह से उनका विचार है। यह हमसे नहीं आया है। वह बल्लेबाजी करते समय अपने सिर की स्थिति को बनाए रखने के तरीके पर काम कर रहे हैं। चेन्नई ने पुष्टि की कि उनकी आंख में सुधार हो रहा है। उन्होंने आगे कहा कि वह पहले नेक ब्रेस के साथ इसे प्रबंधित करने की कोशिश कर रहे थे, इसलिए यह स्ट्रैप चीज़ भी परीक्षण-और-त्रुटि चरण में है। उन्होंने इसे नेट्स में आजमाया है। उन्होंने इसके साथ बहुत सारी छाया (छाया बल्लेबाजी अभ्यास) की है भी।

बांग्लादेश के बल्लेबाजी कोच डेविड हेम्प ने कहा कि यह कुछ ऐसा है जिसे शाकिब पिछले कुछ महीनों में कई बार अभ्यास के दौरान इस्तेमाल कर रहे हैं। वह पट्टा का उपयोग करने में बहुत सहज हैं और उन्हें लगता है कि यह उनके सिर की स्थिति में सहायता करता है। मई में एक इंटरव्यू शूट के दौरान शाकिब को अक्सर अपने बैटिंग स्टांस का अभ्यास करते हुए देखा गया था। यह उनकी आंखों की स्थिति को देखते हुए सिर की इष्टतम स्थिति निर्धारित करने के उनके प्रयास का हिस्सा था।

शाकिब ने हाल ही में चेन्नई में अपने नेत्र विशेषज्ञ से सलाह ली, जिन्होंने उन्हें बताया कि उनकी आंख की स्थिति में सुधार हो रहा है। सलाहुद्दीन ने कहा कि हम सभी की एक आंख प्रमुख होती है, इसलिए जब इससे उन्हें गेंद देखने में परेशानी हो रही है, तो यह समस्याग्रस्त हो सकता है। सलाहुद्दीन शाकिब को अपने सिर की स्थिति को सही करने के लिए रबर स्ट्रैप विधि का उपयोग करते हुए देखकर प्रसन्न हुआ। मुझे लगता है कि यह उसके लिए अच्छा है। मैंने उसे ऐसा करने के लिए नहीं कहा। उसके मन में यह विचार आया, वह मुझे कल रात फोन पर बता रहा था। वह इसे अपनी गर्दन के चारों ओर बांधता है, और इसे काटने से अनुमति मिलती है उसे अपनी गर्दन और सिर को स्थिर रखना होगा, जब सिर और गर्दन हिलते हैं, तो आंखें भी हिलती हैं, जो एक बल्लेबाज के लिए आदर्श नहीं है। उन्होंने कहा कि यह उनकी निजी बात है। वह समझेंगे कि यह उनके लिए काम कर रहा है या नहीं। मुझे लगता है कि जब तक यह स्वास्थ्य के लिए खतरा पैदा नहीं करता, तब तक यह ठीक है। शाकिब की आंख की हालत के कारण वह इस साल बीपीएल और श्रीलंका के खिलाफ बांग्लादेश के सफेद गेंद वाले मैचों के दौरान कुछ मैचों से चूक गए थे।

तीन बड़े विदेशी खिलाड़ियों को बाहर करेगी आरसीबी !

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 सत्र में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम नये रुप में नजर आ सकती है। आरसीबी से तीन बड़े विदेशी खिलाड़ियों को बाहर किया जा सकता है। ये तीन खिलाड़ी हैं। कप्तान फाफ डु प्लेसिस, ऑलरांउडर कैमरन ग्रीन और ग्लेन मैक्सवेल। इन तीनो का प्रदर्शन पिछले सत्र में अच्छा नहीं रहा था। आईपीएल 2025 सत्र के लिए इस साल के अंत में नीलामी होगी। आरसीबी आज तक खिताब नहीं जीत पायी है। ऐसे में अब उसका लक्ष्य नये खिलाड़ियों को शामिल करना रहेगा। ग्लेन मैक्सवेल - मैक्सवेल को पिछले सत्र में 12.25 करोड़ रुपये में खरीदा गया था पर उन्होंने पूरे सत्र में केवल 52 रन ही बनाए थे। वहीं गेंदबाजी के दौरान केवल 6 विकेट लिए। वह अंतिम ग्यारह मे अपनी जगह बरकरार नहीं रख पाये। फॉफ डुप्लेसिस - टीम इस बार मेगा नीलामी से पहले डुप्लेसिस को भी बार कर सकती है। आरसीबी ने फाफ डुप्लेसिस को आईपीएल मेगा नीलामी में 7 करोड़ रुपये में शामिल किया था। उन्होंने पिछले सत्र में टीम की कप्तानी की थी। डुप्लेसिस अब 40 की उम्र के करीब पहुंच गये हैं और ऐसे में उनकी जगह भविष्य को देखते हुए किसी युवा को कप्तानी मिल सकती है।

अश्विन ने वार्न के रिकार्ड की बराबरी की, दिग्गज खिलाड़ी के क्लब में जगह बनायी

चेन्नई। भारतीय टीम के अनुभवी स्पिनर आर अश्विन ने बांग्लादेश के खिलाफ हुए पहले टेस्ट मैच में शानदार गेंदबाजी के साथ ही दिग्गज ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर शेन वार्न के एक रिकार्ड की भी बराबरी कर ली है। अश्विन ने इस मैच में शतक लगाने के साथ ही दूसरी पारी में छह विकेट लिए थे। इसी के साथ ही उन्होंने 37वीं बार पांच से अधिक विकेट लेने के वार्न के रिकार्ड की भी बराबरी कर ली है। अश्विन अब सबसे अधिक उम्र में पांच विकेट लेने वाले एकमात्र भारतीय खिलाड़ी गए हैं। इससे पहले पारी में शतक के साथ ही पांच विकेट लेने वाले खिलाड़ियों में पूर्व दिग्गज इयान बॉथम, गैरी सोबर्स, मुश्ताक मोहम्मद, जैक्स कैलिस के अलावा वर्तमान में खेल रहे शाकिब अल हसन, रवींद्र जाडेजा हैं। अश्विन कहा, 'मैं जब भी चेन्नई में आकर खेलता हूं तो यहां मुझे बेहद अच्छा लगता है। मैंने यहां काफी क्रिकेट देखा और खेला है। मैंने पहले दिन अच्छी बल्लेबाजी की और इसके बाद दूसरी पारी में विकेट लिए यह एक विशेष अनुभव है। मैं गेंदबाज होने के कारण उसी तरह सोचता हूं पर बल्लेबाजी के दौरान उसपर ध्यान रखता हूं।

जयसूर्या के 5 विकेट, श्रीलंका ने न्यूजीलैंड को पहले टेस्ट में हराया

अनंतपुर (एजेंसी)। गॉल -बाएं हाथ के स्पिनर प्रबाथ जयसूर्या के दूसरी पारी में पांच विकेट और मैच में नौ विकेट की मदद से श्रीलंका ने सोमवार को यहां पहले क्रिकेट टेस्ट में न्यूजीलैंड को 63 रन से हरा दिया। श्रीलंका के 275 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड को अंतिम दिन जीत के लिए 68 रन की दरकार थी जबकि उसके सिर्फ दो विकेट शेष थे।

मेहमान टीम ने हालांकि 3.4 ओवर में चार रन जोड़कर अपने बाकी बचे दो विकेट भी गंवा दिए और उसकी पारी 211 रन पर सिमट गई। कल के नाबाद बल्लेबाज रचिन रविंद्र (92) अपने स्कोर में सिर्फ एक रन और जोड़कर जयसूर्या की गेंद पर पगबाधा हो गए। रविंद्र ने 168 गेंद की अपनी पारी में नौ चौके और एक छक्का मारा। जयसूर्या ने अगले ओवर में विलियम ओरोर्के को खाता खोले बिना बोल्ड करके श्रीलंका को जीत दिलाई और टेस्ट क्रिकेट में आठवीं बार पारी में पांच या इससे अधिक विकेट चटकाए।

रविंद्र शतक से चूक गए लेकिन उनके 92 रन गॉल में न्यूजीलैंड की ओर से सर्वश्रेष्ठ स्कोर है। उन्होंने रोस टेलर को पीछे छोड़ा जिन्होंने 86 रन बनाए थे। न्यूजीलैंड ने गॉल में अपने पांचों टेस्ट गंवाए हैं और इस दौरान उसका कोई बल्लेबाज शतक नहीं लगा पाया। इस जीत से श्रीलंका विश्व टेस्ट चैंपियनशिप तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। वह भारत और ऑस्ट्रेलिया से पीछे है। श्रृंखला की शुरुआत तीसरे स्थान पर करने वाला न्यूजीलैंड चौथे स्थान पर खिसक गया है।

इससे पहले श्रीलंका के पहली पारी में 305 रन के जवाब में न्यूजीलैंड ने पहली पारी में 340 रन बनाए थे। श्रीलंका ने दूसरी पारी में 309 रन का स्कोर खड़ा करके मेहमान टीम को 275 रन का लक्ष्य दिया। दो मैच की श्रृंखला का दूसरा और अंतिम टेस्ट बृहस्पतिवार से गॉल में ही खेला जाएगा। श्रीलंका की टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ 2009 से पहली टेस्ट श्रृंखला जीतने के इरादे से उतरेगी। तब से दोनों टीम के बीच छह श्रृंखलाएं हुई हैं जिसमें से न्यूजीलैंड ने चार जीती जबकि दो बराबरी पर छूटीं।

शतरंज ओलंपियाड : हमें खिताब जीतना ही था : तानिया सचदेव

बुडापेस्ट। भारतीय महिला टीम की सीनियर खिलाड़ी तानिया सचदेव ने रविवार को 45वें शतरंज ओलंपियाड में अपना पहला स्वर्ण पदक जीतने के बाद कहा कि उन्हें खिताब हासिल करना ही था। तानिया सचदेव, हरिका द्रोणावल्ली, वैशाली रमेशबाबू, दिव्या देशमुख और वंतिका अग्रवाल की भारतीय टीम ने कोच अभिजीत कुंटे के साथ मिलकर अंतिम दौर में अजरबेजान को 3.5-0.5 से हराकर स्वर्ण पदक हासिल किया। सचदेव ने 'चेस डॉट कॉम' से कहा कि मैं अभी बहुत अभिभूत हूं। हमने ओपन वर्ग और महिला वर्ग में जो कुछ भी किया है, मुझे अपनी टीम पर बहुत गर्व है। जब मैं पीछे मुड़कर देखती हूं तो मुझे लगता है कि यही वह क्षण था जिसके लिए हम बने थे।' भारतीय महिलाओं ने 2022 चरण में कांस्य पदक जीता था। ग्रैंडमास्टर वैशाली ने कहा, 'मुझे अब भी पिछला साल याद है, हम आखिरी दौर में हार गए थे। मैं कल रात उन चीजों के बारे में सोचकर सो नहीं पाई थी लेकिन मैं बहुत खुश हूं कि हम एकजुट होकर खेले। फिडे इंटरनेशनल मास्टर और जीएम सचदेव ने कहा कि मुझे लगता है कि पिछली बार बहुत मुश्किल रहा था। मैं अब बहुत खुश हूं। जीएम हरिका ने कहा कि वह आखिरकार 20 साल बाद अपने सपने को पूरा करने में सफल रहीं। उन्होंने कहा कि मैं 20 साल पहले 13 साल की उम्र में ओलंपियाड में पदक जीतने के सपने के साथ आई थी और आखिरकार आज यह पूरा हुआ। हरिका ने कहा कि इस टूर्नामेंट के दौरान मेरे लिए यह उतार-चढ़ाव भरा सफर रहा और मुझे खुशी है कि लड़कियों ने अच्छा प्रदर्शन किया। आखिरकार हम सभी एक टीम के रूप में आगे आए और हमने आखिरी गेम जीता। दिव्या देशमुख ने कहा कि टीम अपनी जीत के बाद लंच के लिए जाएगी जबकि आईएम और जीएम वंतिका अग्रवाल ने जीत हासिल करने पर राहत जताई।

बासित अली ने भारतीय तेज गेंदबाजों की तारीफ की, अकरम-अख्तर-यूनिस से की इन तीनों की तुलना

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर बासित अली ने भारतीय गेंदबाजी इकाई की विशेष प्रशंसा की और युवा तेज गेंदबाज मयंक यादव को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट मैच में खेलते हुए देखने की इच्छा जताई। भारत ने चेन्नई में बांग्लादेश के खिलाफ पहला टेस्ट मैच एक दिन से अधिक समय पहले ही जीत लिया। 280 रनों की आसान जीत स्टार-स्टडेड लाइन-अप में शामिल प्रत्येक खिलाड़ी के ऑलराउंड प्रदर्शन का मिश्रण थी।

पहली पारी में जसप्रीत बुमराह (4/50), मोहम्मद सिराज (2/30) और आकाश दीप (2/19) की तेज गेंदबाजी तिकड़ी ने बांग्लादेश के बल्लेबाजों को 149 रन पर ढेर कर दिया। बुमराह ने पहली पारी में नियंत्रण दिखाया और चार विकेट लिए। आकाश ने आकर्षक स्पेल में शुरुआत में ही बढ़त बना ली और सिराज ने परेशानी खड़ी करने के लिए अपनी निरंतरता पर भरोसा किया।

तेज गेंदबाजों से प्रभावित होकर बासित ने भारत की 'प्रभावशाली' गेंदबाजी की सराहना की और तेज गेंदबाजों की तुलना पाकिस्तान के दिग्गज वसीम अकरम, शोएब अख्तर और वकार यूनिस से की। बासित ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, 'भारतीय गेंदबाजी इकाई इतनी प्रभावशाली है कि वे वसीम अकरम, शोएब अख्तर और वकार यूनिस जैसे तेज गेंदबाजों के बराबर हैं। अभी मोहम्मद शमी नहीं खेल रहे हैं।'

स्थापित मुख्य खिलाड़ी बल्लेबाजों को अपनी धुन पर नचा रहे हैं, वहीं उभरते युवा तेज गेंदबाज चमकने के मौके का चुपचाप इंतजार कर रहे हैं। 2024 में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 में एक और तेज गेंदबाज सामने आया। दिल्ली के इस तेज गेंदबाज ने लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए शानदार प्रदर्शन किया। युवा तेज गेंदबाज ने

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ 156.7 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद फेंकी और आईपीएल 2024 की सबसे तेज और टूर्नामेंट के इतिहास की चौथी सबसे तेज गेंद फेंकी।

इस बार ऑस्ट्रेलिया के बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी जीतने की संभावना : ग्रीन

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन ने कहा है कि ऑस्ट्रेलियाई टीम साल 2014-15 के बाद पहली बार बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी जीतने की उम्मीद कर रही है। इसका कारण है कि टीम की तैयारियां अच्छी हैं। ग्रीन भी इसमें अपनी ओर से अधिक से अधिक योगदान देना चाहते हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने अच्छे प्रदर्शन से उत्साहित हैं और अब उनका लक्ष्य इसी प्रकार का प्रदर्शन भारत के खिलाफ होने वाली बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में करना रहेगा। भारतीय टीम के हाथों पिछले एक दशक में उसे हर बार इस सीरीज में हार का सामना करना पड़ा है। ग्रीन ने कहा, 'मैं इस सीरीज में जितना संभव हो उतना अधिक योगदान देना चाहता हूं। मैं ऐसा करने के लिए शारीरिक रूप से वास्तव में बहुत अच्छी स्थिति में हूं। इस ऑलराउंडर ने कहा, 'मैं और मिचेल मार्श हमेशा इस बात को लेकर बात करते हैं कि 70वें और 80वें ओवर के बीच जब गेंद कुछ नहीं कर रही होती है तो उन ओवरों में कौन गेंदबाजी करेगा। ऐसे में हम इन ओवरों में गेंदबाजी के लिए तैयार हैं। ग्रीन ने कहा, 'अभी मैं शारीरिक रूप से बहुत अच्छी स्थिति में हूं और मुझे लगता है कि मैं गेंदबाजी में अपना योगदान दे सकता हूं। अभी मैं एक अदद ऑलराउंडर बनकर खुश हूं।

इस मैदान में कोई ऐसी ऊर्जा है जो मुझे आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है : यादगार प्रदर्शन पर बोले अश्विन

नई दिल्ली (एजेंसी)। रविचंद्रन अश्विन ने हाल ही में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया जिसमें उन्होंने बल्ले और गेंद दोनों से योगदान दिया और रविवार को चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट में भारत को 280 रनों से जीत दिलाई। पहली पारी में ऑलराउंडर ने घरेलू मैदान पर अपना दूसरा टेस्ट शतक लगाया और फिर 6-88 के आंकड़े के साथ भारत को दो मैचों की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त दिलाई। अश्विन की इस दोहरी उपलब्धि ने उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का सम्मान दिलाया। हालांकि, अनुभवी ऑफ स्पिनर ने अपनी पत्नी प्रीति नारायणन, दो बेटियों और घरेलू दर्शकों के सामने शानदार प्रदर्शन करने के लिए चेपक की 'ऊर्जा' को श्रेय दिया।

अश्विन ने बीसीसीआई टीवी पर प्रीति को दिए इंटरव्यू में कहा, 'मुझे नहीं पता कि इस पर क्या प्रतिक्रिया दूं, क्योंकि पहले दिन कुछ ऐसा हुआ जो बहुत जल्दी हुआ। मुझे उम्मीद नहीं थी कि मैं यहां बल्लेबाजी करने आऊंगा और शतक बनाऊंगा। मैंने काफी समय से बल्लेबाजी नहीं की थी। यह बहुत अच्छा लगता है। हर बार जब मैं यहां आता हूं तो यह खास लगता है। मुझे नहीं पता कि इस मैदान में कोई ऐसी ऊर्जा है जो मुझे आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है।'

क्या आपको लगता है कि इस ऊर्जा (उनका जिक्र करते हुए) ने आपकी ऊर्जा में कुछ इजाफा किया है, अश्विन बेटी दिवस के अवसर पर बच्चों को क्या उपहार देंगे? क्रिकेटर ने जवाब दिया, 'मैं उन्हें वह गेंद दूंगा जिससे मैंने पांच विकेट लिए थे। प्रीति शिकायत करती रही कि मैंने उसे पहले दिन नहीं देखा। अश्विन ने कहा, 'मैंने नहीं देखा। मेरे लिए जब मैं खेल रहा होता हूं तो परिवार का ख्याल रखना बहुत मुश्किल होता है। खेल के बीच में मैं सचेत प्रयास करता हूं क्योंकि बच्चे हमेशा मुझसे पूछते हैं, 'तुमने नमस्ते क्यों नहीं कहा।'

प्रीति ने कहा, 'मैं यहां बचाव करना चाहूंगी। मैं हमेशा नमस्ते नहीं कहती। जब आप 9 से 5 बजे तक सीट पर बैठते हैं और मैं देखती हूं कि राज मेरी तरफ हाथ हिला रहा है जैसे कि मैंने दो दिन बनाए हों। लेकिन बधाई। चेन्नई में दूसरा शतक और पांचवां विकेट। बच्चे यहां हैं, उन्होंने वाकई बहुत अच्छा समय बिताया। एक बेहतरीन रविवार की सुबह, मौसम भी बढ़िया रहा।' अश्विन ने अपनी पत्नी के समर्थन और उनके लिए भाग्यशाली होने के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, 'वहां रहने और मुझे शुभकामनाएं देने के लिए धन्यवाद।'

संक्षिप्त समाचार

ईरान के कोयला खदान में मीथेन रिसाव से धमाका, 19 लोगों की मौत

तेहरान, एजेंसी। एक कोयला खदान में मीथेन गैस के रिसाव के कारण हुए धमाके में कम से कम 19 लोगों की मौत हो गई और 17 अन्य घायल हो गए, ईरानी राज्य टीवी ने रविवार को यह जानकारी दी। रिपोर्ट के अनुसार, यह घटना तबास में हुई, जो राजधानी तेहरान से लगभग 540 किलोमीटर में स्थित है। धमाके के बाद आपातकालीन सेवाओं के कर्मचारी क्षेत्र में भेजे जा रहे हैं। धमाके के समय वहां करीब 70 लोग काम कर रहे थे। ईरान एक तेल उत्पादक देश है और इसे कई प्रकार के खनिजों के लिए भी जाना जाता है। देश हर साल लगभग 35 लाख टन कोयले का उपभोग करता है, लेकिन अपने खदानों से केवल 18 लाख टन कोयला ही निकालता है। बाकी कोयला आमतौर पर आयात किया जाता है, जो अक्सर देश के स्टील मिलों में इस्तेमाल होता है। यह पहला मौका नहीं है जब ईरान के खनन उद्योग में इस तरह का हादसा हुआ है। 2013 में दो अलग-अलग खदानों में 11 श्रमिकों की मौत हुई थी। 2009 में भी कई घटनाओं में 20 श्रमिकों की जान गई थी। 2017 में एक कोयला खदान के धमाके में कम से कम 42 लोगों की मौत हुई थी।

गोलीबारी में अमेरिका में दो की मौत, तीन घायल

मिनियापोलिस , एजेंसी। अमेरिका के मिनियापोलिस के डाउनटाउन में शनिवार सुबह हुई गोलीबारी में दो लोगों की मौत हो गई और दो किशोर लड़कियां समेत तीन घायल हो गए। पुलिस को शनिवार सुबह 2 बजे से ठीक पहले गोली चलने की सूचना मिली। मौके पर पहुंचे अधिकारियों ने पाया कि पांच लोग (20 और 21 साल के दो लड़के, 16 और 17 साल की दो किशोरियां और 21 साल की युवती) घायल हैं। दोनों लड़कों की अस्पताल में मौत हो गई, जबकि अन्य घायल खतरे से बाहर हैं। पुलिस का कहना है कि दो गुटों के बीच रंजिश के चलते गोलीबारी हुई। पुलिस ने मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। सहायक पुलिस प्रमुख केटी ब्लैकवेल ने कहा कि पुलिस ने डाउनटाउन क्षेत्र में गश्ती बढ़ा दिया है।

ईरान की खदान में मीथेन रिसाव के कारण हुआ विस्फोट, कम से कम 19 लोगों की गई जान

तेहरान, एजेंसी। पूर्वी ईरान में कोयले की एक खदान में शनिवार देर रात विस्फोट हो गया। इससे कम से कम 19 लोगों की मौत हो गई, जबकि 17 अन्य घायल हुए हैं। बताया जा रहा कि मीथेन रिसाव के कारणयह धमाका हुआ। ईरान के सरकारी टेलीविजन ने जानकारी दी कि राजधानी तेहरान से लगभग 540 किलोमीटर (335 मील) दक्षिण-पूर्व में तबास में स्थित एक कोयला खदान में विस्फोट हुआ। जानकारी मिलते ही अधिकारियों ने आपात कर्मचारियों को इलाके में भेजा। रिपोर्ट के अनुसार, मीथेन रिसाव के कारण हुए धमाके के समय वहां करीब 70 लोग काम कर रहे थे।

कमला हैरिस ने ट्रंप को एक और बहस की चुनौती दी; राष्ट्रपति पद के लिए बहस का निमंत्रण स्वीकार किया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी उपराष्ट्रपति और डेमोक्रेटिक राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार कमला हैरिस को एक बार फिर राष्ट्रपति पद की बहस के लिए सीएनएन ने आमंत्रित किया है, जिसे कमला हैरिस ने स्वीकार कर लिया है। इसके साथ ही हैरिस ने अपने प्रतिद्वंदी और रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप को इसे स्वीकार करने की चुनौती दी है। बता दें कि कमला हैरिस और डोनाल्ड ट्रंप ने इस महीने की शुरुआत में एबीसी न्यूज द्वारा संचालित राष्ट्रपति पद की बहस में भाग लिया था, जिसमें उपराष्ट्रपति हैरिस पूर्व राष्ट्रपति के खिलाफ लक्षित कटाक्षों के साथ हावी होती हुई दिखाई दी थीं। सीएनएन के निमंत्रण के बाद कमला हैरिस ने एक्स पर एक पोस्ट कर कहा, मैं 23 अक्तूबर को दूसरी राष्ट्रपति पद की बहस को सहर्ष स्वीकार करूंगी। मुझे उम्मीद है कि डोनाल्ड ट्रंप मेरे साथ इस बहस में शामिल होंगे। वहीं, कमला हैरिस के अभियान अध्यक्ष ओमैली डिलन ने भी एक बयान जारी किया, जिसमें उन्होंने कहा, उपराष्ट्रपति हैरिस डोनाल्ड ट्रंप के साथ मंच साझा करने के एक और अवसर के लिए तैयार हैं। ट्रंप को इस बहस के लिए सहमत होने में कोई समस्या नहीं होनी चाहिए। 23 अक्तूबर की बहस के लिए सीएनएन ने दोनों नेताओं को जून की बहस के समान एक प्रारूप की पेशकश की है, जिसमें ट्रंप और हैरिस बिना लाइव स्टूडियो दर्शकों के 90 मिनट तक मॉडरेटर के सवालों का जवाब देंगे। पहली राष्ट्रपति पद की बहस ट्रंप और राष्ट्रपति जो बाइडन के बीच हुई थी, जिसमें बाइडन के खराब प्रदर्शन ने उनकी उम्र को लेकर चिंताएं बढ़ा दी थीं। इस कारण उन्हें अभियान से बाहर होना पड़ा था। राष्ट्रपति बाइडन ने फिर दौड़ के लिए कमला हैरिस का समर्थन किया और उन्हें जल्द ही पार्टी का आधिकारिक नामांकन भी मिल गया। हैरिस के साथ बहस के बाद, ट्रंप ने तीसरी बहस करने पर विपरीत रुख अपनाया है। शुरुआत में, उन्होंने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट कर कहा, कोई तीसरी बहस नहीं होगी।

गाजा में हमास के साथ सीक्रेट डील, इजराइल का नया प्लान, हिजबुल्लाह को खत्म करने की तैयारी

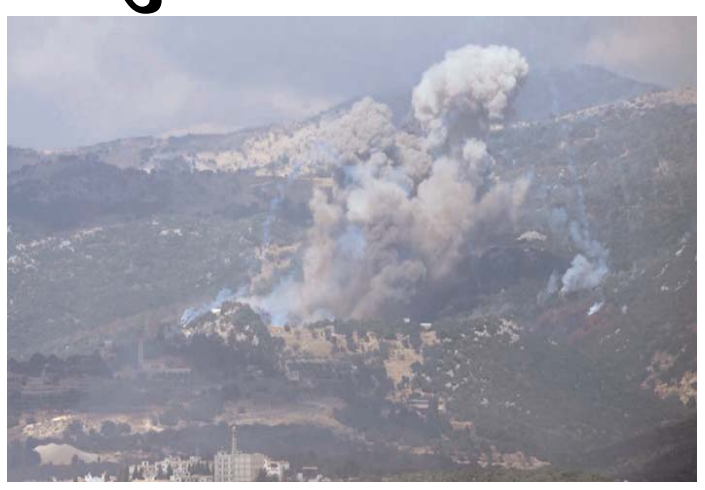

तेल अवीव/ बेरूत, एजेंसी। इजराइल और हिजबुल्लाह के बीच संघर्ष अब युद्ध की ओर बढ़ता दिख रहा है. लेबनान में पेजर और वॉकी-टॉकी रेडिया में धमाके के बाद इजराइल ने हिजबुल्लाह के खिलाफ हवाई हमले तेज कर दिए हैं. ऐसा माना जा रहा है कि इजराइल का फोकस अब गाजा से लेबनान की तरफ शिफ्ट हो गया है. हाल ही में इजराइली सेना आईडीएफ ने कहा था कि फिलहाल वह दक्षिण लेबनान में हिजबुल्लाह के ठिकानों पर हमले कर रही है. आईडीएफ का उद्देश्य हिजबुल्लाह की आतंकवादी क्षमताओं और बुनियादी ढांचे को नष्ट करना है.

नया युद्धविराम और बंधक समझौता : मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, हाल ही में इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के एक वरिष्ठ सलाहकार ने बाइडेन प्रशासन को हमास के साथ एक नया युद्धविराम और बंधक समझौता सौंपा है. रिपोर्ट के अनुसार, नेतन्याहू के करीबी सहयोगी गैल हिर्श (जो बंधकों और लापता लोगों के लिए इजराइल के समन्वयक हैं) के प्रस्ताव से गाजा में स्थायी युद्धविराम होगा और संघर्ष खत्म हो जाएगा.

इसके तहत गाजा में संघर्ष के दौरान इजराइल द्वारा पकड़े गए फिलिस्तीनी कैदियों के बदले में सभी बंधकों को एक साथ रिहा किया जाएगा. साथ ही इजराइल द्वारा हमास के नेता याह्या सिनवार को गाजा से किसी अन्य देश भेजा जा सकता है. हमारा ध्यान उत्तर की ओर शिफ्ट हो रहा... लेबनान में ताजा हमलों के बाद अंतरराष्ट्रीय पर्यवेक्षकों ने चेतावनी दी है कि हजारों संचार उपकरणों में एक साथ विस्फोट करना युद्ध अपराध हो सकता है. हालांकि इजराइल ने हमलों की जिम्मेदारी लिए बिना कहा है कि वह अपना ध्यान उत्तर की ओर शिफ्ट कर रहा है. वायु सेना बेस का दौरा करने पहुंचे इजराइल के रक्षा मंत्री योआव गैलेंट ने कहा कि हमारा ध्यान उत्तर की ओर स्थानांतरित हो रहा है, जिसका अर्थ है कि हम उत्तर की ओर सेना, संसाधन और ऊर्जा को तेजी से मोड़ रहे हैं.

लेबनान में बड़े अभियान की तैयारी : अगर इस समझौते पर इजराइल और हमास के बीच अंतिम सहमति बनती है तो गाजा में संघर्ष खत्म हो जाएगा. इससे इजराइल को अपने सुरक्षा बलों को लेबनान में नए स्तर के अभियान में लगाना आसान हो जाएगा. नए युद्धविराम प्रस्ताव में गाजा में इजराइली सेना की मौजूदगी को लेकर कुछ नहीं कहा गया है. हालांकि हमास ने अभी इस प्रस्ताव पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है. अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने बीते दिनों कहा था कि अमेरिका अब गाजा में ऐसी कोई कार्रवाई नहीं चाहता है, जिससे गाजा में युद्धविराम समझौता के लिए हानिकारक हो. साथ ही उन्होंने जोर दिया कि गाजा में युद्धविराम जरूरी है और यह संभव भी है।

बेरूत हमले में हिजबुल्लाह के शीर्ष कमांडर ढेर : लेबनान की राजधानी बेरूत में इजराइली के हवाई हमले में हिजबुल्लाह का एक और शीर्ष कमांडर अहमद वहबी मारा गया. इसके अलावा 31 लोगों की भी मौत हुई है. हिजबुल्लाह ने शुक्रवार को उत्तरी इजराइल पर एक साथ 140 रॉकेट दागे थे. इससे पहले समूह के नेता हसन नसरल्लाह ने लेबनान में इजराइली के हमलों का बदला लेने की कसम खाई थी. हिजबुल्लाह ने पुष्टि की है कि बेरूत में इजराइल के हमलों में उसके वरिष्ठ सैन्य कमांडर इब्राहिम अकील और एक अन्य कमांडर अहमद वहबी मारे गए. हवाई हमले में 31 लोगों की जान चली गई और कम से कम 68 अन्य घायल हो गए. इस बीच, लेबनान के प्रधानमंत्री ने इजराइल के हवाई हमलों की आलोचना करते हुए कहा कि तेल अवीव ने किसी भी मानवीय, कानूनी या नैतिक विचारों को कोई महत्व नहीं दिया.

गाजा में कैसे शुरू हुआ संघर्ष : गौरतलब है कि हमास ने पिछले साल 7 अक्टूबर को दक्षिणी इजराइल पर भीषण हमला किया था. जिसमें करीब 1,200 इजराइली नागरिक मारे गए थे. साथ ही हमास के लड़कों ने 200 से अधिक नागरिकों को बंधक बना लिया था. इस हमले के बाद इजराइल ने गाजा में हमास के खिलाफ जंग छेड़ दी थी. करीब एक साल से जारी संघर्ष में हजारों लोग मारे गए हैं. साथ ही इजराइल के हवाई हमलों में पूरी गाजा पट्टी तबाह हो गई है. संघर्ष के कारण लाखों फिलिस्तीन नागरिक विस्थापित हुए हैं।

मोदी के कंधे पर हाथ रखकर बाइडेन बोले-क्वाड बना रहेगा

डेलावेयर, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिका दौरे के पहले दिन शनिवार को राष्ट्रपति बाइडेन के होमटाउन डेलावेयर पहुंचे। यहां वे देर रात 1:30 बजे (भारतीय समयानुसार) अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन, ऑस्ट्रेलियाई पीएम एंथनी अल्बनीज और जापान के पीएम फूमियो किशिदा के साथ क्वाड (क्वाड्रिलेटरल सिक्योरिटी डायलॉग) समिट में शामिल हुए। बैठक के बाद क्वाड लीडर्स के फोटोशूट में बाइडेन से अमेरिकी चुनाव के बाद संगठन के अस्तित्व को लेकर सवाल पूछा गया। इस पर बाइडेन ने पीएम मोदी के कंधे पर हाथ रखकर कहा कि क्वाड चुनाव के बाद भी बना रहेगा। यह बैठक ऐसे समय हो रही है जब दुनिया संघर्षों से घिरी है। ऐसे में क्वाड का साथ मिलकर चलना जरूरी है। हम किसी के खिलाफ नहीं हैं। हम नियम आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था, क्षेत्रीय अखंडता और सभी मुद्दों के शांतिपूर्ण समाधान का समर्थन करते हैं। बाइडेन ने गले लगाकर किया मोदी का स्वागत क्वाड समिट के बाद चारों नेताओं ने कैंसर मूनशॉट कार्यक्रम में हिस्सा लिया। यहां क्वॉमोदी ने इंडो-पैसेफिक देशों को सर्विकल कैंसर के लिए 4 करोड़ वैक्सीन मुफ्त देने की घोषणा की। समिट से पहले पीएम मोदी ने राष्ट्रपति बाइडेन से डेलावेयर स्थित आवास पर मुलाकात की। बाइडेन ने मोदी का गले लगाकर स्वागत किया। इसके बाद दोनों के बीच द्विपक्षीय बैठक हुई। इस दौरान बाइडेन ने यूएनएससी में भारत की परमानेंट सीट का समर्थन किया। पीएम मोदी ने जापान और ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्रियों के साथ भी द्विपक्षीय बातचीत की। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मोदी के अमेरिका पहुंचने से चंद घंटे पहले व्हाइट हाउस ने खालिस्तान समर्थकों की मेजबानी की। अमेरिकी सरकार ने उन्हें आश्वासन दिया है कि वे सिख एक्टिविस्ट्स को दूसरे देशों के दमन से बचाएंगे।

इजराइल ने वेस्ट बैंक में अल जजीरा के कार्यालय पर छापा मारा

येरुशलम, एजेंसी। इजराइल ने पहले भी पूर्वी यरुशलम में अल जजीरा के कार्यालय पर छापा मारा था, उसके उपकरण जब्त कर लिए थे, इजराइल में उसके प्रसारण पर रोक लगा दी थी तथा उसकी वेबसाइट्स पर भी पाबंदी लगा दी थी। इजराइली सैनिकों ने रविवार तड़के इजराइल के कब्जे वाले वेस्ट बैंक में समाचार संगठन अल जजीरा के कार्यालय पर छापे मारे और वहां मौजूद लोगों को तत्काल काम बंद करने का आदेश दिया। अल जजीरा ने अपने अरबी के चैनल पर इजराइली सैनिकों के एक फुटेज का सीधा प्रसारण किया जिसमें सैनिक कार्यालय को 45 दिन तक बंद रखने का आदेश दे रहे हैं। अल जजीरा गाजा पट्टी में इजराइल-हमास युद्ध का प्रसारण कर रहा है। इजराइल ने पहले भी पूर्वी यरुशलम में अल जजीरा के कार्यालय पर छापा मारा था, उसके उपकरण जब्त कर लिए थे, इजराइल में उसके प्रसारण पर रोक लगा दी थी तथा उसकी वेबसाइट्स पर भी पाबंदी लगा दी थी। इजराइली सेना ने अभी इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। अल जजीरा ने इस कदम की आलोचना की है और वह पड़ोसी देश जॉर्डन के अम्मान से प्रसारण कर रहा है।

3000 टन मछलियां भेजेगा बांग्लादेश, भारत को खुश करने में जुटी यूनुस सरकार; एक्सपोर्ट से हटाया बैन

ढाका, एजेंसी। दुर्गा पूजा के पहले भारतीयों को बांग्लादेश खास तोहफा देना जा रहा है। लंबे इंतजार के बाद बांग्लादेश ने भारत को तीन हजार टन हिल्सा मछलियां भेजने का ऐलान किया है। शनिवार को बांग्लादेश की सरकार के वाणिज्य मंत्रालय ने एक अधिसूचना जारी की। भारत-बांग्लादेश के बीच कूटनीतिक संबंधों को और मजबूत करने की कोशिश में यह फैसला लिया गया है। काफी वक्त से यह परंपरा चली आ रही है कि बांग्लादेश भारत को हिल्सा मछलियां भेजता आ रहा है, मगर यूनुस सरकार ने इस पर बैन लगा दिया था। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर इस बार हिल्सा न भेजी जाती, तो इससे दोनों देशों के रिश्तों पर असर पड़ सकता था। पहले बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने साफ तौर पर कहा था कि वह इस बार दुर्गा पूजा के दौरान हिल्सा नहीं भेजेगी। लेकिन अब ऐन वक्त पर यह फैसला पलट दिया गया। कुछ ही दिनों पहले प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने घरेलू मांग को पूरा करने के लिए भारत को हिल्सा निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था। इससे बांग्लादेश द्वारा अपने पड़ोसी के प्रति सद्भावना संकेत के रूप में लंबे समय से चली आ रही परंपरा समाप्त हो गई थी। वाणिज्य मंत्रालय ने बयान में कहा, निर्यातकों की अपील को देखते हुए आगामी दुर्गा पूजा के अवसर पर विशिष्ट शर्तों को पूरा करते हुए 3,000 टन हिल्सा मछली (भारत को) निर्यात करने की मंजूरी दे दी गई है। मंत्रालय ने आवेदकों से निर्यात की अनुमति प्राप्त करने के लिए संबंधित शाखा से संपर्क करने को कहा। अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के नेतृत्व वाली पिछली अवामी लीग सरकार ने सद्भावना के तौर पर हर साल सितंबर और अक्टूबर के बीच भारत को हिल्सा निर्यात की अनुमति दी थी। यह परंपरा वर्षों से चली आ रही थी। अधिकारियों ने बताया कि बांग्लादेश ने 2023 में 79 कंपनियों को भारत को कुल 4,000 टन निर्यात करने की अनुमति दी थी। बांग्लादेश दुनिया का सबसे बड़ा हिल्सा उत्पादक है, लेकिन स्थानीय मांग अधिक होने के कारण वह इस मछली के निर्यात पर प्रतिबंध लगाता है। हालांकि, दुर्गा पूजा उत्सव के दौरान, वह आमतौर पर इस मछली के निर्यात पर प्रतिबंध में ढील देता है, जो बंगालियों का एक बहुत पसंदीदा व्यंजन है। भारत के मछली आयातक संघ ने इस महीने की शुरुआत में बांग्लादेश के विदेश मामलों के सलाहकार तौहीद हुसैन से दुर्गा पूजा के दौरान भारत को हिल्सा मछली के निर्यात की अनुमति देने का आग्रह किया था, जब देश में अशांति और सरकार परिवर्तन के कारण इस वर्ष मछली के निर्यात को लेकर अनिश्चितता बनी हुई थी। एसोसिएशन के सचिव सैयद अनवर मकसूद ने नौ सितंबर को लिखे पत्र में बताया कि बांग्लादेश ने 2012 में हिल्सा के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था, लेकिन पिछले पांच वर्षों से सद्भावना के तौर पर वह सितंबर के पहले सप्ताह से दुर्गा पूजा के अंत तक सीमित मात्रा में इसके निर्यात की अनुमति दे रहा है।

अमेरिका ने लौटाया भारत का खजाना, वापस लाई जाएंगी 297 नायाब चीजें, प्रधानमंत्री मोदी ने जताया आभार

वाशिंगटन, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अमेरिका दौरे पर एक बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। अमेरिका में भारतीय संस्कृति से जुड़ी 297 ऐसी नायाब वस्तुएं लौटा दी हैं जो कि तस्करी के जरिए देश से बाहर चली गई थीं। कीमती और प्राचीन वस्तुओं की चोरी और तस्करी लंबे समय से गंभीर समस्या रही है। 2014 के बाद से भारत को विदेश से लगभग 640 धरोहर वापस मिल चुकी हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर राष्ट्रपति बाइडेन का आभार जताया है। उन्होंने कहा कि अवैध तस्करी के खिलाफ लड़ाई और सांस्कृतिक संबंध और मजबूत हो रहे हैं। 297 नायाब कलाकृतियों को लौटाने के लिए हम राष्ट्रपति जो बाइडेन और अमेरिका सरकार के आभारी हैं। इससे पहले भी पीएम मोदी के अमेरिका दौरे के समय कई प्रचीन वस्तुएं सौंपी गई थीं। 2021 में जब पीएम मोदी अमेरिका गए थे तो उन्हें 157 चीजें मिली थीं। इसमें 12वीं शताब्दी की नटराज की मूर्ति भी शामिल थी। 2023 में पीएम मोदी के दौरे के बाद अमेरिका ने 105 वस्तुएं भारत को लौटाई थीं। इस तरह अकेले अमेरिका से ही अब तक 578 प्राचीन और बेशकमीती वस्तुएं भारत को वापस मिल चुकी हैं। अमेरिका के अलावा यूके से 16 और ऑस्ट्रेलिया से 14 कलाकृतियां वापस प्राप्त की गई हैं। वहीं 2004 से 2013 तक केवल एक ही कलाकृति भारत को विदेश से मिल पाई थी। जुलाई 2024 में 46वीं वर्ल्ड हेरिटेज कमेटी से इतर नई दिल्ली में अमेरिका और भारत के बीच कल्चरल प्रॉपर्टी अग्रीमेंट पर साइन किए गए थे। इस समझौते के मुताबिक सांस्कृतिक वस्तुओं की अवैध तस्करी पर विराम लगाने के प्रयास किए जाएंगे।

पिछले 10 साल से भारत ने अपने प्राचीन खजाने को वापस पाने के लिए सार्थक प्रयास किए हैं और उसका प्रभाव दिखाई भी दे रहा है। सूत्रों का कहना है कि वैश्विक नेताओं के साथ प्रधानमंत्री मोदी के व्यक्तिगत संबंधों की वजह से भारत की धरोहर को वापस लाने में मदद मिली है। तस्करी के जरिए विदेश पहुंच गई कलाकृतियां और मूर्तियां भारत की पुरातन संस्कृति से जुड़ी हुई हैं।

पाकिस्तान में फिर तेजी से फैल रहा पोलियो, कई बच्चे पीड़ित, कैसे 10 साल पहले ही वायरस मुक्त हो गया था भारत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में इस वर्ष पोलियो के मामलों की संख्या बढ़कर 21 हो गई है। खैबर पख्तूनख्वा (केपी) प्रांत में भी पहला मामला दर्ज किया गया है। साथ ही सिंध और बलूचिस्तान में दो और बच्चों में इस बीमारी का पता चला है। ताजा मामलों में बलूचिस्तान के किला अब्दुल्लाह जिले में 15 महीने के एक बच्चे, कराची के केमारी जिले में तीन साल के एक बच्चे और केपी के मोहम्मद जिले में नौ महीने की बच्ची में पोलियो की पुष्टि हुई है। जहां भारत के पड़ोसी देश में पोलियो एक बार फिर से पैर पसार रहा है तो वहीं भारत 10 साल पहले ही खुद को पोलिया-मुक्त घोषित कर चुका है। पोलियो वायरस मुख्य रूप से पांच साल से कम उम्र के बच्चों को प्रभावित करता है, खासकर उन बच्चों को जो कुपोषित हैं या जिन्हें टीकाकरण नहीं मिला है। यह बीमारी तंत्रिका तंत्र पर हमला करती है और लकवा या यहां तक कि मृत्यु का कारण बन सकती है। पोलियो का कोई इलाज नहीं है, लेकिन टीकाकरण सबसे प्रभावी तरीका है जिससे बच्चों को इस गंभीर बीमारी से बचाया जा सकता है। हालांकि पाकिस्तान सरकार पोलियो उन्मूलन के लिए कड़ी मेहनत कर रही है, लेकिन देश अभी भी पोलियो वायरस की चपेट में है। पाकिस्तान और अफगानिस्तान दुनिया के दो ऐसे देश हैं, जहां पोलियो अभी भी स्थानिक है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने 8 सितंबर को पोलियो उन्मूलन के लिए एक विशेष अभियान शुरू किया। इस अभियान के तहत 9 से 15 सितंबर तक घर-घर जाकर पांच साल से कम उम्र के करीब 3 करोड़ बच्चों को पोलियो टीके लगाए जाने के लिए 2,86,000 पोलियो कार्यकर्ता तैनात किए गए थे। पिछले महीने सिंध सरकार ने भी 10 दिवसीय टीकाकरण अभियान शुरू किया था। यह वायरस केवल तीन प्रांतों तक ही सीमित नहीं है। इस्लामाबाद ने भी 16 साल में अपना पहला पोलियो मामला दर्ज किया, जब नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ के पोलियो क्षेत्रीय संदर्भ प्रयोगशाला ने 6 सितंबर को संघीय राजधानी के यूनियन काउंसिल रूरल 4 के एक बच्चे में वाइल्ड पोलियो वायरस टाइप 1 के रूप में बीमारी का पता लगाया। अब तक, बलूचिस्तान ने सबसे अधिक 14 पोलियो मामलों की सूचना दी है, जबकि सिंध में चार मामले दर्ज किए गए हैं।

श्रीलंका में नए राष्ट्रपति होंगे वामपंथी नेता दिसानायके, तीसरे स्थान पर पहुंचे विक्रमसिंघे

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका के राष्ट्रपति चुनाव में नेशनल पीपुल्स पावर (एनपीपी) के नेता अनुरा कुमारा दिसानायके ने अपनी मजबूत बढ़त हासिल कर ली है. अनुरा कुमारा दिसानायके की जीत तय है. श्रीलंकाई लोगों ने 2022 में आर्थिक मंदी के बाद पहले चुनाव में वामपंथी राष्ट्रपति को चुना है. बताया जा रहा है कि वापंथी नेता दिसानायके चीन के समर्थक हैं. कई मामलों में उन्होंने चीन का समर्थन किया है. कहा जा रहा कि श्रीलंका में अडाणी के प्रोजेक्ट को रद्द करने की बात कर चुके हैं. कुमारा दिसानायके का राष्ट्रपति बनना लगभग तय है. चुनाव आयोग की ओर से जारी आंकड़ों के हिसाब से दिसानायके को 54 फीसदी वोट मिले हैं. वह जबरदस्त बहुमत के साथ जीत की ओर बढ़ रहे हैं. वहीं, वर्तमान राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे तीसरे स्थान पर हैं. राष्ट्रपति चुनाव में इस बार लगभग 75 प्रतिशत मतदान हुआ जो पिछले बार के चुनाव के मुकाबले कम है. नवंबर 2019 में हुए पिछले राष्ट्रपति चुनाव में हुए 83 प्रतिशत मतदान हुआ था. जानकारी के अनुसार रविवार को सुबह 7 बजे तक घोषित कुल मतों की गिनती में 56 वर्षीय दिसानायके ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी 57 वर्षीय साजिथ प्रेमदासा के खिलाफ 727,000 वोट या 54 प्रतिशत वोट हासिल किए. प्रेमदासा मुख्य विपक्षी नेता हैं. उन्हें 23 प्रतिशत के साथ 333,000 वोट मिले. मौजूदा राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे 16 प्रतिशत वोट शेयर के साथ 75, 235,000 वोटों के साथ पीछे चल रहे हैं. ??विक्रमसिंघे ने अभी तक हार स्वीकार नहीं की है. कौन है अनुरा कुमार दिसानायके अनुरा कुमार दिसानायके कोलंबो जिलो के सांसद हैं। वर्तमान में वह नेशनल पीपुल्स पावर और जनता विमुक्ति पेरमुना पार्टी के नेता हैं। राष्ट्रपति पद के लिए उन्होंने नेशनल पीपुल्स पावर (एनपीपी) गठबंधन के उम्मीदवार के तौर चुनाव लड़ा। इस गठबंधन में मार्क्सवादी-झुकाव वाली जनता विमुक्ति पेरेमुना (जेवीपी) पार्टी शामिल है। उन्होंने भ्रष्टाचार विरोधी उपायों और गरीबों के कल्याण के लिए नीति पर अपना ध्यान केंद्रित किया। दिसानायके ने चुनाव प्रचार के दौरान महत्वपूर्ण बदलावों का वादा किया, जिसमें आम चुनाव में नया जनादेश हासिल करने के लिए 45 दिनों के भीतर संसद को भंग करना भी शामिल है। बता दें कि 2022 में गंभीर आर्थिक संकट के बाद श्रीलंका में यह पहला राष्ट्रपति चुनाव है। अप्रैल 2022 में खाद्यान्न, ईंधन और अन्य आवश्यक वस्तुओं की भारी कमी के बीच श्रीलंका ने दिवालिया होने की घोषणा की थी। देश में महीनों से जारी विरोध-प्रदर्शन के हिंसक रूप अख्तियार करने के बाद तत्कालीन राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे को श्रीलंका छोड़कर भागने व इस्तीफा देने के लिए मजबूर होना पड़ा था। कुछ हफ्तों बाद संसद ने विक्रमसिंघे को नया राष्ट्रपति नियुक्त किया था। क्या दिसानायके भारत विरोधी हैं? मामले के जानकार बताते हैं कि इस बात की आशंका काफी ज्यादा है कि ताजपोशी के बाद दिसानायके का चीन के प्रति झुकाव ज्यादा होगा। द वीक का कहना है कि उनकी पार्टी जेवीपी पर 2021 में उनके अभियान के दौरान चीनी मदद के आरोप लगे थे। डेली मिरर श्रीलंका को दिए इंटरव्यू में दिसानायके ने कहा था, किसी ने दावा किया था कि मैंने विदेश यात्राओं पर 70 मिलियन रुपए खर्च किए हैं। मैंने भारत और चीन की सरकारों के निमंत्रण पर वहां का दौरा किया। भारत और चीन की सरकारों ने ही सारा खर्च वहन किया था। अडानी के प्रोजेक्ट रद्द करने का वादा अनुरा कुमारा की पार्टी जेपीवी ने 1980 के दशक में भारत द्वारा भेजी गई पीस कीपिंग फोर्स का विरोध किया था। भारत ने उस वक्त लिट्टे के खात्मे के लिए इस फोर्स को श्रीलंका भेजा था।

25 के बाद दिल्ली में फिर शुरु होगा बारिश का दौर

नई दिल्ली । सितंबर के महीने में दिल्ली में जमकर बादल बरसे और बारिश ने अपना तय आंकड़ा पार कर लिया है। लेकिन वीकेंड से फिर धूप, गर्मी और उमस का मौसम दिखाई दिया। दरअसल, मौसम विभाग ने दो दिन बाद 25 सितंबर से एक बार फिर बारिश का अनुमान जताया हैं। हालांकि, ये बारिश हल्की होगी लेकिन तेज हवाओं के साथ फिर मौसम बदल सकता है। बता दें कि बारिश की रफ्तार थमने के बाद से दिल्ली का तापमान एक बार फिर बढ़ रहा है। मौसम का पूर्वानुमान लगाने वाली एजेंसी के मुताबिक, दिल्ली में सितंबर के महीने में पहले ही सामान्य से अधिक बारिश हो चुकी है। सफदरजंग बेस स्टेशन पर 183 मिमी बारिश दर्ज की गई है, जबकि सामान्य 123.4 मिमी होती है। अब 2 दिनों में दिल्ली-एनसीआर में बारिश होने की संभावना नहीं है। हालांकि, जल्दी ही बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक और मॉनसून प्रणाली बनने की संभावना है। इस मौसम प्रणाली के देश के मध्य भागों से गुजरने के बाद दिल्ली और आस-पास के इलाकों में 25 सितंबर के बाद किसी भी समय मॉनसून गतिविधि फिर से शुरू हो सकती है।

चक्रवाती तूफान से पलटा ट्रॉलर... 8 मछुआरों की मौत

कोलकाता । बंगाल की खाड़ी में आए चक्रवाती तूफान के दौरान एक ट्रॉलर पलटने से उसमें सवार 9 मछुआरे फंस गए थे। इसमें से 8 मछुआरों के शव बरामद किए गए हैं, जबकि एक मछुआरा अभी भी लापता है। यह दुर्घटना एफबी गोविंदो नामक ट्रॉलर की है, इसमें 17 मछुआरे सवार थे। ये सभी हिल्सा मछली पकड़ने के लिए निकले थे, लेकिन सुंदरबन के बाघेर चार के पास ट्रॉलर अचानक डूब गया। एक विशाल लहर ने ट्रॉलर के डेक पर मौजूद 8 मछुआरों को समुद्र में बहा दिया। तीन घंटे बाद, एक अन्य ट्रॉलर के मछुआरों ने उन्हें बचाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक उनकी जान जा चुकी थी। बचाए गए मछुआरों ने घटना की जानकारी दी। तटरक्षक बल और स्थानीय मछुआरा संगठन की मदद से रविवार दोपहर करीब 12:30 बजे ट्रॉलर को किनारे लाया गया। मृतकों की उम्र 27 से 55 वर्ष के बीच थी, जिनमें से अधिकांश काकद्वीप के निवासी थे।

पुणे एयरपोर्ट का बदलेगा नाम, 'तुकाराम महाराज' के नाम से होगी पहचान

मुंबई । महाराष्ट्र सरकार ने सोमवार को 17वीं सदी के पूज्य संत के सम्मान में पुणे हवाई अड्डे का नाम बदलकर 'तुकाराम महाराज हवाई अड्डा' करने को आधिकारिक रूप से मंजूरी दे दी। शिंदे सरकार की कैबिनेट बैठक में यह निर्णय लिया गया। महाराष्ट्र कैबिनेट ने लोहेगांव हवाई अड्डे के नाम परिवर्तन को मंजूरी दी है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि अब इसका नाम जगद्गुरु संत तुकाराम अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा होगा। शिंदे ने कहा कि इस कदम का उद्देश्य महाराष्ट्र के इतिहास में एक प्रमुख आध्यात्मिक व्यक्ति संत तुकाराम महाराज को श्रद्धांजलि देना है, जो अपनी भक्ति कविता और भक्ति आंदोलन पर प्रभाव के लिए जाने जाते हैं। सीएम शिंदे ने कहा कि सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने पहले पुणे हवाई अड्डे का नाम बदलने की सिफारिश की थी और कहा था कि वह केंद्र से मंजूरी लेंगे। नागरिक उड्डयन एवं सहकारिता राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने इस फैसले की घोषणा करते हुए कहा कि जगद्गुरु संत तुकाराम महाराज का जन्म लोहगांव में हुआ था, जहां पुणे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा स्थित है। इतना ही नहीं, तुकाराम महाराज ने अपना बचपन लोहगांव में बिताया, इसलिए लोहगांव और तुकोबाराई का घनिष्ठ संबंध है।

बाढ़ प्रभावित लोगों से शुभेंदु अधिकारी ने की मुलाकात, ममता बनर्जी को बताया हालात के लिए जिम्मेदार

कोलकाता। भाजपा नेता और पश्चिम बंगाल के नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी ने पश्चिम मेदिनीपुर जिले के घाटल में बाढ़ प्रभावित लोगों से मुलाकात की। भाजपा नेता और पश्चिम बंगाल में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी ने राज्य में बाढ़ की स्थिति पर कहा कि ममता बनर्जी इसके लिए जिम्मेदार हैं। यह टीएमसी की विफलता है, टीएमसी को घाटल के लोगों के प्रति जवाबदेह होना चाहिए। राज्य सरकार की यहां कोई भूमिका नहीं है, ममता बनर्जी खुद यहां आईं लेकिन क्या हुआ। लोगों के घरों में चावल नहीं है, तिरपाल नहीं है, बच्चों के लिए खाना नहीं है। सरकार यहां पूरी तरह विफल रही है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल में बाढ़ की स्थिति पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को एक और पत्र लिखा, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया कि दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) ने उनकी सरकार से परामर्श किए बिना अपने जलाशयों से पानी छोड़ दिया, जिससे राज्य के कई जिले जलमग्न हो गए। प्रधानमंत्री को लिखे ममता के पिछले पत्र का जवाब देते हुए केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने कहा था कि राज्य के अधिकारियों को हर चरण में डीवीसी के जलाशयों से पानी छोड़े जाने के बारे में सूचित किया गया था, जो एक बड़ी आपदा को रोकने के लिए आवश्यक था। ममता ने कहा कि हालांकि, माननीय मंत्री का दावा है कि डीवीसी के बांधों से पानी दामोदर घाटी जलाशय विनियमन समिति के साथ आम सहमति और सहयोग से छोड़ा गया था, जिसमें पश्चिम बंगाल सरकार के प्रतिनिधियों के साथ परामर्श भी शामिल था, मैं इससे सम्मानपूर्वक असहमति जताती हूं।

सीताराम येचुरी जैसे व्यावहारिक मार्क्सवादी हैं श्रीलंका के नए राष्ट्रपति

नई दिल्ली। श्रीलंका में वामपंथी विचारधारा वाले अनुरा कुमारा दिसानायके को राष्ट्रपति के रूप में चुना गया है। वह कट्टर वामपंथी नेता प्रकाश करात की तरह नहीं हैं, चर्चा ये भी हो रही है कि उनकी नीतियाँ सीताराम येचुरी की तरह समय के साथ बदलाव की ओर झुकाव रखती हैं। दिसानायके की सरकार भारत के साथ संबंधों को और मजबूत करने में सक्षम हो सकती है। भारत ने श्रीलंका के मुश्किल समय में उसका समर्थन किया है, और उम्मीद है कि दोनों देशों के बीच सहयोग बढ़ेगा।

तुच्छ विषयों' पर रिपोर्ट मांगने के लिए राज्यपाल के पत्र लिखने पर गौर कर रही सरकार: सिद्धरमैया

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने कहा कि राज्यपाल थावरचंद गहलोत 'तुच्छ विषयों' पर रिपोर्ट मांगने के लिए पत्र लिख रहे हैं और राज्य सरकार इसकी जांच कर रही है। मुख्यमंत्री ने कथित आर्कावती लेआउट घोटाले पर न्यायमूर्ति एच एस केम्पन्ना आयोग की रिपोर्ट के संबंध में पूर्ववर्ती सरकार की कथित निष्क्रियता पर सवाल उठाते हुए भाजपा पर पलटवार किया तथा कहा कि उनकी सरकार इस संबंध में विभिन्न पहलुओं पर विचार करने के बाद रिपोर्ट पर निर्णय लेगी। राज्यपाल ने मुख्य सचिव शालिनी रजनीश को पत्र लिखकर कथित अर्कावती लेआउट घोटाले में केम्पन्ना आयोग की रिपोर्ट की एक प्रति और अन्य संबंधित जानकारी मांगी है।

इस कथित घोटाले में सिद्धरमैया के पिछले कार्यकाल के दौरान भूमि को गैर-अधिसूचित करने का आरोप है। मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने अर्कावती लेआउट मामले के बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में कहा, ''मुझे नहीं पता, मैं इसे देखूंगा। भाजपा चार साल तक सत्ता में रही। उन्होंने ऐसा क्यों नहीं किया? वे सत्ता में थे, उन्होंने इसे (रिपोर्ट को) विधानसभा में क्यों नहीं पेश किया? अब सी. टी. रवि (भाजपा विधान पार्षद) ने (राज्यपाल को) एक पत्र लिखा है। वह (भाजपा सरकार में) मंत्री थे। उन्होंने तब ऐसा क्यों नहीं किया?''

उन्होंने संवाददाताओं से बातचीत में कहा, ''क्या आप जानते हैं कि अब क्या हुआ है? इस पर केशवनारायण की अध्यक्षता वाली एक समिति (गठित) थी, इन सभी चीजों पर गौर करने की जरूरत है। इस पर गौर करने के बाद हम फैसला लेंगे।'' सी. टी. रवि ने हाल ही में राज्यपाल को पत्र लिखकर सिद्धरमैया से न्यायमूर्ति केम्पन्ना की रिपोर्ट सार्वजनिक करने को कहा था। न्यायमूर्ति केम्पन्ना आयोग का गठन 2014 में बतौर मुख्यमंत्री सिद्धरमैया के पहले कार्यकाल के दौरान किया गया था।

आयोग की रिपोर्ट 2017 में प्रस्तुत की गई थी, उस समय भी मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ही थे, लेकिन रिपोर्ट को सार्वजनिक नहीं किया गया था। यह पूछे जाने पर कि क्या सरकार राज्यपाल के खिलाफ राष्ट्रपति से शिकायत करने पर विचार कर रही है, मुख्यमंत्री ने कहा, ''नहीं, हम जांच कर रहे हैं। राज्यपाल (छोटे मामलों पर रिपोर्ट मांगने के लिए) पत्र लिख रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''किसी ने शिकायत की है। मैं आपको बता रहा हूं, मैसूरु के किसी व्यक्ति ने शिकायत की कि मैं हमेशा कन्नड़ में हस्ताक्षर करता था, लेकिन (कुछ दस्तावेज़ों में) मैंने अंग्रेजी में हस्ताक्षर किए हैं, इसलिए कृपया इसकी जांच करें। क्या यह कोई मुद्दा है? मैं अंग्रेजी या कन्नड़ में हस्ताक्षर कर सकता हूं। कोई भी व्यक्ति जिस में चाहे हस्ताक्षर कर सकता है।

खट्टर को लेकर खेड़ा का खुलासा... कांग्रेस में आने को थे तैयार

चंडीगढ़ । हरियाणा में विधानसभा चुनाव का बिगुल बज चुका है। सियासी बयानबाजी के बीच सोमवार को कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने बड़ा बयान दिया। उन्होंने हरियाणा के पूर्व सीएम मनोहर लाल खट्टर के बारे में दावा किया कि जब उन्हें सीएम की कुर्सी से हटाया गया तब वे बीजेपी छोड़कर कांग्रेस में शामिल होना चाहते थे। उन्होंने कहा कि जल्द हमारे बड़ा नेता इस बात का खुलासा करने वाले है। हरियाणा में विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस प्रवक्ता खेड़ा ने बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि हरियाणा में खट्टर जब सीएम की कुर्सी से हटाए गए, तब उन्होंने हमारे बड़े नेता से संपर्क किया था। कांग्रेस पार्टी में शामिल होने के लिए। बहुत जल्द हमारे बड़े नेता इसका खुलासा करने वाले है। कांग्रेस नेता खेड़ा ने बीजेपी पर हमला कर कहा कि 10 साल बहुत लंबा समय होता है। चुनाव में वोट दो कारण से डालते हैं किसी को हराने और जिताने के लिए, लेकिन इस बार दोनों कारणों से वोट डलेगा। भाजपा को हराने और कांग्रेस को जिताने के लिए बटन दबेगा।

सोनिया गांधी को लेकर दिए गए बयान पर बुरी फंसी कंगना रनौत, विक्रमादित्य सिंह बोले- माफी मांगें वरना...

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश कांग्रेस ने सोमवार को सोनिया गांधी के खिलाफ उनके बयान के लिए भाजपा सांसद कंगना रनौत की आलोचना की। कांग्रेस ने साफ तौर पर उनसे माफी की मांग की है। इतना ही नहीं, हिमाचल कांग्रेस ने कंगना रनौत को अपनी टिप्पणियों पर कानूनी कार्रवाई का सामना करने की चुनौती दी। यह तब आया है जब रनौत ने आरोप लगाया कि कांग्रेस शासित हिमाचल प्रदेश सरकार ने ऋण लिया और पैसा सोनिया गांधी को भेज दिया।

हिमाचल प्रदेश के मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि हम एक सांसद के रूप में कंगना जी (मंडी से भाजपा सांसद कंगना रनौत) का सम्मान करते हैं। लेकिन जिस तरह से उन्होंने हमारी राष्ट्रीय नेता सोनिया गांधी जी के खिलाफ बयान दिया है, वह दुर्भाग्यपूर्ण है।' उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि कोई अनपढ़ व्यक्ति भी ऐसी बातें नहीं कहेगा। या तो वह सबूत दिखाएं या एक हफ्ते के अंदर माफी मांगें, नहीं तो हम उनके खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर करेंगे।' बीजेपी को इस मामले का संज्ञान लेना चाहिए।

विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि यह कहने से बड़ा मूर्खतापूर्ण बयान नहीं हो सकता कि विकास के लिए केंद्र से आने वाला पैसा या राज्य का पैसा सोनिया गांधी को दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मैं भाजपा सांसद कंगना रनौत को खुली चुनौती देता हूं कि वे 1 रुपये भी हेराफेरी का सबूत दिखाएं या उनके खिलाफ इस तरह के निराधार और अनुचित आरोप लगाने के लिए कांग्रेस नेता सोनिया गांधी से माफी मांगें। अन्यथा कांग्रेस उनके खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर करेगी।

सीएम सैनी ने क्यों कहा, एक बार कांग्रेस का झूठ फैलेगा .... बार-बार नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। हरियाणा में जारी विधानसभा चुनाव के बीच एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शिरकत की। सीएम सैनी ने सरकार के कामकाज से लेकर भाजपा की चुनावी रणनीति तक, खुलकर सवालों के जवाब दिए।

सीएम सैनी ने कहा कि बीते 10 साल में बिना भेदभाव के हरियाणा में काम हुए हैं। मेरे पास सौ लोग आए, 50 के काम हुए और 50 पेंडिंग रहे, कल उन कामों को किया जाएगा। लोग भी इस बात को समझते हैं। हमारी मंशा, सोच है कि जो भी व्यक्ति हमारे यहां आए, उसका काम पूरा हो। इसके लिए हम डटकर प्रयास करते हैं। 10 साल में जमीन आसमान का अंतर नजर आएगा।

सत्ता विरोधी लहर और लोकसभा चुनाव में पांच सीटों पर हार को लेकर सवाल पर सीएम सैनी ने कहा कि हमारी नीयत पर कोई सवालिया निशान नहीं है। कांग्रेस के समय लोगों की बात ही नहीं सुनी जाती थी, लोग घुमते रहते थे। सीएम सैनी ने कहा कि लोकसभा चुनाव में कोई सत्ता विरोधी लहर नहीं थी। बहुत बड़ा झूठ फैलाया गया था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने दो साल पहले झूठ की स्क्रिप्ट लिखकर हिमाचल में उतारा। वहां दो साल सरकार के हुए हैं, एक लाख रोजगार से लेकर कैश तक, वादे अब तक पूरे नहीं हुए।

सीएम सैनी ने कहा कि एक बार कांग्रेस का झूठ फैलेगा लेकिन बार-बार नहीं। इन्होंने ये झूठ फैलाया कि तीसरी बार मोदी की सरकार बनती है,तब ये संविधान को खत्म कर देगी। आरक्षण को समाप्त कर देगी। राहुल गांधी ने अमेरिका में कहा कि कांग्रेस की सरकार आई तब हम आरक्षण खत्म कर देने वाले है। नेहरू से लेकर राजीव गांधी और इंदिरा गांधी तक ने आरक्षण का विरोध किया।

विधानसभा चुनाव को लेकर सीएम ने कहा कि इस तरह की स्क्रिप्ट से बड़ा नुकसान हमारा हुआ है। कांग्रेस की रणनीति पर सीएम सैनी ने कहा कि हुड्डा साहब अभी हरियाणा में हिसाब मांगने निकले थे। हमने पूछा कि 10 साल सीएम रहे, कितने किसानों की फसल एमएसपी पर खरीदा, कितने किसानों को मुआवजा दिया। जम्मू कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस से कांग्रेस के गठबंधन पर हुड्डा को कठघरे में खड़ा किया।

सीएम सैनी ने अग्निवीर के मुद्दे पर कहा कि हमारी सरकार ने इसके लिए हर नौकरी में 10 फीसदी आरक्षण का प्रावधान किया है। जो अग्निवीर अपना बिजनेस करना चाहेगा, उन्हें आर्थिक मदद उपलब्ध कराएंगे। उन्होंने फेरबदल करने को लेकर सवाल पर कहा कि समय के अनुसार फैसले लिए जाएंगे।

सीएम ने कहा कि विनेश हमारी बेटी है हरियाणा की, जब विनेश को अयोग्य घोषित किया गया था तब मैंने कहा था कि हम पूरा सम्मान देने वाले है। कांग्रेस ने खिलाड़ियों के कंधे पर बंदूक रखकर निशाना साधा। विनेश ने हाल ही में दावा किया था कि उन्हें सरकार की ओर से अब तक कुछ नहीं मिला है।

हरियाणा में मुख्यमंत्री बदलने के पीछे वजह बताने के सवाल पर सीएम सैनी ने कहा कि देश को अब मनोहरलालजी की आवश्यकता है। अब देश के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि झूठ जल्दी फैल जाता है। नीचे आग नहीं होती है तभी धुआं ऊपर दिखता है। सीएम सैनी ने कहा कि हमारी सरकार ने इसतरह के बुजुर्गों को भी पेंशन देने का काम किया है जिनकी पेंशन नहीं बनती थी।

हेमंत सरकार झूठ बोलने वाली मशीन: केशव प्रसाद मौर्या

– आगामी विधानसभा चुनावों में भाजपा को जिताने के लिए जनता से अपील की

गढ़वा (एजेंसी)। गढ़वा जिला के रंका अनुमंडल के हाई स्कूल के मैदान में परिवर्तन यात्रा में झारखण्ड के पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी सहित इस संकल्प सभा मे मुख्य रूप से उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या पहुंचे और सभा को संबोधित किया। इस दौरान केशव मौर्या ने हेमंत सोरेन सरकार पर जमकर निशाना साधते हुए देश की सबसे भ्रष्ट सरकार करार दिया। साथ ही आगामी विधानसभा चुनावों में भाजपा को ?जिताने के लिए जनता से अपील की। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या ने सम्बोधन करते हुए कहा कि इस देश में झारखण्ड का ऐसा भ्रष्ट मुख्यमंत्री न ही देखा और न ही सुना है। वही केशव प्रसाद मौर्या ने हेमंत सोरेन सरकार पर हमला करते हुए बोला कि हेमंत सोरेन की अगुवाई में चल रही सरकार को झूठ बोलने वाली मशीन कहा जा सकता है। पांच वर्षों को झारखण्ड की बर्बादी के रूप मे याद किया जाएगा। साथ ही उन्होंने कहा बर्बादी का उबारने का काम सिर्फ भाजपा ही कर सकती है क्योंकि भजपा सुशासन, विकास, दीदी को लखपति बनाना काम है। पहले भाजपा का सरकार था तो सुसाशन था लेकिन आज हाल आपके सामने है।केशव प्रसाद मौर्या ने कहा कि उत्तर प्रदेश मे परिवर्तन यात्रा जब निकली थी तो हमारे 40 से तीन सौ से अधिक विधायक हो गए। यहां भी इस परिवर्तन यात्रा में आपका उत्साह बता रहा है कि यहां भी बीजेपी का ही शासन होगा और पुलिस पदाधिकारी सहित अधिकारी भी आपके सहयोग के लिए ही काम करेंगे। साथ ही उन्होंने कहा कि राज्य मे गुंडागर्दी, जमीन माफियाओ, भ्रस्टाचार से पानी सर के ऊपर चला गया। वहीं मरांडी की तारीफ करते हुए केशव प्रसाद मौर्या ने कहा सरकार बनने के बाद झारखण्ड बाबूलाल की अगुवाई मे पांच वर्ष मे 50 वर्ष का काम दिखेगा और यह मेरा वादा है। वहीं मौर्या ने केंद्र सरकार की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए कहा कि झारखण्ड सहित देश की जनता ने तीसरी बार मोदी जी की सरकार बनाई। जम्मू कश्मीर में 370 हटाने का काम पूरा हुआ है। आज आप झारखण्ड मे तिरंगा फहराते है तो अब जम्मू कश्मीर मे भी तिरंगा फहरता है। साथ ही उन्होंने कहा कि झारखण्ड में बंगालदेशियों की जनसंख्या जेएमएम, राजद और कांग्रेस ने बढाई। केशव प्रसाद मौर्या ने आगामी विधानसभा चुनावों में भाजपा को जताने के लिए वहां मौजूद जनता से अपील करते हुए कहा कि झारखण्ड मे भाजपा की सरकार बनेगी तो मोदी जी और झारखंड और मजबूत होगा। उत्तर प्रदेश की 25 करोड़ की जनता की ओर से आपसे निवेदन करने आए है एक एक वोट कमल फूल पर पड़े इसका ध्यान दीजियेगा। साथ ही उन्होंने कहा जब भाजपा की सरकार बनेगी तो सभी माफिया जेल मे होंगे। यहां के भ्रष्टचारी मंत्री सिर्फ लूट खसोट करते है। लेकिन इनके मंत्री का भी दबंगई चकनाचूर करने का काम भी आपके हाथ में है। इसलिए हम यहां पर सभी से एक आग्रह करते हैं कि इस बार कमल के फूल पर वोट करना है। वही फूल का सरकार ही झारखंड का विकास करेगा जो रुका है।

चुनाव से पहले सरकार को किसानों का अल्टीमेटम... अनदेखी नहीं भूलेगा किसान

गुरुग्राम (एजेंसी)। किसान मजदूर मोर्चा और संयुक्त किसान मोर्चा (गैर राजनीतिक) के आह्वान पर पिपली अनाज मंडी में आयोजित किसान महापंचायत में पहुंचे किसान नेताओं ने सरकार पर उनकी अनदेखी का आरोप लगाया हैं। किसान नेताओं ने मंच से स्पष्ट किया कि इस अनदेखी को किसान कभी नहीं भूलेगा। इसके विरोध में तीन अक्टूबर को हरियाणा में किसान दो घंटे रेलवे ट्रैक रोक कर रोष जताएंगे।

संयुक्त किसान मोर्चा (गैर राजनीतिक) के अध्यक्ष श्रवण सिंह पंधेर ने कहा कि किसानों द्वारा मांगों को लेकर आंदोलन के दौरान सरकार ने किसानों पर अत्याचार किए। किसान इसका बदला जरूर लेगा। उन्होंने राजनीतिक दलों को चेताया कि किसान भविष्य में एक होकर मजबूत लड़ाई लड़ने को तैयार है। उन्होंने कहा कि जब तक एमएसपी पर गारंटी कानून, किसानों का कर्जा और किसानों को इंसाफ नहीं मिलेगा, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि दिल्ली में चले आंदोलन को 223 दिन हो गए हैं। मोर्चे ने निर्णय लिया था कि प्रदेश के चुनाव होने से पहले दो बड़ी किसान महापंचायत की जाएगी। एक पंचायत पहले हो चुकी है और दूसरी पिपली अनाजमंडी में हुई है।

वहीं किसान मजदूर मोर्चा के नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल ने कहा कि सरकारों को किसानों की अनदेखी का हिसाब देना होगा। किसान अब ऐसी नीति बनाएंगे कि कोई भी राजनीतिक दल उनकी ओर आंख उठाकर नहीं देखेगा। उन्होंने कहा कि देश की सत्ता का रास्ता गांवों की गलियों से होकर गुजरता है।

महापंचायत में ये लोग रहे मौजूद

किसान महापंचायत को शहीद भगत सिंह किसान यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमरजीत मोहड़ी, राजस्थान के किसान नेता रणजीत राजू, किसान मजदूर संगठन के प्रदेश अध्यक्ष उमेद सिंह फोगाट, किसान नेता जसविंद्र सिंह लोगोंवाल ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर शहीद भगत किसान यूनियन के प्रदेश महासचिव संजीव आलमपुर, किसान नेता नवदीप सिंह, बीबी हरजिंद्र कौर, किसान नेता राजेंद्र सिंह चौसाला मौजूद रहे।

सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक निर्णय: बाल यौन शोषण सामग्री को देखना और संग्रहीत करना अपराध

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के शीर्षस्थ न्यायालय ने हाल ही में बाल यौन शोषण सामग्री (बाल पोर्नोग्राफी) को देखने और संग्रहीत करने के संबंध में एक महत्वपूर्ण निर्णय दिया है। इस फैसले में, कोर्ट ने मद्रास उच्च न्यायालय के उस आदेश को पलटा, जिसमें कहा गया था कि व्यक्तिगत उपयोग के लिए बाल पोर्नोग्राफी देखना या डाउनलोड करना अपराध नहीं है। यह निर्णय यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो) के तहत कानूनों को और सख्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यदि किसी व्यक्ति का इरादा बाल पोर्नोग्राफी को साझा करने या व्यावसायिक लाभ के लिए उपयोग करने का है, तो यह पॉक्सो अधिनियम की धारा 15 के तहत अपराध माना जाएगा। इस धारा के तहत तीन अलग-अलग उपधाराएँ हैं।

उपधारा (1): यह किसी व्यक्ति के द्वारा बाल अश्लील सामग्री को हटाने, नष्ट करने या रिपोर्ट करने में विफलता को दंडित करती है।

उपधारा (2): इसमें बाल पोर्नोग्राफी के वास्तविक प्रसारण, प्रदर्शन या वितरण को दंडित किया गया है।

उपधारा (3): यह वाणिज्यिक उद्देश्य के लिए बाल पोर्नोग्राफी का भंडारण या कब्जा करने को दंडित करती है।

सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि इंटरनेट पर बाल यौन शोषण सामग्री को देखने का कार्य, बिना भौतिक रूप से उसे डाउनलोड किए भी, कब्जा माना जाएगा, बशर्ते कि व्यक्ति ने उस सामग्री पर नियंत्रण स्थापित किया हो। अदालत ने बाल पोर्नोग्राफी शब्द की निंदा की और सुझाव दिया कि इसे बाल यौन शोषण और दुर्व्यवहार सामग्री के रूप में संदर्भित किया जाए। यह परिवर्तन इस मुद्दे की गंभीरता को समझने में मदद करेगा। इस निर्णय के माध्यम से, सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि बच्चों के संरक्षण के लिए भारत की न्याय प्रणाली कितनी संवेदनशील है। यह निर्णय न केवल कानून को मजबूत बनाता है, बल्कि समाज में बाल यौन शोषण के खिलाफ एक मजबूत संदेश भी देता है। यह अदालती निर्णय उन सभी के लिए एक चेतावनी है जो इस प्रकार के अपराधों में लिप्त हैं कि ऐसे कृत्यों को सहन नहीं किया जाएगा।